सोमवार
02 सितंबर 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

विधानसभा चुनाव में 40 सीटों पर मुसलमानों को टिकट देगा जनसुराज: पीके

2

त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों में स्थगन की संस्कृति बदलनी होगी: राष्ट्रपति

- राष्ट्रपति ने जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन को किया संबोधित
- बोलीं- अदालतों में लंबित मामले सभी के लिए बड़ी चुनौती हैं, इसे प्राथमिकता देते हुए समाधान ढूंढना चाहिए
- न्याय की रक्षा करना देश के सभी न्यायाधीशों की जिम्मेदारी

एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास किए जाने की जरूरत है। राष्ट्रपति ने कहा कि अदालतों में लंबित मामले सभी के लिए बड़ी चुनौती हैं। इसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए और समाधान ढूंढना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्याय की रक्षा करना देश के सभी न्यायाधीशों की जिम्मेदारी है। अदालती माहौल में आम लोगों का तनाव का स्तर बढ़ जाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि रेप के मामलों में इतने समय में फैसला आता है। देरी की वजह से लोगों को लगता है कि संवेदना कम है।

न्याय और अन्याय का निर्णय करने वाला धर्म शास्त्र है

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महाभारत में उच्चतम न्यायालय के ध्येय वाक्य, यतो धर्मः ततो जय, का कई बार उल्लेख हुआ है, जिसका भावार्थ है कि जहां धर्म है, वहां विजय है। उन्होंने कहा कि न्याय और अन्याय का निर्णय करने वाला धर्म शास्त्र है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें खुशी है कि सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका में लोगों का विश्वास सुनिश्चित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजन किया है। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हो रहे अपराध को लेकर कहा कि ये देश में गंभीर चिंता का विषय बन गया है। राष्ट्रपति ने न्यायाधीशों से अपील की कि वो इन मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करें, ताकि महिलाओं और पूरे समाज में सुरक्षा की भावना पैदा हो सके। राष्ट्रपति ने उच्चतम न्यायालय का ध्वज और प्रतीक चिह्न भी जारी किया।

लंबित मामले कम करने को बनाई गई है ठोस योजना : सीजेआई

इस मौके पर मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि लंबित मामलों की संख्या को कम करने के लिए एक ठोस योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तीन मुख्य चरण हैं। जिसमें पहले चरण में जिला स्तर पर मामलों के प्रबंधन के लिए समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां लंबित मामलों और रिकॉर्ड की स्थिति की जांच करेंगी। दूसरे चरण में, उन मामलों का निपटारा किया जाएगा जो 10 से 30 वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं। तीसरे चरण में, जनवरी 2025 से जून 2025 तक दस वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके लिए विभिन्न तकनीकी और डाटा प्रबंधन प्रणालियों की जरूरत होगी। लंबित मामलों से निपटने के अन्य उपायों में विवादों का समाधान करने की पहल भी शामिल है।

न्यायालयों तक पहुंच को बढ़ाना हमारी प्राथमिकता में शामिल

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हमें यह स्थिति बदलनी होगी कि हमारे जिला न्यायालयों में केवल 6.7 फीसदी इन्फ्रास्ट्रक्चर ही महिलाओं के अनुकूल है। आज के समय में जब कुछ राज्यों में भर्ती में 60 फीसदी से 70 फीसदी महिलाएं हैं, तो क्या यह स्वीकार्य है? हमारी प्राथमिकता है कि न्यायालयों तक पहुंच को बढ़ाया जाए। इसके लिए हम इन्फ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट करेंगे, कोर्ट में मेडिकल सुविधाएं आदि स्थापित करेंगे और ई-सेवा केंद्र व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरणों का उपयोग बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हमारे न्यायालय समाज के सभी लोगों के लिए सुरक्षित और अनुकूल हों, खासतौर पर महिलाओं, दिव्यांगों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य संवेदनशील समूहों के लिए।

एम्स ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जताई चिंता

जूनियर डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या की घटना निर्भया कांड से भी ज्यादा बर्बर: उपराष्ट्रपति

- बोले उपराष्ट्रपति- डॉक्टर बेटी के साथ हुई निर्ममता से पूरी डॉक्टर बिरादरी, नर्सिंग स्टॉफ, हेल्थ वारियर्स चिंता में हैं, परेशानी में हैं और दुखी हैं

एजेंसी/नई दिल्ली

कोलकाता में जूनियर डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की घटना को 2012 में हुए निर्भया कांड से भी ज्यादा बर्बर बताते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि देश को एक क्रांतिकारी, सुरक्षित और प्रणालीगत प्रक्रिया अपनानी होगी, जिससे भविष्य में मानवता की सेवा में लगे किसी क्षेत्र को कभी कोई खतरा न हो। ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि 2012 में दर्दनाक निर्भया कांड हुआ, जिसने देश को हिलाकर रख दिया और कानून में बदलाव हुआ। उन्होंने कहा कि यह उससे भी अधिक (बर्बर) है । यह ऐसा वक्त है, जब पूरी दुनिया हमें देख रही है। हम ऐसे देश हैं, जो दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं। हमने गर्व से दुनिया के सामने वसुधैव कुटुंबकम पेश किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारे कुटुंब की बेटी ने जनता की सेवा करने में न दिन देखा और न रात। उसके साथ निर्ममता की अकल्पनीय हद तक (बलात्कार किया गया)... और (फिर) कत्ल हुआ। उन्होंने कहा कि इससे पूरी डॉक्टर बिरादरी, नर्सिंग स्टॉफ, हेल्थ वारियर्स चिंता में हैं, परेशानी में हैं और दुखी हैं।

समाज अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता, जवाबदेही दिखानी होगी

धनखड़ ने कोलकाता के आर जी कर अस्पताल में हुई नौ अगस्त की घटना को 'बर्बर' बताया और कहा कि बर्बर घटनाएं पूरी सभ्यता को शर्मसार कर देती हैं और उस आदर्श को खंडित कर देती हैं, जिसके लिए भारत जाना जाता है। इसके लिए कठोर दंड को एक समाधान मानते हुए धनखड़ ने कहा जिसने भी यह किया है, उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा, लेकिन समाज को भी इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। समाज अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। खुद एक संवैधानिक पद पर होने के नाते उन्हें भी अपनी जवाबदेही दिखानी होगी। छोटी-छोटी घटनाओं पर शोर मचाने वाले गैर सरकारी संगठनों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे आज 'शांत अवस्था' में हैं। उनकी चुप्पी नौ अगस्त 2024 को हुए इस जघन्य अपराध के अपराधियों के कृत्य से भी बदतर है।

कुछ लोग अपने बयानों से जख्मों पर नमक छिड़क रहे

उपराष्ट्रपति ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि कुछ लोग इस घटना पर अपने बयानों से जख्मों पर नमक छिड़कने का काम कर रहे हैं। एक सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा घटना को 'सिम्पटोमेटिक मलाइस' बताए जाने का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं ऐसी गुमराह आत्माओं से अपने विचारों पर दोबारा विचार करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का आह्वान करता हूं। यह समय राजनीतिक चश्मे से देखने का नहीं है। राजनीतिक चश्मा खतरनाक होता है और आपकी निष्पक्षता को खत्म कर देता है। रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन की चिंताओं का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि चीजें आकार लेंगी। उन्होंने कहा कि चिंता दूर होनी चाहिए और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि ऐसा होगा। लोकतंत्र के सभी हितधारकों के एक जगह पर साथ आने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा में लगे इस श्रेणी के लोगों में असुरक्षा खत्म होनी चाहिए। अगर भारत की राष्ट्रपति ने इस पर अपनी चिंता व्यक्त की है, तो आप मुझसे यह वादा ले सकते हैं कि ऐसा जरूर होगा।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में आईजी की बेटी की संदिग्ध स्थिति में मौत

लखनऊ। लखनऊ स्थित राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में एक छात्रा की संदिग्ध मौत हुई है। छात्रा का नाम अनिका रस्तोगी है। छात्रा के पिता एनआईए में दिल्ली आईजी पद पर तैनात हैं। छात्रा का शव हॉस्टल कमरे के फर्श पर पड़ा मिला है। बताया जा रहा है कि 19 साल की अनिका राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में एलएलबी की तीसरे वर्ष की छात्रा थी। बड़े आईपीएस अधिकारी की बेटी की मौत से हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। अनिका जमीन पर बेहोश पड़ी मिली थी। जानकारी के मुताबिक, अनिका रस्तोगी रात को अपने कमरे में गई थी। उसके बाद जब उसके साथी कमरे में आए तो अनिका ने गेट नहीं खोला। गेट खटखटाने पर भी गेट नहीं खुला तो दोस्तों ने गेट तोड़ा। अंदर देखा को अनिका जमीन पर बेहोश पड़ी थी।

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से केसी त्यागी का इस्तीफा

- राजीव रंजन को बनाया गया जेडीयू का नया राष्ट्रीय प्रवक्ता
- केसी त्यागी ने निजी कारणों का हवाला देते हुए छोड़ा पद

केटी न्यूज/पटना

जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने निजी कारणों का हवाला देते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके स्थान पर राजीव रंजन को जेडीयू का नया राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। पार्टी के महासचिव आफाक अहमद खान ने एक पत्र जारी कर इस बदलाव की जानकारी दी। जेडीयू महासचिव आफाक अहमद खान के जारी पत्र में लिखा गया है कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष, नीतीश कुमार (मुख्यमंत्री, बिहार) ने राजीव रंजन प्रसाद को राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किया है। केसी त्यागी, जो प्रवता के पद पर पार्टी में हैं, उन्होंने निजी कारण से पार्टी के प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है।

22 मई 2023 को बनाया गया था मुख्य प्रवक्ता

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ लंबे समय तक काम कर चुके किशनचंद त्यागी को जनता दल यूनाईटेड की 22 मई 2023 एक बार फिर इज्जत के साथ पद पर वापसी हुई थी। इस बार उन्हें विशेष सलाहकार बनाया गया, लेकिन मुख्य धारा में रखने के लिए राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी दी गई। राष्ट्रीय महासचिव और प्रवक्ता के पद से उन्हें मार्च महीने में हटाया गया था, तब उन्होंने कहा था कि वह पार्टी के किसी जिम्मेदारी वाले पद पर खुद काम नहीं करना चाहते हैं।

कई बयानों से किया केंद्र सरकार की योजनाओं का विरोध: केसी त्यागी ने कई मुद्दों पर ऐसे बयान दिए जिसने मोदी सरकार को सोचने पर मजबूर कर दिया था। अग्निपथ स्कीम को लेकर केसी त्यागी ने कहा था कि अग्निपथ स्कीम पर दोबारा से विचार करने की जरूरत है। इसके अलावा उन्होंने यूनिफॉर्म सिविल कोड और वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर भी अपना पक्ष रखा था।

गंगा नदी के भागड़ में डूब गए दो चचेरे भाई

- भोजपुर जिले के खवासपुर थाना क्षेत्र के रामफल के टोला गांव के पास घटी घटना
- बाढ़ के पानी में नहाने के दौरान हुआ हादसा, दोनों की उम्र महज 14 और 15 साल है

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के खवासपुर थाना क्षेत्र के रामफल के टोला गांव स्थित गंगा नदी के भागड़ में डूबने से चचेरे भाइयों की मौत हो गई। नहाने के दौरान यह हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार मृतकों में खवासपुर थाना क्षेत्र के रामफल के टोला गांव निवासी संजय यादव का 15 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार यादव एवं उसी गांव के निवासी चंदेश्वर यादव का 14 वर्षीय पुत्र विजेंद्र कुमार यादव है। वह दोनों रिश्ते में चचेरे भाई थे एवं दसवीं कक्षा का छात्र थे। घटना की सूचना पाकर लोजपा जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान, जिप सदस्य धनंजय यादव, पूर्व जाप नेता रघुपति यादव, राजद नेता हकीम प्रसाद, पूर्व जीप उपाध्यक्ष शैलेंद्र राम सहित कई पार्टी के नेता आरा सदर अस्पताल पहुंचे और मृतकों के परिजनों से मिल घटना की जानकारी ली और उन्हें ढांढ़स बंधाया।

इधर मृतकों के चचेरे भाई धनु कुमार ने बताया कि गंगा का जलस्तर बढ़ जाने के कारण उनका गांव बाढ़ के पानी में डूब गया है। रविवार की सुबह पहले वह दोनों घर के सामने ही बाढ़ के पानी में नहा रहे थे। कुछ देर बाद वह दोनों गांव किनारे गंगा नदी के भागड़ में नहाने चले गए। जहां नहाने के दौरान वह डूब गए। इसके बाद वहां मौजूद ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना उन्हें मिली जिसके बाद परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने कठिन परिश्रम के पश्चात उन्हें पानी से बाहर निकाला। इसके बाद परिजन सोनवर्षा गांव स्थित पीएचसी ले गए। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेता ने परिवार के साथ खाया जहर, सभी की मौत

एजेंसी/रायपुर

छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में कांग्रेस के एक सीनियर नेता ने पूरे परिवार के साथ जहर खा लिया। उनकी बिलासपुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने उनके घर को सील कर दिया और इसकी जांच जुटी हुई है। शहर कोतवाली इलाके के जांजगीर क्षेत्र के वार्ड नंबर 10 के रहने वाले कांग्रेस नेता पंचराम यादव ने पत्नी दिनेश नांदनी यादव (55), बेटों सूरज यादव (27) और नीरज यादव (32) के साथ जहर का सेवन किया था, जिन्हें जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। बाद में उनकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, पंचराम यादव ठेकेदारी का काम करते थे और उन्होंने पहले दो बैंकों से 40 लाख रुपये का लोन लिया था। वो हार्ट के पेशेंट भी थे, जबकि उनकी पत्नी कैंसर की बीमारी से जूझ रही थी। नीरज यादव प्राइवेट नौकरी करता था। सूरज यादव ठेकेदारी का काम करता था। अंदेशा है कि कर्ज के दबाव के कारण ही उन्होंने जहर

एनएचएम मिशन निदेशक ने 31 स्वास्थ्य इकाइयों का जल्द स्टेट एसेसमेंट कराने के दिये निर्देश

उप्र के 30 और अस्पतालों को मिला एनक्वॉस, संख्या 300 पार

केटी न्यूज/लखनऊ

प्रदेश की 30 और स्वास्थ्य इकाइयों को नेशनल क्वॉलिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्वॉस) सर्टिफिकेट मिला है। वहीं,बड़ी बात यह है कि रामपुर जिला महिला अस्पताल को एनक्वॉस, लक्ष्य और मुस्कान तीनों प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही प्रदेश में एनक्वॉस प्रमाणित स्वास्थ्य इकाइयों की संख्या बढ़कर 307 पहुंच गई है। यह प्रमाण पत्र प्रदेश की स्वास्थ्य इकाइयों को गुणवत्तापूर्ण इलाज, स्वास्थ्य के मानकों को पूरा करने एवं उस पर खरा उतरने की वजह से मिला है। बता दें कि एनक्वॉस के तहत स्वास्थ्य इकाइयों की सेवा गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए किए गए ठोस प्रयासों से प्रेरित होकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की मिशन निदेशक ने हाल ही में प्रदेश के सभी अपर निदेशकों व सीएमओ को पत्र के माध्यम से निर्देशित किया है कि वर्ष 2025 के अंत तक प्रदेश की 50 प्रतिशत और वर्ष 2026 तक सभी स्वास्थ्य इकाइयों को एनक्वॉस प्रमाणित कराने के निर्धारित लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र में अपने कार्य को गति दें। साथ ही, उन्होंने विभिन्न जिलों की 31 और स्वास्थ्य इकाइयों का जल्द स्टेट एसेसमेंट करने के निर्देश दिये हैं।

सात सितंबर तक सभी इकाइयों का एसेसमेंट कराने का निर्देश

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने बताया कि उन्होंने 24 जनपदों की 31 स्वास्थ्य इकाइयों का स्टेट एसेसमेंट कराने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पत्र लिखा है। इसमें निर्देशित किया गया है कि सात सितंबर तक इन सभी इकाइयों का एसेसमेंट करा लिया जाए ताकि फिर से नेशनल टीम आंकलन करने आ सके। अगर यह सभी इकाइयां स्टेट के बाद नेशनल एसेसमेंट में भी मानक के अनुरूप मिलीं तो इनको भी एनक्वॉस मिल जाएगा।

इन जिलों की स्वास्थ्य इकाइयों को मिला एनक्वॉस प्रमाण पत्र

एनएचएम के महाप्रबंधक डॉ. निशांत जायसवाल के अनुसार जिन 30 स्वास्थ्य इकाइयों को हाल में एनक्वॉस प्रमाण पत्र मिला है। उनमें रामपुर जिला महिला अस्पताल के अलावा शाहजहांपुर की तिलहर, कानपुर देहात की गजनेर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और लखनऊ की अर्बन पीएचसी शामिल हैं। इसके अलावा फतेहपुर व प्रयागराज के तीन-तीन, गाजियाबाद, बिजनौर व शाहजहांपुर के दो-दो, लखनऊ, गाजीपुर, श्रावस्ती, सहारनपुर, संभल, हमीरपुर, कानपुर देहात, मिर्जापुर, सहारनपुर, गोण्डा, बहराइच, हरदोई, फरुर्खाबाद, कुशीनगर के एक-एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर को एनक्वॉस प्रमाण पत्र मिला है।

विधानसभा चुनाव में 40 सीटों पर मुसलमानों को टिकट देगा जनसुराजः पीके

- जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने पटना में आयोजित कार्यक्रम में राजद पर जमकर निकाली भड़ास
- बोले- मुसलमान के रहनुमा होने का दावा करनेवाले हिम्मत है तो मुसलमानों की जितनी आबादी है उसको उतना सीट देकर दिखाओ

केटी न्यूज/पटना

प्रशांत किशोर रविवार को पटना में राजद पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि 30 वर्षों से मुसलमान के रहनुमा होने का दावा करने वाले अगर हिम्मत है तो मुसलमानों की जितनी आबादी है उसको उतना सीट देकर दिखाओ। उन्होंने एलान करते हुए कहा कि जन सुराज बिहार विधान सभा चुनाव में 40 सीटों पर मुसलमानों को टिकट देगा और जहां राजद मुस्लिम उम्मीदवार खड़ा करेगा वहां मैं हिन्दू उम्मीदवार खड़ा करुंगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हमारी लड़ाई राजद से नहीं है, बल्कि सीधे एनडीए से है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगले साल 2025 में जन सुराज का मुख्यमंत्री बनेगा। राजद न तीन में है न तेरह में।

प्रशांत किशोर ने कहा कि उनकी पार्टी में 18 प्रतिशत मुस्लिमों की भागीदारी होगी. उन्होंने कई मायनों में मुसलमानों को भी दलितों से पिछड़ा बताया और कहा कि समुदाय ने अपने नेताओं तो चुनने में गलती की। प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर आरोप लगाते हुए कहा कि लालू प्रसाद की पार्टी ने मुसलमानों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का डर बिठा दिया है। पीके ने कहा कि जन सुराज में मुसलमानों को उम्मीद दिखाई दे रही है। उन्होंने जन सुराज को आजादी से पहले की कांग्रेस करार दिया और कहा कि बिहार के लोगों से सुधरने को कहता हूं। जाति की अहमियत को लेकर उन्होंने कहा कि बिना जाति के समझ की राजनीति नहीं हो सकती।

कांग्रेस के कारण मुसलमान और दलित बहुत पीछे रह गए

उन्होंने कहा कि देश में ज्यादातर समय कांग्रेस ने शासन किया, जिसमें मुसलमान, अति पिछड़ा और दलित बहुत पीछे रह गए। प्रशांत किशोर मुसलमान-यादव (एमवाई) समीकरण पर भी बात की और कहा कि अब यह खत्म हो गया है। उन्होंने कहा, एमवाई समीकरण अब कहीं बचा हुआ नहीं है क्योंकि अगर एमवाई समीकरण होता तो लालू प्रसाद को कम वोट नहीं मिलते। पीके ने यह कहने से भी गुरेज नहीं किया कि कई लोग लालू प्रसाद के डर से वोट से देते हैं और अगर पैसे लेकर वोट देंगे तो नेता ईमानदार कैसे होंगे। बिहार में जन सुराज पार्टी को लेकर अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, बिहार में 1 प्रतिशत के हिसाब से 15 लाख लोग ढूंढ रहा हूं. राज्य के लोग मिलकर अपना दल बनाएंगे। जन सुराज किसी एक धर्म और जाति का नहीं होगा। इसके जरिए लोग राजनीतिक बंधुआ मजदूरी से बाहर आएंगे।

एक नजर

सुपौल में ट्रक की चपेट में आने से एक छात्रा की मौत, दूसरी गंभीर रूप से घायल

पटना। सुपौल जिले के सरायगढ़ भपटियाही प्रखंड के गढ़िया गांव के पास एनएच-27 पर रविवार को ट्रक की चपेट में आने से एक छात्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया और कार्रवाई में जुट गई। इधर, घटना के बाद अक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-27 को जाम कर करीब आधा घंटे तक प्रदर्शन किया। इस दौरान एनएच पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। हालांकि बाद में प्रशासन के समझाने पर जाम हटवाया गया और एनएच पर दोबारा आवागमन बहाल कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, भपटियाही पंचायत के वार्ड-7 निवासी मनोज भदेशवार की बेटी आरती कुमारी (18) और पड़ोस के अरविंद भदेशवार की बेटी पूजा कुमारी (16) पैदल ट्यूशन पढ़ने के लिए गढ़िया गांव जा रही थीं। इसी दौरान एनएच-27 पर गढ़िया गांव के पास निर्मली से सिमराही की ओर तेज रफ्तार से जा रहे ट्रक ने दोनों छात्राओं को सड़क पार करने के दौरान पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में आरती की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि पूजा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों छात्राओं को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरायगढ़ भपटियाही में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर मोहसिन रजा ने आरती कुमारी को मृत घोषित कर दिया। जबकि पूजा को प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने के कारण हायर सेंटर दरभंगा रेफर कर दिया।

पटना में तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार दो लोगों को कुचला, दोनों की मौत

पटना। पटना में तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार दो लोगों को कुचल डाला, जिसमें दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना बिक्रम थाना के सरवा भदसारा गांव की है। मृतक की पहचान सरवा भदसारा गांव के निवासी रुपेश राज और सूरजभान कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास गांव के लोग मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना के बाद ग्रामीणों ने इसकी जानकारी विक्रम थाने को दी। सूचना मिलते ही बिक्रम थाने की पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और दोनों मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया है। इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने पटना बिक्रम सड़क को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन कर रहे लोग प्रशासन के खिलाफ नारे लगा रहे थे। इतना ही नहीं ग्रामीण मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग पर आए दिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं। प्रशासन की तरफ से इस मामले में कोई भी उचित और ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है, जिसका परिणाम यह हो रहा है कि आए दिन सड़क पर कुचल कर लोगों की मौत हो रही है। ग्रामीणों ने कहा कि इस मार्ग में सड़क पर वाहनों की रफ्तार काफी तेज होती है। जरा सी चूक होने पर लोगों की कुचल कर मौत हो रही है। स्थानीय ग्रामीणों की यह मांग है कि जगह-जगह पर अगर स्पीड ब्रेकर बना दिया जाए तो इससे होने वाले दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है।

खबरें फटाफट

पटना में युवक की गोली मारकर हत्या

पटना। पटना जिला के शाहजहांपुर थानाक्षेत्र के ऐरई गांव में शनिवार की देर रात एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। जबकि एक अन्य की मौत घटना को देखने से हो गई। बताया जा रहा है कि उपेंद्र मांझी (35) को गोली मार दी गई। वहीं, उनके भतीजे राजीव मांझी (27) की मौत गोली चलने की घटना देखने से हो गई। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, चार से पांच युवक ऐरई गांव के महादलित टोला में शराब पीने आए। फिर उपेंद्र मांझी की चार बकरियों को चोरी कर ले जाने लगे। इस बात की भनक लगते ही उपेंद्र चोर का पीछा करने लगे। चोरी को लेकर विरोध जताने के दौरान उनका भतीजा भी साथ में था। साथ ही मौके पर ग्रामीण जुटने लगे। यह देख कर अज्ञात चोरों ने उपेंद्र मांझी पर गोली चला दी, जिससे उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। साथ ही खून से लथपथ अपने चाचा की लाश देखने से भतीजे राजीव मांझी की भी मौत हो गई।

पीके की जनसभा से लौट रहे वाहन में लगी आग

पटना। प्रशांत किशोर की जनसभा से लौट रहे स्कॉर्पियो में अचानक आग लग गई। आग लगते ही अफरातफरी का माहौल हो गया। आननफानन में आसपास के लोगों की मदद से स्कॉर्पियो में सवार लोगों को गाड़ी से बाहर निकाला गया। घटना पटना जिला के फतुहा की है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना अग्निशमन को दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन की टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्कार्पियों में लगी आग को किसी तरह बुझाया। लेकिन तबतक स्कार्पियो जलकर खाक हो चुकी थी। यह सभी पटना के बापू सभागार में प्रशांत किशोर के जन सुराज के कार्यक्रम में शामिल होने कटिहार से पटना आए थे। स्कॉर्पियो चालक कटिहार निवासी मोहम्मद सद्दाम ने बताया कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद काफिले के साथ वापस कटिहार लौट रहे थे। इसी दौरान छ्पाक वाटर पार्क के पास अचानक गाड़ी में आग लग गई।

पूर्व मंत्री श्याम रजक फिर से हुए जदयू में शामिल, राजद पर साधा निशाना

भावनाओं में बहकर राजद से जुड़ गया था लेकिन वहां केवल अपमानित महसूस हुआ

- बोले- नीतीश कुमार में मेरी पूरी आस्था है और इसलिए मैं अब जेडीयू में वापसी कर रहा हूं
- बोले- जनता को भी फुलवारी शरीफ का विकास न होने का दुख है और हमें इसका मलाल है

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पूर्व मंत्री श्याम रजक जेडीयू में शामिल हो गए हैं। जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने श्याम रजक को पार्टी की सदस्यता दिलवाई। श्याम रजक ने 22 अगस्त को आरजेडी से इस्तीफा दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि फुलवारी शरीफ का जो विकास होना चाहिए, वह नहीं हुआ और इसका मुझे दुख है। श्याम रजक इससे पहले भी जेडीयू में रह चुके हैं और पार्टी छोड़कर आरजेडी में गए थे। वहीं जेडीयू में वापसी के बाद श्याम रजक ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बंद कमरे में बैठकर कोई आंदोलन नहीं होता बल्कि सड़कों पर निकालकर पसीना बहाना चाहिए।

श्याम रजक ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार में जाति आधारित जनगणना कराई और आरक्षण का दायरा बढ़ाने का फैसला किया और अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है। श्याम रजक ने कहा कि नीतीश कुमार में मेरी पूरी आस्था है और इसलिए मैं अब जेडीयू में वापसी कर रहा हूं। श्याम रजक ने कहा कि जनता को भी फुलवारी शरीफ का विकास न होने का दुख है और हमें इसका मलाल है।

राजद में में केवल परिवार के सदस्यों की चलती है

श्याम रजक ने इस अवसर पर कहा कि वह भावनाओं में बहकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में शामिल हो गए थे, लेकिन वहां उन्हें अपमानित महसूस हुआ। उन्होंने कहा, 'राजद आरोप लगा रहा है कि मैं सिर्फ इसलिए जद (यू) में शामिल हुआ हूं क्योंकि पार्टी सत्ता में है। उन्हें याद रखना चाहिए कि मैं मंत्री पद छोड़कर उनके साथ शामिल हुआ था। लेकिन, उन्होंने मुझे निराश किया। श्याम रजक ने कहा, 'मैं काम करना चाहता हूं और नीतीश कुमार ऐसे नेता हैं जो काम पर ध्यान देते हैं, वो उन लोगों के लिए काम कर रहे हैं जो आजादी के 75 साल बाद भी पिछड़ रहे हैं। राजद में रिश्ते कार्यकताओं, नेताओं के नहीं चलते हैं। वहां केवल परिवार के सदस्यों की चलती है। उनका जो परिवार है, वहीं सबसे बड़ा राष्ट्रीय जनता दल है।

1995 में आरजेडी के टिकट से लड़ा था चुनाव

70 साल के श्याम रजक धोबी जाति से आते हैं और वह जयप्रकाश नारायण द्वारा शुरू किये गये 1974 के आंदोलन से उभरे थे। आरजेडी के गठन के बाद वह लालू प्रसाद यादव के साथ हो लिए। लालू यादव ने उन्हें राजनीति का ककहरा सिखाया। 1995 में आरजेडी के टिकट से चुनाव लड़ा था। इसमें उन्हें जीत भी मिली। इसके बाद वह लालू के संगठन में भी पैठ बना ली थी। फुलवारी से उन्हें छह बार जीत मिली। आरजेडी में उन्हें राष्ट्रीय महासचिव का पद मिला था। बता दें कि 2009 में श्याम रजक ने आरजेडी के राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया। वे जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो गए और नीतीश कुमार के खासमखास हो गए। उन्हें अखिल भारतीय धोबी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। नीतीश कुमार की सरकार में उन्हें मंत्री पद भी मिला। 2019 से 2020 तक श्याम रजक नीतीश सरकार में उद्योग मंत्री रहे। 2020 विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने जेडीयू में बगावत शुरू कर दी थी। फिर अगस्त 2020 में जेडीयू ने ही उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया।

पुलिस के मनोबल को ऊंचा करना क्राइम कंट्रोल प्राथमिकताः डीजीपी

केटी न्यूज/पटना

बिहार पुलिस के प्रमुख डीजीपी आलोक राज रविवार को मुजफ्फरपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि पुलिस फोर्स का मनोबल ऊंचा करना, अपराध पर नियंत्रण करना और उत्साह बढ़ाना हमारी फोर्स की प्राथमिकता में है। इस दिशा में हम लगातार बेहतर कार्य करेंगे और अपराध पर अंकुश कैसे लगे, इसको लेकर संबंधित पुलिस अधिकारी को निर्देश दिए जाएंगे।

डीजीपी बनने के बाद रविवार को पहली बार आलोक राज जिले के सरैया थानाक्षेत्र के गोपालपुर नेऊरा गांव स्थित अपने पैतृक गांव पहुंचे। जहां ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान वे अपने पैतृक गांव के घर में गए और लोगों से मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने अपने पैतृक गांव गोपालपुर नेऊरा में मंदिर में दर्शन पूजन करके आशीर्वाद प्राप्त किया। उसके बाद उन्होंने गांव की मजार पर माथा टेका। इस दौरान पूरे गांव में उत्साह का माहौल बना हुआ था। करीब एक घंटे से अधिक समय तक डीजीपी डीजीपी आलोक राज अपने घर में रुके और लोगों से बातचीत की। पैतृक गांव के बाद डीजीपी आलोक राज सीधे सर्किट हाउस पहुंचे। जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

सरयू नदी में नहाने गए दो युवकों की गहरे पानी में डूबने से मौत

केटी न्यूज/पटना

बिहार और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित सरयू नदी में नहाने गए दो युवकों की मौत गहरे पानी में डूबने से हो गई है। घटना मांझी थाना क्षेत्र के फतेहपुर सरैया गांव के समीप की है। एक साथ दो पड़ोसी लड़कों के डूबने की खबर मिलने पर पूरे गांव में कोहराम मच गया। उसके बाद ग्रामीण नदी की ओर दौड़ पड़े। देखते ही देखते नदी के किनारे ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हालांकि इसकी सूचना मिलते ही रोते- बिलखते पहुंचे परिजनों के चीख- चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो गया। उधर घटना की सूचना मिलते ही मांझी थाने की पुलिस और राजस्व कर्मचारी मुन्ना कुमार भी कुछ देर में मौके पर पहुंच गए। उसके बाद स्थानीय गोताखोरों व कुछ ग्रामीणों के सहयोग से शव की खोजबीन शुरू कर दी गई। घटना के लगभग ढाई घंटे बाद दोनों युवकों के शवों को बरामद कर लिया गया है। उसके बाद मांझी पुलिस ने दोनों शव को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है।

मृतकों में फतेहपुर सरैया गांव निवासी धर्मेंद्र चौधरी का इकलौता पुत्र रोहित कुमार चौधरी (18) और सकलदेव चौधरी उर्फ टिटोहर चौधरी का पुत्र अंकित कुमार (15) शामिल हैं। घटना के संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि उक्त गांव के पांच लड़के नदी में नहाने गए हुए थे। नहाने के दौरान ही रोहित कुमार और अंकित कुमार गहरे पानी में जाने के कारण डूब गए। उसके बाद साथ में नहाने गए लड़कों ने शोर मचाया और ग्रामीणों को उनके डूब जाने की जानकारी दी।

आरक्षण को लेकर घड़ियाली आंसू बहा रहा राजदः मंगल

केटी न्यूज/पटना

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि आरक्षण को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और उनकी पार्टी राजद घड़ियाली आंसू बहा रहा है। राजद का आरक्षण लालू परिवार तक ही सीमित रहा है। लालू यादव को पत्नी, बेटा व बेटी के अलावा कभी किसी दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े की याद नहीं आई। वह राजद आज आरक्षण के नाम पर दलितों, पिछड़ों व अतिपिछड़ों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है जो शुरू से ही इनकी हकमारी करता रहा है। राजद और कांग्रेस हमेशा अति पिछड़ों का अपमान करते और धोखा देते रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अतिपिछड़ों के लिए गठित काका कालेलकर और मुंगेरीलाल कमीशन की रिपोर्ट को ढंडे बस्ते में डाल दिया और उसे कभी लागू नहीं किया। कांग्रेस ने 1953 में पिछड़े वर्गों के लिए गठित काका कालेलकर कमिटी की 1955 में आई रिपोर्ट को 45 वर्षों तक ठंडे बस्ते में रखा, न पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया न पिछड़ों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया।

पनोरमा ई होम्स स्पोर्ट्र्स कॉम्प्लेक्स परिसर पूर्णिया में कार्यक्रम की शुरुआत 22 सितंबर से

पनोरमा स्टार सीजन 07 में कई विधाओं को किया गया है शामिल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए 15 तक कराना होगा रजिस्ट्रेशन

केटी न्यूज/पूर्णियां

प्रमंडलीय मुख्यालय पूर्णियां के जिला स्कूल रोड स्थित पनोरमा ग्रुप के कार्पोरेट कार्यालय में शनिवार को पनोरमा ग्रुप के प्रबंध निदेशक संजीव मिश्रा ने प्रेसवार्ता कर जानकारी देते हुए कहा कि पनोरमा ग्रुप हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पनोरमा स्टार सीजन 07 का आयोजन करने जा रहा है जिसमें इस बार कई विधाओं को शामिल किया है जिसमे पनोरमा स्पोर्ट्स सीजन -7 में खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों के विशेष आग्रह पर कुश्ती, कबड्डी, एथलेटिक्स, साइकिलिंग एवं हॉर्सराइटिंग खेलों को शामिल किया गया है।

निः शुल्क प्रतियोगिताः 1.क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबुल टेनिस फुटबॉल, कुश्ती, कबड्डी, एथलेटिक्स, साइकिलिंग, हॉर्सराइडिंग, शतरंज,

प्रतियोगिता अंडर - 17 आयु वर्ग में बालक - बालिका आयु वर्ग के साथ - साथ एवं ओपन टू आल आयु वर्ग में खेला जाएगा।

शतरंज प्रतियोगिता

अंडर -7, अंडर -9, अंडर -11, अंडर -17 बालक , बालिका आयु वर्ग के साथ - साथ ओपन टू आल वर्ग में प्रतियोगिता खेला जाएगा ।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता

100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़ 1500 मीटर दौड़, डिस्कस, जैवलिन, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, अंडर -17 बालक, बालिका आयु वर्ग के साथ - साथ ओपन टू आल वर्ग में रखा गया है। पैनोरमा स्पोर्ट्स सीजन -7 22 सितंबर 2024 से पैनोरमा ई होम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स परिसर पूर्णिया में आयोजित होगा। प्रतियोगिता का समापन समारोह दिनांक 22 नवंबर 24 को रखा गया है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 15 सितंबर को रखा गया। सभी विधाओं के लिए नगद पुरस्कार राशि भी रखी गई हैं।

संजीव मिश्रा ने कहा पनोरमा स्टार सीजन 07 कार्यक्रम में इस बार भी पूरे बिहार भर के बच्चे गायन, नृत्य, पेंटिंग, वेदमंत्र, के साथ-साथ लोकनृत्य में समा चकेवा, जाट-जाटिन,बिहू, आदिवासी नृत्य, झिझिया इत्यादि को शामिल किया गया है संजीव मिश्रा ने कहा कि छोटे बच्चों के लिए जूनियर मिस पनोरमा को भी विधा में शामिल किया गया है इसके लिए पनोरमा ग्रुप ने एक मोबाइल वाट्सएप नम्बर भी जारी किया है जो 7549000057 पर सम्पर्क कर अपना 20 सेकेण्ड से दो मिनट तक का विडियो क्लिप बनाकर भेज सकते हैं सलेक्ट विडियो क्लिप को देखकर हमारी टीम उस प्रतिभागियों को सूचित करेगी।

पनोरमा ग्रुप का प्रयास है कि कोशी सीमांचल सहित बिहार का ऐसे बच्चे जो कला के क्षेत्र में देश दुनिया में अपने नाम का लोहा मनवा सकें। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पनोरमा ग्रुप के प्रबंध सीईओ नंदन झा, रितेश झा, विक्रम भगत,अनुज पाठक, आशुतोष,धीरज जैन, रंगकर्मी मिथिलेश राय, अमित, पनोरमा स्पोर्ट्स के खेल प्रशिक्षक हरिओम झा समेत अन्य मौजूद थे।

चंदा में मिनी गन फैक्ट्री के उद्भेदन के बाद हतप्रभ हैं लोग, स्थानीय पुलिस की भूमिका पर उठा सवाल

सीडीआर से खुलेगा राज, अवैध हथियार निर्माण और तस्करी में कई सफेदपोश हो सकते हैं शामिल

♦ एसटीएफ की निशानदेही पर हुई थी छापेमारी, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/बक्सर

चंदा में मिनी गन फैक्ट्री के उद्भेदन के बाद स्थानीय लोग हतप्रभ है। इस घटना के उद्भेदन के बाद लोगों को जानकारी हो सकी कि उनके बगल में बक्सर को मुंगेर बनाने की कवायद चल रही थी और स्थानीय पुलिस बेखबर बनी रही। भला हो एसटीएफ टीम का, जिनके इनपुट के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर इस मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। वही, इस मामले का उद्भेदन होने के बाद से पुलिस काफी सक्रिय हो गई है तथा अवैध हथियार निर्माण व तस्करी के खेल में शामिल लोगों की पड़ताल तथा उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संवभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। बड़े पैमाने पर अवैध हथियार निर्माण की जानकारी मिलने के बाद से बक्सर पुलिस के होश उड़ गए है। वही, पुलिस के बाद अभी भी इस अवैध निर्माण के संबंध में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पाई है कि आखिर चंदा में अवैध हथियार निर्माण का सिलसिला कब से चल रहा था तथा कितने असलहे का निर्माण हो चुका था और कौन-कौन लोग शामिल थे।

सीडीआर खंगाल रही है पुलिस : इस घटना के बाद स्थानीय पुलिस मामले में शामिल तस्करों की पहचान तथा उन्हें गिरफ्तार करने के लिए तकनीकी साधनों का इस्तेमाल कर रही है। डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी की मानें तो पुलिस सीडीआर खंगाल रही है। जिसके आधार पर इस बात की जानकारी ली जाएगी कि इस खेल में कौन कौन लोग शामिल थे तथा कब से यह खेल चंदा में चल रहा था। डीएसपी ने कहा कि पूरी टीम को जल्दी ही गिरफ्तार किया जाएगा। वही, पुलिस सूत्रों की मानें तो इस मिनी गन फैक्ट्री के संचालन में कई अन्य लोगों के शामिल होने की जानकारी मिली है। जिनके खिलाफ पुख्ता सबूत इकट्ठा किए जा रहे है। पुलिस इस मामले की काफी बारीकी से मामले की जांच कर रही है। ताकी, घटना में शामिल लोग बच नहीं सकें।

स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर उठ रहा है सवाल : चंदा में मिनी गन फैक्ट्री के उद्भेदन के बाद से ही स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे है। बता दें कि यहां छापेमारी एसटीएफ से मिले इनपुट के आधार पर हुई थी। यहां लंबे समय से अवैध असलहों का निर्माण चल रहा था। जबकि स्थानीय पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी थी। जबकि चंदा गांव नया भोजपुर ओपी क्षेत्र का आखिरी गांव है। यहां के बाद औद्योगिक थाना का क्षेत्र शुरू हो जाता है। इस जगह पर हर दिन नया भोजपुर ओपी पुलिस की गश्ती वाहन जाती है। लेकिन, उन्हें भी इस बात की जानकारी नहीं हो सकी कि यहां इतने बड़े पैमाने पर हथियारों का निर्माण हो रहा है। इस घटना ने पुलिस के खुफिया तंत्र पर भी सवाल खड़े कर दिए है।

कहीं आगामी चुनाव में दहशत फैलाने की तो नहीं हो रही थी साजिश

चंदा में अवैध असलहे का निर्माण कही आगामी विधान सभा चुनाव को दहलाने की साजिश के तहत तो नहीं किया जा रहा था। बता दें कि अगले साल ही बिहार बिधान सभा का चुनाव होने वाला था। इसको लेकर जहां राजनैतिक दलों तथा प्रशासन ने अंदरखाने तैयारियां शुरू कर दी थी तो दूसरी तरफ इस मिनी गन फैक्ट्री के उद्भेदन से यह सवाल लोगों के मन में कौंधने लगा है कि कही यहां निर्मित होने वाले हथियारों का उपयोग विधानसभा चुनाव में हिंसा फैलाने तथा इलाके को दहलाने के लिए तो नहीं हो रही थी। गौरतलब हो कि चुनाव के पहले लाइसेंसी हथियारों का सत्यापन करवाया जाता है। सत्यापन नहीं कराने वालों क हथियार जब्त भी किए जाते है। जबकि अपराधी अवैध असलहों से ही चुनाव में हिंसा फैलाने की साजिश करते है। पुलिस जब अपनी जांच को आगे बढ़ाएगी तो संभव है कि इस बिंदु पर भी जरूर जांच करेगी।

मुंगेर की तर्ज पर हो रहा था अवैध असलहे का निर्माण

एनएच 922 के किनारे स्थित चंदा गांव में मुंगेर के तर्ज पर अवैध असलहे का निर्माण हो रहा था। वहां से पुलिस को भारी मात्रा में पिस्टल तथा अन्य हथियार के उपकरण मिले है। भारी मात्रा में हथियार बनाने के उपकरण देख पुलिस भी आश्चर्य में पड़ गई थी। सबकुछ वैसा ही था जैसे मुंगेर निर्मित असलहों में देखने को मिलते है। मुख्य सड़क के किनारे स्थित इस घर को बाहर से देखने से ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा था कि यहां इतने बड़े पैमाने पर हथियारों का निर्माण किया जा रहा है। बाहर के कमरे में मकान मालिक बिरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव अपना आसियाना बनाए थे, जबकि मकान के आखिरी छोर पर शेड लगा असलहा निर्माण के लिए भट्ठी तथा अन्य उपकरण लगाए गए थे। जानकारों का कहना है कि रात के अंधेरे में ही

असलहों का निर्माण हो रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है रात में उस जगह से आवाजे आती थी। लेकिन, तस्करों ने उन्हें बताया था कि यहां बाइक के पुर्जो का निर्माण होता है। जिस कारण लोगों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया था कि क्यों रात में उस मकान के पीछे से हथौड़ा चलने जैसी आवाजे आती थी।

तकनीकी साधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है

“ चंदा में मिनी गन फैक्ट्री के उद्भेदन के बाद से पुलिस इस खेल में शामिल लोगों का पता लगा रही है। इसके लिए सीडीआर तथा अन्य तकनीकी साधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। तस्करों से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस आगे की रणनीति बना रही है तथा अन्य लोगों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

– अफाक अख्तर अंसारी, डीएसपी, डुमरांव

एक नजर

जाम की समस्या से कराह रहा है डुमरांव

डुमरांव। नो इंट्री के बाद भी नगर को जाम की समस्या से निजात नहीं मिल रहा है। प्रतिदिन जाम की समस्या से नगरवासी जूझते रहते हैं। नगर के बीचोबीच से एनएच-120 सड़क गुजरती है। लिहाजा इस पर भारी वाहनों का आना-जाना लगा रहता है। जाम की समस्या को देखते हुए शहर में सुबह आठ बजे से रात्रि दस बजे तक नो इंट्री लगाया गया है। हलांकि इस नो इंट्री का पालन सही से नहीं किया जाता है। बड़े वाहन प्रवेश ही कर जाते हैं और जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। बता दें की स्टेशन रोड जो शहर के बीच से होकर गुजरता है, इस पर राज्य के बड़े शहरों के अलावे झारखंड, बंगाल और यूपी के बड़े माल वाहक गुजरते हैं। इतना ही नहीं सैकड़ों यात्री बसों का भी इसी रोड से होता है, बावजूद नो इंट्री का पालन सही से नहीं किया जाता। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि नो इंट्री का पालन करवाने के लिए पुलिस की ड्यूटी लगती जरूर है, लेकिन इनके द्वारा सही से पालन नहीं किया जाता है। इस जाम में टेम्पों चालकों का भी अहम रोल होता है। आगे निकलने की चक्कर में इनके द्वारा जाम को बढ़ावा दिया जाता है। इनके लिए नप ने कोई स्टैंड नहीं बनाया है। टैम्पों और बस स्टैंड अगर बन जाता है और बड़े वाहनों के गुजरने पर रोक लग जाती है तो जाम की समस्या से नगरवासियों को निजात मिल सकती है। इसके लिए प्रशासन, वाहन चालक और समाजिक कार्यकताओं के साथ बैठक कर समाजस्य स्थापित करते हुए काम करना होगा। कुछ लोगों का कहना है कि महरौरा मोड़ से ही बड़े वाहनों घुमाकर नहर के रास्ते मां डुमरेजिन मोड़ के पास निकाला जाए। इस तरह की यदि कार्य किया जाता है तो नगर को जाम की समस्या से निजात मिल सकता है।

करूअज गांव को जोड़ने के लिए पक्की सड़क निर्माण की जगी आस

डुमरांव। प्रखंड के करूअज गांव में पक्की सड़क नहीं होने से ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। डुमरांव शहर में बाजार करने, पढ़ने के लिए आने वाले सहित ट्रेन या बस पकड़ने के लिए आने वाले पहुंच सड़क नहीं होने परेशान रहते हैं। गांव को सड़क से जोड़ने के लिए पूर्व मंत्री सह एम एल सी श्रीभगवान सिंह कुशवाहा ने ग्रामीण कार्य विभाग के मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखे गए पत्र में गांव को जोड़ने के लिए अलग-अलग दो सड़क बनाने की मांग किया है। सचिव को लिखे गए पत्र में जो दो सड़क बनाने का जिक्र किया है, उसमें पहली सड़क डुमरांव-बिक्रमगंज पथ से खलवा ईनार होते हुए करूअज गांव में श्रीकांत कुशवाहा के घर तक है। इस रोड की लम्बाई 2.5 किलोमीटर है। वहीं दूसरी सड़क करूअज गांव ब्रम्ह स्थान से रजडीहा मोड़ तक बनाने की मांग करते पत्र लिखा है। इस रोड की लंबाई एक किलोमीटर है। बताया गया है कि इन दोनों सड़क के बन जाने से गांव शहर व एन एच दोनों से जुड़ जाएगा। सड़क बनते ही ग्रामीणों की दशकों पुरानी मांग तो पूरा होगी ही विकास भी शुरू हो जाएगा।

जिला में आयोजित मैथ्से ओलिंपियाड में 1988 परीक्षार्थी परीक्षा में रहे अनुपस्थित

बक्सर। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा संचालित मैथ्से ओलिंपियाडे 2023 में वर्ग 6 से 12 के विद्यार्थियों के बीच 1 सितंबर को ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन जिला के तीन केंद्रों परे हुआे। नेहरू स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय बक्सर, एमपी उच्च विद्यालय एवं बीबी प्लस टू उच्च विद्यालय को केंद्र बनाया गयो थाे। तीनों केंद्रों पर अलग-अलग वर्ग के परीक्षार्थी पहुंचे थेे। दोनों पालियों में कुल 2777 परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल होनो था। जिसमें कुल 789 परीक्षार्थी उपस्थित तथा वहीं 1988 परीक्षार्थी परीक्षा में अनुपस्थिते रहेे। परीक्षा दो पालियों में ली गई. परीक्षार्थी निर्धारित समय से अपने केंद्र पर पहुंच गये थे। दोनों पाली के तहत विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों ने परीक्षा केंद्र पर नियत समय के पहले पहुंच चुके थेे। परीक्षा देकर बाहर आये परीक्षार्थियों में काजल, रितु, सुनीता समेत अन्य परीक्षार्थियों ने बताया कि परीक्षा का स्तर अच्छा है, किंतु तर्कशक्ति आधारित प्रश्नों में कठिनाई का सामना महसूसे हुआे। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी माध्यमिक शिक्षो नाजिशे अली विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षणे किए. परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था उत्तमे रहीे। नियत समय से सभी शिक्षक एवं परीक्षा में लगे कर्मी अपने-अपने ड्यूटी पर तैनाते दिखेे। जागरूकता के बावजूद उच्च वर्ग के विद्यार्थियों की उपस्थिति कम रही, वर्ग 6 से आठ के विद्यार्थी की संख्या संतोष जनक रही जबकि 9, 10, 11 तथो 12वीं में उनकी संख्या परीक्षा केंद्रों पर कमे दिखीे। कई परीक्षार्थियों ने नाम न छापने के शर्त पर बताया कि परीक्षा 2023 में होनी थीे। किंतु एक साल बाद होने से बहुत से परीक्षार्थी अन्य स्थानों पर अध्ययन के लिए चले गए हैं। 10वीं एवं 12वीं के पास आउट होने के कारण बाहर शिक्षा के लिए चले गये हैे। जो परीक्षा में शामिले होगाे। जिस कारण उपस्थिति कमे रही।

जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, तीन जख्मी

नावानगर। सिकरौल थाना के मथौली गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्ष आमने सामने हो गए। दोनों पक्ष ने एक दूसरे पर जमकर लाठियां चटकाया। जिससे दोनों पक्ष के तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी में नरसिंह यादव, प्रेमसागर यादव व संजय कुमार का सीएचसी नावानगर में इलाज कराया गया। इस संबंध में दोनों पक्ष ने एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए सिकरौल थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है। इधर पुलिस ने तत्काल करवाई करते हुए दो लोगों की गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जाता है कि एक पक्ष के नरसिंह यादव ने एक व्यक्ति पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है। वहीं दूसरे पक्ष के संजय कुमार ने दो लोगों को नामजद किया है। इस संबंध में सिकरौल थानाध्यक्ष विरेंद्र कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करने के बाद की गई करवाई में दो लोगों नरसिंह यादव व प्रेमसागर यादव

खबरें फटाफट

विशेष भूमि सर्वे के लिए आमसभा आज

केसठ। प्रखंड के कतिकनार पैक्स गोदाम पर विशेष भूमि सर्वे को ले आम सभा का आयोजन सोमवार को होगा। इसमें पंचायत प्रतिनिधियों व आम जनता की उपस्थिति में विशेष सर्वेक्षण कानूनगो पदाधिकारी, शिविर नोडल, लिपिक द्वारा लोगों को सर्वेक्षण से संबंधित जानकारी दी जाएगी। शिविर नोडल हर्षित कुमार, लिपिक रविकेश कुमार ने कहा कि सर्वेक्षण को लेकर जिस कागजात की आवश्यकता है, उसे तैयार कर लें साथ ही जमीन के कागजों की त्रुटि में अंचल कार्यालय और राजस्व कर्मचारी से मिलकर सुधार करा लें। सर्वेक्षण की प्रक्रिया पंचायत में आज से शुरू हो गयी है।

किसानों का मिलेगा गन्ना उद्योग का प्रशिक्षण

केसठ। प्रखंड के मध्य विद्यालय रघुनाथपुर के परिसर में बिहार सरकार गन्ना उद्योग विभाग के तत्वावधान में मुख्यमंत्री गन्ना विकास कार्यक्रम के तहत 40 किसानों को सोमवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को गन्ना की खेती में बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारियां और उन्नत कृषि विधियों से अवगत कराना है। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ किसानों को गन्ना की विभिन्न किस्मों, उनके उत्पादन में सुधार, सिंचाई के आधुनिक तरीकों, तथा कीट एवं रोग नियंत्रण के उपायों के बारे में जानकारी देंगे।

21 को भाकपा माले का धरना प्रस्तावित

केसठ। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी नावानगर केसठ अंचल कमिटी की एक दिवसीय बैठक केसठ बस स्टैंड में रविवार को संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता वीरेंद्र सिंह ने तथा संचालन अंचल सचिव बिरेंद्र कुशवाहा ने किया। बैठक में मलई बराज को चालू करने सहित जनता के सवालों के लेकर 21 सितंबर को जिला मुख्यालय बक्सर पर धरना देने का फैसला लिया गया। पार्टी के सदस्यों ने बताया की मलई बराज लगभग बन कर तैयार हो गया है, लेकिन स्थानीय प्रशासन और सरकार की निष्क्रियता के कारण ये बराज अधर में लटका हुआ है। जबकि इसके शुरू हो जाने से क्षेत्र के हजारों किसानों को खेत की पटवन करने के लिए पानी की किल्लत नहीं झेलनी पड़ेगी।

डायरिया से मौत के बाद सजग हुए ग्रामीण, नया मोटर लगाने की करेंगे मांग

केटी न्यूज, डुमरांव

बनकट गांव में फैले डायरिया के प्रकोप से स्थिति धीरे-धीरे भले ही समान्य हो रही है, लेकिन ग्रामीण आज भी दहशत में जी रहे हैं। डायरिया पीड़ित श्यामलाल राय की मौत के बाद ग्रामीण अब सजग हो गए है। ग्रामीणों ने रविवार को काली मंदिर परिसर स्थित विशाल नीम के पेड़ के नीचे बैठक कर गांव में नया मोटर पंप लगवाने का निर्णय लिए। इसके लिए वे सोमवार को एसडीओ राकेश कुमार से मिल अपनी मांगों को रखेंगे तथा गांव में जल्दी नया मोटर पंप बनवाने की मांग करेंगे। बता दें कि बनकट में डायरिया एक सप्ताह से तांडव मचा रखा है।

अबतक गांव के 100 से अधिक लोग इसके चपेट में आ चुके है तथा बनकट व महरौरा गांव को मिला कुल 3 लोगों की जान जा चुकी है।

बता दें कि यह गांव पहले पंचायत में हुआ करता था, अब नगर परिषद का अंग बन गया है, बावजूद यह विकास से कोसो दूर है। मुख्य सड़क पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है, सड़क पर जगह-जगह पानी जमा है। इतना ही नहीं गांव उत्तर व दक्षिण दिशा में आहर और पईन से घिरा हुआ है। इनमें सालोंभर पानी जमा रहता है। पानी से घिरा हाने के कारण पहले से ही उनमें बीमारी फैलने का डर बना हुआ था। बावजूद बचाव के लिए पंचायत ने कुछ नहीं किया, अब सबकी निगाहें नगर परिषद पर लगी हुई है। इधर रोग फैलने के बाद साफ-सफाई और दवा का छिड़काव नप ने शुरू कर दिया है। बताते चलें की गांव में आंगनबाड़ी और प्राथमिक विद्यालय मौजूद है, जो जलजमाव से घिरा हुआ है। बच्चे पानी और कीचड़ से होकर आते और जाते हैं। ऐसे में गांव की स्थिति को समझा जा सकता है। गांव में ऐसा कोई सार्वजनिक भवन नहीं है, जिसमें ग्रामीण बैठ अपना सुख-दुख बांट सके। शहर से गांव में प्रवेश करने से पहले एक कालीजी का मंदिर है। इस मंदिर परिसर के बाहर खुले मैदान में पेड़ों की छांव में बैठ ग्रामीण आपसी बातचीत करते हैं। रविवार को बैठ ग्रामीण आपस में डायरिया बीमारी और मरने वालों की बात कर रहे थे। उनका चेहरा देखने से यह साफ जाहिर हो रहा था कि ये दहशत में हैं। गांव के पूर्णमासी राय व वीरेन्द्र राय का कहना है कि गांव के आंगनबाड़ी व प्राथमिक विद्यालय परिसर बरसात के दिनों में पानी से घिर जाता है, जिससे छोटे बच्चों को परेशानी होती है। गांव के शिवबली राजभर बताते हैं कि गांव को नप से जुड़े एक साल से अधिक का समय गुजर गया, लेकिन नप का कोई नहीं आया, बीमारी फैलने के बाद सभी पहुंच हैं। इस संबंध में चेयरमैन सनीता गुप्ता व ईओ मनीष कुमार का कहना है कि गांव की सफाई ब्यवस्था पर पूरा ध्यान रखा गया है। ब्लीचिंग पावडर व एंटी लार्वा दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

वासुदेवा ओपी को मिला थाना का दर्जा चार पंचायतों के 31 गांव हुए शामिल

केटी न्यूज/केसठ

गृह विभाग के आदेश पर नावानगर प्रखंड के वासुदेवा ओपी को थाना का दर्जा दिया गया है। बासुदेवा ओपी को थाना का दर्जा मिलने पर स्थानीय लोगों में खुशी व्याप्त है। ज्ञात हो कि वासुदेवा ओपी को थाना का दर्जा मिलने के बाद यहां पुलिस बलों की संख्या के साथ ही बेहतर सुविधा भी बहाल हो जाएगी। अब प्राथमिक दर्ज करने के लिए दूसरे थाने के अधिकारी पर आश्रित नहीं रहना होगा।

वहीं, नजदीक में थाना होने की वजह से लोगों को अपनी समस्याओं का निवारण जल्द से जल्द करवा सकेंगे। गांव में थाना होने की वजह से पुलिस और जनता के बीच एक नजदीकी रिश्ता भी कायम हो

सकेगा। थाना बनने की वजह से यहां आस-पास के लोगों को काफी सहूलियत होगी। वासुदेवा ओपी को थाना के रूप अपग्रेड करने के साथ ही राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से नावानगर और केसठ प्रखंड के 4 पंचायत के 31 गांवों की जिम्मेवारी सौंपी गई है। जो अपेक्षा ज्यादा है। जैसे कि पहले जितवाडीह, अतिमी, अमीरपुर, शिवपुर पूर्वी नावानगर थाना में था जो अब वासुदेवा ओपी के क्षेत्र शामिल किया गया है।

वासुदेवा थाने आने वाले पंचायत व गांव : वासुदेवा थाने में अब जिन पंचायतों तथा उनके गांवों को शामिल किया गया है है, उनमें आथर पंचायत के आथर, आथर बिंद टोली, आथर मुसहर टोली, मुकुंदडेरा, शीतल टोला, नट टोला बाल, चकौड़ा, डिहुपुर, पवरपुर, नोखपुर, अतिमि पंचायत के वासुदेवा, वासुदेवा बिंद टोली, अमृत राय के डेरा, अमीरपुर डेरा, अमीरपुर, कोईरी डेरा, जितवाडीह, भटौली पंचायत के भटौली, कुकुरभुक्का, गोविंदपुर, पीलापुर रामपुर पंचायत के रामपुर, जयरामपुर, कुलमनपुर, बैजनाथपुर, शिवपुर, रघुनाथपुर, दासियांव, सिद्धिपुर, सिद्धिपुर डेरा, बैजनाथपुर डेरा का नाम शामिल है।

जमीन का पुराना रिकॉर्ड निकलवाने वाले रैयत काट रहे दफ्तरों के चक्कर

♦ 30 सितंबर तक जिले के भू-धारियों को जमा करना है आवेदन

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में सर्वे के कार्य में जहां तेजी आ रही है। वहीं रैयत भी अपने सभी दस्तावेज को दुरूस्त करने में लगे है। ताकि उनकी जमीन की सही चिन्हित होते हुए सर्वे पर उनका नाम चढ़ जाए। रैयतों को इस बात का डर बना हुआ है कि यदि सर्वे में उनकी संबंधित जमीन पर उनका नाम नहीं चढ़ा। तो वह जमीन उनके हाथ से नहीं निकल जाए। दस्तावेज दुरूस्त करने के लिए सबसे अहम पुराने सर्वे का अभिलेख है। जिसमें उनके पूर्वजों के नाम के साथ उनकी जमीन का थाना, खेसरा, खाता, आदि चढ़ा हुआ है। इसे प्राप्त करने के लिए रैयत अंचल और अभिलेखागार के चक्कर काट रहे है।

मिली जानकारी के अनुसार पहले जहां एक दिन में अभिलेखागार में 15 से 25 आवेदन प्राप्त होते थे। अब वहीं 250 से 300 आवेदन कार्यालय को मिल रहा है। वहीं अभिलेखागार में एक क्लर्क व एक कार्यालय परिचारी होने के कारण परेशानी बढ़ गई है। प्राप्त आवेदनों का समय पर निपटारा नहीं हो पा रहा है। अभिलेखागार में अपना आवेदन जमा करने आये रैयतों ने बताया कि पूर्व में तीन से चार दिन में दस्तावेज मिल जाता था। लेकिन, अभी समय पर नहीं मिल पा रहा है। सर्वे के लिए आवेदन सितंबर माह में जमा कर देना है। यदि सभी दस्तावेज दुरूस्त नहीं हुआ। तो परेशानी बढ़ जाएगी।

भोजपुरी कलाकारों ने की नाबालिग नर्तकियों से सामूहिक दुष्कर्म की निंदा, दोषियों को मिले कड़ी से कड़ी सजा

मानवता को झकझोर देने वाली है सामूहिक दुष्कर्म की घटना: भरत शर्मा

केटी न्यूज/डुमरांव

बुधवार की देर रात डुमरांव के खिरौली में नाबालिग नर्तकियों से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर अब भोजपुरी के कलाकार व प्रबुद्धजन मुखर हो गए है। कलाकारों व प्रबुद्धजनों ने इस घटना की जमकर भर्तसना करते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है। ताकी भविष्य में कोई कलाकारों के साथ ऐसी घिनौनी हरकत नहीं कर सकें।

भोजपुरी के चर्चित गायक व भोजपुरी सम्राट भरत शर्मा ने इस घटना को मानवीय संवेदना को झकझोर देने वाली घटना बताया और

कहा कि ऐसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। इसमें न सिर्फ दुष्कर्मी ही दोषी है बल्कि समाज पर भी सवाल उठता है। वही, चर्चित भोजपुरी गायक विष्णु ओझा ने कहा कि एक कलाकार अपनी कला के माध्यम से समाज का मनोरंजन करता है। कलाकार सरस्वती के उपासक होते है। उनके साथ ऐसी घिनौनी हरकत की जितनी भी निंदा की जाए कम होगी। जबकि, भोजपुरी के ख्याति प्राप्त स्टेज स्टार अशोक मिश्र ने कहा कि हमारे समाज में सदियों से कला की पूजा होते आई है। इस घटना ने हमारी संस्कृति पर प्रहार किया है। वहशियों ने जिस दरिंदगी से मासूम नर्तकियों की अस्मत लूटी है उन्हें उसकी सजा मिलनी चाहिए। भोजपुरी के प्रसिद्ध लहरी लक्ष्मण ओझा बागी ने कहा कि कलाकार समाज की धरोहर होते है। उनके पास समाज का सुरक्षा कवच होता है। इस घटना के बाद से खासकर महिला कलाकारों के मन में जो भय उत्पन्न हुआ है, वह कला जगत तथा समाज के लिए काफी नुकसानदेह है। ऐसी घटनाओं पर लगाम लगनी चाहिए तथा दोषियों को उनकी करतूतों की दंड मिलनी चाहिए। भोजपुरी गायक विनय मिश्र ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि वे दोनों तो अपने कला का प्रदर्शन करने आई थी। उनके अस्मत के साथ खिलवाड़ करने की इजाजत किसने दी। आखिर जब हमारा समाज ही कलाकारों का शोषण करेगा तो कला की पूजा कौन करेगा।

जबकि कमल किशोर राजू की मानें तो कलकार के साथ ऐसी घिनौनी हरकत काफी सोचनीय है। समाज को यह समझना चाहिए कि कलाकार अपनी कला परोसते है न कि जिस्म। ऐसी घटनाओं पर तभी लगाम लग सकता है जब दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो। उन्होंने दोषियों को फांसी देने की मांग की और कहा कि कलाकारों को संरक्षण व सुरक्षा मिलनी चाहिए। इस घटना के बाद भोजपुरी जगत के साथ ही संपूर्ण कला जगत स्तब्ध है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं से बच्चों का होता है बौद्धिक विकासः विधायक

- सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

केटी न्यूज/छपरा

रोट्रैक्ट क्लब ऑफ छपरा सिटी द्वारा विगत 25 अगस्त को आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। स्थानीय पार्टी जोन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह का उद्घाटन छपरा विधायक डॉ सीएन गुप्ता, पूर्व प्राचार्य अरुण कुमार सिंह, अजय गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने किया। दो वर्गों में आयोजित प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार वितरण किया गया। जिसके जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान पर अभिनव राज चौहान, द्वितीय स्थान पर आशी और तृतीय स्थान पर अंशिका कुमारी को पुरस्कार के रूप में साईकल, स्मार्ट वॉच और पंखा देकर पुरस्कृत किया गया।

वहीं सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान पर रितु कुमारी, द्वितीय स्थान पर उज्जवल प्रकाश सिंह एवं तृतीय स्थान पर कुमारी सलोनी राय को साइकिल, मोबाइल और आयरन देकर पुरस्कृत किया गया।

सफल प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों ने प्रतीक चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया। वहीं इस कार्यक्रम में प्रतियोगिता के में बेहतर प्रदर्शन करने वाले दोनों वर्गों के 15-15 छात्र छात्राओं को संतावना पुरस्कार देकर भी पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष अवध बिहारी, सचिव गुलाम हिलानी, अभिषेक श्रीवास्तव, निकुंज कुमार, अविनाश श्रीवास्तव, महताब आलम, अजित कुमार एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सदर विधायक ने बच्चों को दी शुभकामनाएं

मौके पर सदर विधायक डॉ. सीएन गुप्ता ने कहा कि शिक्षा के विकास से ही समाज एवं राष्ट्र का सवार्गीण विकास संभव है। पठन-पाठन के अलावा बच्चों के सवार्गीण विकास के लिए आयोजित होने वाली शैक्षणिक प्रतियोगिता महत्वपूर्ण स्थान रखता है। विभिन्न प्रतियोगिता में शामिल होने से बच्चों का आत्मबल मजबूत होता है। इसके अलावा कुछ अच्छा करने की ललक उनमें हमेशा बनी रहती है। वहीं, पढ़ाई के साथ-साथ सामान्य ज्ञान जैसी प्रतियोगिताओं के आयोजन से बच्चों का मानसिक, बौद्धिक विकास होने के साथ-साथ देश दुनिया की सामान्य जानकारी भी प्राप्त होती है। जो भविष्य में जीवन भर काम आती है। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल हुए सभी बच्चों के भविष्य की उज्जवल कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। जिससे प्रतिभागी बच्चों में खुशी की लहर थी।

एक नजर

लोकोत्सव के रूप में मनाई जायेगी भिखारी ठाकुर की जयंती, बैठक में लिया गया निर्णय

आरा। स्थानीय पटेल बस पड़ाव स्तिथ भिखारी ठाकुर सांस्कृतिक मंच पर एक विशेष बैठक में इस बार लोक कलाकार भिखारी ठाकुर की जयंती भिखारी ठाकुर लोकोत्सव -2024 के रूप में मानने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता सीनियर सिटीजन के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरेंद्र प्रसाद सिंह व संचालन पत्रकार नरेंद्र सिंह ने किया। इस दौरान गहन विचार विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि परंपरा व संस्कृति की बहुत सी विधाएं विलुप्त हो रही है जिसको चुन चुन कर आगामी 18 दिसंबर को होने वाले भिखारी ठाकुर लोकोत्सव कार्यक्रम में शामिल किया जाए। साथ ही भोजपुरी भाषा की उन्नति के लिए विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं द्वारा भोजपुरी में भाषण प्रतियोगिता भी कराया जाए। भिखारी ठाकुर सामाजिक शोध संस्थान के बैनर के तले आयोजित इस बैठक के दौरान जिला प्रशासन से सहयोग लेने की बात कही गई। जिसको लेकर एक शिष्ट मंडल शीघ्र ही जिलाधिकारी राज कुमार से मिलेगा। आयोजन को सफल बनाने को लेकर कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ रंगकर्मी चंद्रभूषण पांडेय, कोषाध्यक्ष के रूप में राम जी प्रसाद यादव एवं सह सचिव के रूप में रंगकर्मी राजीव रंजन और प्रशांत कुमार का मनोनयन किया गया।

सांसद के जनसंवाद में आया 18 माह में 33 लाख रुपये के बिजली बिल का मामला

आरा। जिला मुख्यालय स्थित श्रीटोला में रविवार को भाकपा-माले के जिला कार्यालय भोजपुर सांसद सुदामा प्रसाद द्वारा जनसंवाद आयोजित किया गया। इस जनसंवाद में जनता के द्वारा उनकी समस्याओं को सुना गया। साथ लोगों की समस्याओं का निदाने करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जनसंवाद में जिले के सैकड़ों फरियादी पहुंचे। जमीन पर दखल-कब्जा, रास्ता के लिए, नली गली, सड़क सहित इलाज और विकलांग प्रमाणपत्र से संबंधित आवेदन आए। वहीं, जनसंवाद में बिजली विभाग से संबंधित एक मामला आया। जिसमें पीड़ित ने बताया कि उसके घर में पंखे और बल्ब का बिल 33 लाख 23 हजार 8 सौ 10 रुपया है। 18 माह पहले उसके घर में स्मार्ट मीटर लगाया गया था। जिसका बिल लाखों में आया। सासंद सुदामा प्रसाद ने कहा कि सरकार तत्काल स्मार्ट मीटर वापस ले और इसे लगाना बंद करें। गरीबों के घर स्मार्ट मीटर लगा कर लाखों का बिजली बिल भेजा जा रहा है, जबकि उनके घर में कोई बड़े उपकरण नहीं चलते हैं। उन्होंने कहा कि गरीब अपने गाढ़ी कमाई फर्जी बिजली बिल में गवां रहें हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने कहा कि इसका कोई लिखित आदेश नहीं है फिर भी कम्पनियों के फायदे के लिए गांवों में स्मार्ट मीटर लगया जा रहा है। इसी नाम पर पूरे गांव का बिजली भी काटी जा रही है। कार्यक्रम में जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम, निजी सचिव चंदन कुमार, नगर कमेटी सदस्य मिल्टन कुशवाहा, कृष्णरंजन गुप्ता, सुरज कुमार मौजूद थे।

आंगनबाड़ी केंद्रों में होगा कृमि की दवाओं का वितरण

रामगढ। प्रखंड क्षेत्र में क्रीमी मुक्ति दवा का वितरण जल्द ही प्रखंड क्षेत्र के स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में किया जाएगा। जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस की शुरूआत की जा रही है। मामले में रामगढ़ रेफरल अस्पताल के बीसीएम मनीष कुमार सिन्हा ने बताया कि इस अभियान की शुरुआत रामगढ़ रेफरल अस्पताल में सितंबर के शुरूआती सप्ताह किया जाएगा। जिसके तहत कृमि मुक्त दवा को 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क वितरण किया जाएगा। यह दवा प्रखंड क्षेत्र के सभी स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरण कराया जाएगा। साथ ही वैसे बच्चे जिन्हें स्कूल या आंगनबाड़ी केंद्रों में नहीं जा सकते हैं, उन्हें रेफरल अस्पताल की आशा के द्वारा घर तक पहुंच कर वितरण किया जाएगा।

विश्वशांति महायज्ञ के उपरांत यक्ष एवं यक्षिणी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ भव्य समापन

केटी न्यूज/आरा

महावीर टोला स्थित भगवान मुनिसुब्रतनाथ मंदिर में चल रहे दो दिवसीय यक्ष एवं यक्षिणी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में अनुष्ठान के उपरांत विश्वशांति महायज्ञ करके महोत्सव का हुआ समापन। हस्तिनापुर से पधारे विधानाचार्य पं नरेश कुमार जैन शास्त्री के मंगल निर्देशन में बड़े ही भक्तिपूर्वक श्रद्धालुओं द्वारा पूजन, विधान, हवन के पश्चात महोत्सव का समापन हुआ।

मीडिया प्रभारी निलेश कुमार जैन ने बताया कि महोत्सव में सौधर्म इंद्र-इंद्राणी रेशु-आकाश जैन, धन कुबेर आस्था-चंद्राभ जैन के साथ अनेकों पात्रों ने प्रातः समय में भव्य पंचामृत अभिषेक, वृहद शांतिधारा, नित्य पूजन के पश्चात याग मंडल विधान, प्रतिष्ठा मंत्रोच्चार, वेदी में नवीन प्रतिमा को स्थापना, श्रृंगार एवं गोद भराई के पश्चात विश्वशांति महायज्ञ किए। महोत्सव में सह प्रतिष्ठाचार्य पं गुलाब चंद जैन शास्त्री कार्यक्रम को विधिवत संपन्न कराए। जबलपुर से पधारे संगीतकार शुभमराज जैन एवं उनके टीम ने अनेकों भक्तिमय संगीत के माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश किए। कार्यक्रम के समाप्ति पर साधर्मी वात्सल्य की व्यवस्था मंदिर परिसर में था जिसे सभी भक्तों ने प्रसाद स्वरूप ग्रहण किए।

सड़क दुर्घटना में साइकिल सवार वृद्ध घायल

छपरा। अमनौर थाना क्षेत्र के धरहरा मठिया के निकट साइकिल सवार एक वृद्ध ब्यक्ति को अज्ञात वाहन ने ठोकर मारकर फरार हो गया।घायल वृद्ध खून से लथपथ होकर सड़क पर पड़े हुए थे।गांव के लोगो ने उठाकर सामुदायिक अस्पताल पहुँचाया जहां डॉक्टर ने उनका प्राथमिक उपचार किया। घायल वृद्ध स्थानीय थाना क्षेत्र के धरहरा गांव निवासी केदारनाथ शर्मा है, जो भूमि के सर्वे को लेकर वंशावली सम्बंधित जानकारी लेकर शनिवार की शाम अमनौर से आ रहे थे।

जनसुराज की सरकार जनता की सरकार होगीः मुन्ना भवानी

केटी न्यूज/छपरा

रविवार को मुस्लिम लीडरशिप कॉन्फ्रेंस के लिए जिले से जनसुराज के कार्यकर्ता पटना गए। पटना जाने के पूर्व ब्रजेन्द्र सिंह उर्फ मुन्ना भावनी ने कहा कि आगामी दो अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती पर जनसुराज का राजनीतिक दल में परिवर्तन होगा।वर्तमान समय में आम जनता राजनीतिक दलों से ऊब गई है और आने वाला समय जनसुराज के विचारों के समर्थन देने वाला होगा। स्वच्छ विचारधारा एवं जनहित मुद्दे को लेकर जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की पूरे बिहार की पैदल यात्रा के दौरान जो जन समर्थन एवं आम लोगों का जुड़ाव देखने को मिला। इस दौरान प्रशांत किशोर के के द्वारा जनसंवाद के माध्यम से आम लोगों को वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर परिचर्चा के कारण लोगों के बीच जनसुराज का आधार बढ़ा है। जनसुराज का संविधान जनता का होगा, सरकार जनता की होगी, इस पर शासन करने वाले भी जनता का होगा। जिलाध्यक्ष बच्चा राय एवं खुर्शीद नैयर के नेतृत्व में एकराम खान, कमरुल साहब, साबिर अली, नीरज तिवारी, सदाम हुसैन, दिल मोहम्मद, सलमान हुसैन, नाजिर हुसैन, मोहम्मद इदरीस, मोहम्मद जमालुद्दीन, रुस्तम आलम सहित सैकड़ों जनसुराज के कार्यकर्ता पटना कॉन्फ्रेंस में सम्मिलित होने गए।

पवना थाना क्षेत्र के खनेट गांव में बीमार बेटे की मौत पर भड़के लोग

जादू टोना का आरोप लगा पड़ोस के बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या

- मृत विकास मित्र के पिता ने अपने भतीजे पर लगाया बुजुर्ग की हत्या का आरोप
- आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कर रही छापेमारी

केटी न्यूज/आरा

जिले में विकास मित्र की मौत के बाद आरोपितों ने पड़ोस के बुजुर्ग की ओझा-गुनी का आरोप लगाकर पीट-पीटकर कर हत्या कर दी गई। घटना जिले के पवना थाना क्षेत्र के खनेट गांव की है। जिसमें गांव के निवासी विकास मित्र कर्मचारी कृष्णा मुसहर के मौत होने के बाद उसके परिजनों ने बुजुर्ग पति मुसहर पर जादू टोना करने का आरोप लगाते हुए लाठी-डंडों से पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी। मृतक के शरीर में चेहरे के दाहिने तरफ आंख के बगल में खून बहता जख्म, नाक एवं मुंह से खून बहता जख्म का निशान पाया गया है। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है।

वहीं घटना के बाद विकास मित्र के परिजन घर छोड़ फरार हो गए हैं। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना पवना थाना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पवना थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदद अस्पताल में कराया। इसके बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतकों में पवन थाना क्षेत्र के खनेट गांव निवासी 70 वर्षीय पति मुसहर एवं उसी गांव के रहने वाले राम अवतार मुसहर का 32 वर्षीय बेटा कृष्णा मुसहर शामिल है।

पांच-छह महीनों से बीमार चल रहा था कृष्णा : इधर मृतक विकास मित्र कृष्णा मुसहर के पिता राम अवतार मुसहर उर्फ ढोरा ने बताया कि उनका बेटा कृष्णा मुसहर विकास मित्र में सरकारी कर्मचारी था और दो वर्ष पूर्व उसका नौकरी लगी थी। वह करीब पांच-छह महीनों से बीमार चल रहा था। कई जगह उन लोगों द्वारा उसका इलाज भी कराया गया। लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार न हुआ। इसके बाद वे लोग जब भी और कहीं भी जादू टोना करने वालों से उसे दिखाते तो उनके पड़ोसी पति मुसहर का नाम सामने आता था। इसी बीच शनिवार की रात उनके बेटे कृष्णा मुसहर की मौत हो गई। जिसके बाद वे लोग आक्रोशित हो गए और उन लोगों द्वारा जादू टोना करने का आरोप लगाते हुए पड़ोसी पति मुसहर की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्या करने के बाद कृष्णा मुसहर के परिवार के सभी सदस्य घर छोड़ फरार हो गए। मामले में अवतार मुसहर ने अपने भतीजे ललन मुसहर पर लाठी-डंडों से पीट-पीटकर पति मुसहर को मारने की बात कही।

गांव में अशिक्षा के कारण हुई यह घटना : वह इस मामले में वही इस मामले में अगिआंव विधायक शिव प्रकाश रंजन जो की खानेट गांव के ही रहने वाले हैं उन्होंने बताया कि विकास मित्र की तबीयत खराब थी उनकी अचानक मौत हो गई थी। गांव में अशिक्षा के कारण लोगों में अंधविश्वास ज्यादा है। इसलिए जादू टोना का आरोप लगाकर आपस में लोग भिड़ गए। उसी में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। आजादी के इतने सालों बाद भी गांव में इस तरह की अशिक्षा है। अशिक्षा के कारण है यह घटना घटी है गांव में लोग आपस में भूत-प्रेत और पाखंड के चक्कर में पड़ कर आपस में लड़ जाते है।

एसपी ने वीडियो जारी कर दी जानकारी

वहीं, इस मामले में भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने वीडियो जारी कर बताया कि शनिवार की रात्रि लगभग 11:00 बजे के आसपास सदर अनुमंडल अंतर्गत पवना थाना के खनेट गांव के मुस टोली मारपीट की सूचना प्राप्त हुई। उसके बाद तत्काल थानाध्यक्ष घटनास्थल पर पहुंचते हैं तो पता चलता है कि खनेट गांव के रहने वाले कृष्णा जिसकी उम्र लगभग 35 साल के आसपास है काफी बीमार चल रहा था। जिससे उसकी मृत्यु हो गई थी।

उसके बाद कृष्णा मुसहर के परिजनों द्वारा पड़ोस में रहने वाले पति मुसहर के ऊपर आरोप लगाया गया कि उसने जादू टोना करके कृष्णा की जान ले लिए इसके बाद कृष्ण के परिजन ने पति मुसहर के ऊपर लाठी डंडे से मारपीट चालू कर दिया। जिससे लगभग 75 साल की उम्र के पति मुसहर की चोट लगने से बाद में मृत्यु हो जाती है। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है तथा वैज्ञानिक अनुसंधान कर रही है। हालांकि इस घटना में शामिल अभियुक्त घर से फरार हो गए थे। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। फिलहाल घटनास्थल पर विधि व्यवस्था नियंत्रण में है। उन्होंने यह आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

24 घंटे में पुलिस ने दो अपराधियों को भेजा जेल

- पारिवारिक विवाद में आरोपित व उसके दोस्त ने मिलकर की थी दादा की हत्या

केटी न्यूज/सासाराम

जिला में मुख्यमंत्री के आगमन से महज 48 घंटे पूर्व जिला मुख्यालय सासाराम में गोरक्षणी स्थित बजरंग पाठशाला स्कूल के सामने एक 70 वर्षीय वृद्ध लालदेव पासवान को गोली मार दी गई थी। इस वारदात के बाद शहर में सनसनी फैल गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही सासाराम नगर थाना ने तत्परता दिखाते हुए मामला दर्ज किया और त्वरित जांच शुरू की।

पुलिस ने मामले में वैज्ञानिक अनुसंधान और सटीक जांच करते हुए घटना के 24 घंटे के अंदर ही इस मामले का खुलासा कर दिया। जिसके बाद पुलिस की टीम ने छापेमारी करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी अश्वनी कुमार उर्फ नागा, मृतक के बेटे बिशुनी पासवान पुत्र है। वहीं, मामले में उसके साथी शशि कुमार, पिता जितेंद्र सिंह ने पारिवारिक विवाद के चलते इस हत्या को अंजाम दिया था। पुलिस के सामने दोनों ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। वहीं, नगर सासाराम पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की हर जगह सराहना हो रही है। अब देखना यह है कि आगे इस केसकांड में क्या मोड़ आता है।

जर्जर सड़क से ग्रामीण परेशान अधिकारियों का नहीं कोई ध्यान

केटी न्यूज/काराकाट

करमा गांव के सरकारी विद्यालय से बाहर होते हुए अमरथा गांव टावर तक जाने वाली सड़क, जो प्रधानमंत्री योजना के तहत 2012 में बनी थी, अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। ग्रामीण इस स्थिति से बेहद खफा हैं। उनका कहना है कि यह सड़क उनके लिए जीवन रेखा थी, लेकिन अब यह खतरनाक हो गई है। गांव के लोग बार-बार प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उनकी आवाजें सुनाई नहीं दे रही हैं। सड़क के गड्ढे और टूटे फूटे हिस्से दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सभी इस स्थिति का सामना कर रहे हैं। इस जर्जर सड़क के कारण गांव के विकास पर भी असर पड़ा है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही इस सड़क की मरम्मत नहीं हुई, तो हालात और भी ज्यादा खराब हो जाएगी।

लोगों का कहना है कि अब समय आ गया है कि संबंधित अधिकारी इस समस्या का समाधान करें। क्या प्रशासन उनकी आवाज सुनेगा? ऐसे में ग्रामीण लोगों ने प्रशासन पर कई सवाल खड़ा की पप्पू सिंह, चुलबुल सिंह, निरजंन सिंह, रामकुमार सिंह, अनील, गदेल पांडेय, अनील सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने असंतोष जताया।

वैश्य एकता मंच संझौली के तत्वावधान में गणिनाथ जयंती के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

भोजपुरी कलाकारों के भक्ति भजन पर रात भर झूमे श्रोता

केटी न्यूज/संझौली

शंत शिरोमणि बाबा गणीनाथ गोबिंद जी की जयंती समारोह के अवसर पर वैश्य एकता मंच संझौली द्वारा शनिवार की संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भोजपुरी प्रसिद्ध गायिका शिवानी सिंह, प्रीति तराणां, धनंजय शर्मा व रंजन रंगीला ने कई भजन गाकर लोगों को रात भर झूमया।

वहीं उद्घोषक अनिल विश्वास तथा म्यूजिशियन की टीम ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। भोजपुरी कलाकारों ने बाबा गणीनाथ की भजन सुनाकर लोगों को भक्ति रस में डूबो दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ देवी गीत से की गई। इससे पहले कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि भोजपुर एमलसी राधा चरण सेठ के पुत्र कन्हैया प्रसाद ने किया। वहीं आयोजकों ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि कन्हैया प्रसाद, जिप उपाध्यक्ष प्रतिनिधि ई. प्रभात कुमार, बिक्रमगंज पूर्व चेयरमैन गुप्तेश्वर प्रसाद, पंचायत मुखिया मिथलेश सिंह, सरांव पंचायत मुखिया प्रतिनिधि राजू प्रधान, संझौली पंचायत पैक्स अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह,चांदी इंग्लिश पंचायत पैक्स अध्यक्ष विजय राय, लोजपा (आर) रोहतास उपाध्यक्ष अरुण सिंह, रौनियार संघ अध्यक्ष कोचस सुनील गुप्ता,बुचुल सिंह,शिव नाथ गुप्ता आदि कई लोगो को अंग वस्त्र से सम्मानित किया। कन्हैया प्रसाद ने बाबा गणिनाथ की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनकी महिमा को बताया। उपाध्यक्ष प्रतिनिधि ई. प्रभात कुमार ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि शुरू से ही मेरे पिता का वैश्य समाज से लगाव रहा है। उनका सभी जातियों से बेहतरीन सम्बंध था। आज उन्ही की मार्ग पर चलने का प्रयासरत जारी है। उन्होंने कहा कि शिव सरोवर तालाब की सौंदर्यकरण के लिए जिला परिषद फंड से दो सौ फीट व संझौली पंचायत मुख्या द्वारा तीन सौ फीट घाट का निर्माण कराया गया है। अंत मे उन्होंने कहा कि उनकी पूजा से न केवल आध्यात्मिक लाभ मिलता है, बल्कि जीवन में शांति और समृद्धि भी प्राप्त होती है। मौके पर पूजा समिति अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद, सचिव बिजेन्द्र प्रसाद, वैश्य एकता मंच के अध्यक्ष रबिन्द्र प्रसाद उर्फ मंटू जी, विशाल कुमार, अंकित कुमार,मनु गुप्ता, बिशिष्ट गुप्ता, कुमार, बिट्टू कुमार, विवेक कुमार, विशाल कुमार, अनिल कुमार गुप्ता, बैधनाथ प्रसाद गुप्ता,मदन प्रसाद, रवि कुमार, हिमांशु कुमार, प्रिंस कुमार, गौरव कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

...सिर्फ तबादला कर बला हटाने में जुटे बलिया के पुलिस कप्तान विक्रांत वीर

तिलक कुमार / बलिया

◆ उप निरीक्षक होने के बावजूद ढाई वर्षों से संभाल रहे थे सिकंदरपुर थाने की कमान

अपने कारनामों के चलते लंबे समय से सुर्खियों में रहने वाले सिकंदरपुर थानाध्यक्ष दिनेश कुमार पाठक का तबादला आखिरकार हो ही गया। रविवार को एसपी विक्रांत वीर द्वारा जारी 15 उप निरीक्षक, आठ निरीक्षक, तीन मुख्य आरक्षी और तीन आरक्षियों के तबादला सूची में उप निरीक्षक दिनेश कुमार पाठक का नाम भी शामिल है। सबसे हैरत की बात यह है कि उप निरीक्षक होने के बावजूद दिनेश कुमार पाठक को लगभग ढाई वर्षों से सिकंदरपुर जैसे संवेदनशील थाने की कमान विभाग ने सौंप रखी थी। जबकि इस थानाध्यक्ष के खिलाफ क्षेत्रीय विधायक मोहम्मद जियाउद्दीन रिजवी भी कई बार आवाज उठाए थे। लेकिन किसी पुलिस अधीक्षक की मजाल नहीं थी कि दिनेश कुमार पाठक को सिकंदरपुर थाने से हटा दें।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि निवर्तमान सिकंदरपुर थानाध्यक्ष दिनेश कुमार पाठक के कार्यकाल में ही सिकंदरपुर के कठौरा गांव में बड़े पैमाने में कच्ची दारू के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ हुआ था। इतना ही नहीं अभी एक महीना पहले भांटी गांव में घाघरा नदी के किनारे जिस नवीन कुमार राम का कंकाल मिला था, उसमें दिनेश कुमार पाठक की भूमिका अहम थी। क्योंकि नवीन कुमार राम की गुमशुदगी को पाठक जी बड़े हल्के में लिए थे। नतीजन क्या हुआ था इससे पूरा जनपदवासी वाकिफ है।

इतना ही नहीं सिकंदरपुर थाने के स्थानीय पत्रकारों ने जब आवाज उठाना शुरू किया तो जनाब पाठक जी ने पत्रकारों को थाने में आने पर ही पाबंदी लगा दी थी। एक से बढ़कर एक कारनामे के बावजूद चाहे एसपी राजकरण नैय्यर हो या फिर एसपी देवरंजन वर्मा किसी की मजाल नहीं थी कि उप निरीक्षक दिनेश कुमार पाठक का बाल बांका कर दें। हालांकि यह जहमत एसपी विक्रांत वीर ने जरूर उठाई है, लेकिन उप निरीक्षक दिनेश कुमार पाठक का तबादला कर उन्हें अब सहतवार भेज दिए हैं। ऐसे में यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा सिकंदरपुर में पुलिस महकमे की किरकिरी होते देख दिनेश कुमार पाठक का तबादला कर एसपी विक्रांत वीर ने सिर्फ बला हटाने का काम किया है।

सीजेएम के आदेश पर दिनेश कुमार पाठक पर दर्ज हुआ था मुकदमा

बलिया। सिकंदरपुर क्षेत्र के भरथांव गांव के एक मामले में निवर्तमान थानाध्यक्ष दिनेश कुमार पाठक फर्जी चार्जशीट लगा दिए थे, जिसको लेकर पीड़ित की अपील कर सीजेएम न्यायालय के आदेश पर दिनेश कुमार पाठक के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ था।

परियोजनाओं के निर्माण के दौरान गुणवत्ता एवं समय सीमा का विशेष ध्यान रखने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी ने दो निमार्णाधीन परियोजनाओं का किया निरीक्षण

केटी न्यूज / मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने जनपद में निमार्णाधीन दो परियोजनाओं का निरीक्षण किया। पहली परियोजना जिसके अंतर्गत डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में निर्माणधीन सिंथेटिक हॉकी का मैदान, बोरिंग पंप, इंटरलॉकिंग, आरसीसी यू जी टैंक, लाइट कार्य एवं नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण जिलाधिकारी द्वारा दिया गया। इस परियोजना की स्वीकृति 11 जनवरी 2024 को मिली, जिसकी कुल लागत 1163.84 लाख रुपए है।इस परियोजना के पूर्ण होने की तिथि 31 मार्च 2025 निश्चित है। इस दौरान होने वाले समस्त निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने सारे कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यदाई संस्था यू पी सिडको के अधिशासी अभियंता को गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर रिकवरी के साथ ही कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।दूसरी निर्माणधीन परियोजना जनपद न्यायालय मऊ में पारिवारिक न्यायालय के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण जिलाधिकारी द्वारा किया गया। इस परियोजना की कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल है। इस परियोजना की स्वीकृति 7 जनवरी 2022 को मिली थी जिसकी कुल लागत 1720.73 लाख रुपए है। इस परियोजना के तहत कुल चार पारिवारिक न्यायालयों का निर्माण किया जाना है। परियोजना के पूर्ण होने की तिथि 31 दिसंबर 2024 है, परंतु अभी तक द्वितीय तल पर पैकेट- ए एवं पॉकेट- बी के स्लैब कास्टिंग का कार्य पूर्ण हुआ है, जबकि प्लास्टर व ब्रिक वर्क का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्था के अधिशासी अभियंता को समय सीमा का विशेष ध्यान देने को कहा, जिससे निश्चित समय सीमा के अंदर इस परियोजना का निर्माण कार्य पूर्ण हो सके। साथ ही गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। इन परियोजनाओं के निरीक्षण के दौरान संबंधित कार्यदाई संस्थाओं के अधिशासी अभियंता एवं अन्य अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासन के निर्देश के विपरीत पंचायत सचिवों की हो रही तैनाती

केटी न्यूज / रेवतीपुर/गाजीपुर

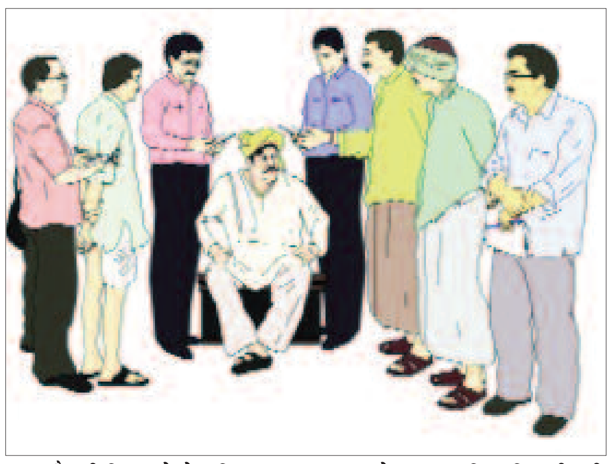

शासन ने ग्राम पंचायत सचिवों की तैनाती में अधिकारियों के द्वारा सचिवों को उनके मनपसंद ग्राम पंचायतें आवंटित करने के खेल पर शासन ने रोक लगा दी है। इसके बाद भी अधिकारियों के द्वारा शासन के निर्देश के विपरीत सचिवों की तैनाती में लगे हैं। लोगों ने बताया कि इन सचिवों के नियमों के विपरीत तैनाती के कारण एक तरफ जहां गांव का विकास कार्य प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर इसके चलते भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

मामूम हो कि रेवतीपुर में कुल 46 ग्राम पंचायतें, जिसकी आबादी करीब दो लाख से अधिक है, वहाँ कुल 18 कलस्टर समूह बनाए गये हैं। शासन ने सचिवों की तैनाती के लिए नई व्यवस्था के तहत करीब दस हजार की आबादी पर ग्राम पंचायतों का एक क्लस्टर (समूह) बनाया गया है। इसमें एक क्लस्टर से बाहर पंचायत सचिव की तैनाती नहीं किए जाने का प्रावधान है। लोगों ने बताया कि कई ऐसे सचिव हैं जिन्हें शासनादेश के नियमों के विपरीत कलस्टर से बाहर तैनात किया गया है। इसका सीधा असर गावों के विकास पर पड़ रहा है। कलस्टर से बाहर तैनाती दिए जाने से सचिव गांव पंचायतों में समय नहीं दे पा रहे हैं। इसके कारण पंचायतों का विकास का पहिया रूका पड़ा है।

शासन ने भ्रष्टाचार और मनमानी पर रोक के लिए 2011 की जनसंख्या के आधार पर निर्धारित आबादी पर क्लस्टर तैयार किया गया था। ताकि कलस्टर समूह के विपरीत सचिवों की तैनाती न हो सके। बावजूद अधिकारी शास?नादेश के नियमों को धत्ता बता मनमानी पर उतारू है।नियमों के तहत दो क्लस्टर में एक सचिव तैनात किया जाएगा। सचिव कम हैं और समूह अधिक तो निकटतम क्लस्टर प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी को इसकी सूचना देगा। वह जिलाधिकारी की अनुमति पर ही सचिव की तैनाती कर सकेंगे। मालूम हो कि? विकास कार्यों में प्रधानों संग सचिवों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है,अधिकतर कार्य इन्हीं दोनों की सहभागिता से कराए जाते हैं,इसके साथ ही भुगतान में भी दोनों का डोंगल संयुक्त रूप से लगता है। एक सचिव के पास कई गांव होने से विकास कार्य प्रभावित होते है।

जिसको देखते हुए यह क्लस्टर बनाया गया। डीपीआरओ अंशुल मौर्या ने बताया कि कलस्टर समूह के विपरीत सचिवों की तैनाती नहीं की जा सकती है,अगर ऐसा है,तो इसकी जांच कर सम्बन्धित के खिलाफ कर कार्यवाई की जाएगी।

एसपी ने की अपील, जनपदवासी पुलिस की मदद करने को लें प्रण

केटी न्यूज / बलिया

जिले में साइबर क्राइम पर रोकथाम के लिये पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। इसके लिये पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर ने जनपद वासियों से अपील है कि वे खुद को तथा अपने परिवार को अपने जनपद बलिया को अपराध मुक्त रखने में पुलिस की मदद करने का प्रण लें। उन्होंने जनपदवासियों से अपील किया है कि वे प्रण लें कि कभी किसी को अपने एटीएम का पासवर्ड नहीं बताऊंगा। फोन पर तो कभी नहीं। लेनदेन संबंधी कोई भी वार्ता किसी सार्वजनिक स्थान या वाहन में बैठकर नहीं करूंगा, फोन पर भी नहीं। बैंक के अन्दर किसी अनजान व्यक्ति का सहारा नहीं लूंगा, न ही किसी अनजान व्यक्ति पर विश्वास करूंगा। कभी भी किसी एटीएम बूथ में किसी दूसरे को अपना कार्ड चेक करने के लिए नहीं दूंगा। बस, ट्रेन में किसी का दिया कुछ भी नहीं खाऊंगा, पियूंगा, चाहे वह व्यक्ति उसे खुद भी क्यों न खा पी रहा हो। अपने दरवाजों पर इंटरनल लॉक लगवा लूंगा, ताकि बाहर से ताले लटके न दिखें। अपने घर, दुकान के बाहर सीसीटीवी कैमरे जरूर लगवा लूंगा। अगर मेरे मोहल्ले में कोई संदिग्ध व्यक्ति, जैसे कोई फेरीवाला, कबाड़ी या घुमंतू दिखेगा तो मैं इसकी सूचना सम्बन्धित चौकी अथवा थानें को दूंगा। बस अड्डा या टैक्सी-टेंपो स्टैंड से ही अधिकृत गाड़ी में ही सफर के लिए बैठूंगा, किसी अनजान से लिफ्ट नहीं लूंगा। अजनबी व्यक्ति, फेरी लगाने वाले, गैस चूल्हा सफाई, फल-सब्जी वाले आदि किसी को भी घर के अंदर नहीं घुसने दुंगा। गोवंशों के अवैध परिवहन की सूचना तथा अवैध बूचड़खानों की सूचना संबन्धित थाना या चौकी को दूंगा। मनबढ़ लड़कों के द्वारा गोल बनाकर या गैंग बनाकर बदमाशी करने की सूचना संबन्धित थाना या चौकी को दूंगा।

72 घंटे के लिए भूख हड़ताल पर बैठे पूर्व प्रधान परमहंस सिंह

सिंहपुर। क्षेत्रीय संघर्ष समिति के बैनर तले फेफना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रनों के ठहराव सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर विगत 32 दिनों से धरना प्रदर्शन एवं अनशन चल रहा है। शनिवार को 72 घंटे के लिए भूख हड़ताल पर बैठे पूर्व प्रधान परमहंस सिंह का अनशन रविवार को भी जारी रहा। वहीं, क्षेत्रीय संघर्ष समिति के संयोजक जनार्दन सिंह द्वारा चार सितम्बर से आमरण अनशन पर बैठने की घोषणा किये जाने से रेलवे प्रशासन की बेचैनी बढ़ गई है। चार सितंबर से शुरू हो रहे आमरण अनशन को लेकर क्षेत्र में जोर-शोर से प्रचार-प्रसार करके क्षेत्रवासियों से अधिकाधिक संख्या में फेफना जं. रेलवे स्टेशन पर पहुंचने की अपील की जा रही है। छात्रनेता एवं नौजवान गांव-गांव में भ्रमण कर जनसंपर्क कर रहे है। साथ ही उन दिन फेफना बाजार को बंद करने के लिए दुकानदारों से अपील की जा रही है।

रेल सह सड़क पुल से खतरनाक सटंट करते हुए गंगा नदी में छलांग लगाने वाला युवक गिरफ्तार

केटी न्यूज / गाजीपुर

गंगा नदी पर स्थित रेल सह सड़क पुल से खतरनाक सटंट करते हुए नदी में छलांग लगाने वाले युवक दया चौधरी उर्फ शेखा (22) को?? आरपीएफ ने सुहवल थाना क्षेत्र के युवराजपुर में छापेमारी कर दबोच लिया। आरपीएफ ने पकडे गये आरोपी युवक को रेलवे पुलिस पोस्ट थाना ले जाकर कड़ी पूछताछ के बाद उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर और मेडिकल मुआयना कराने के बाद उसे सक्षम मजिस्ट्रेट न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आरोपी को जेल भेंज दिया गया।

रेलवे सुरक्षा बल की यह छापेमारी इतनी गोपनीय थी कि सुहवल थाना पुलिस को इस कार्रवाई की भनक तक नहीं लगी और लोग मुकामी पुलिस से पूछते रहे कि किस पुलिस ने पकड़ा है ? कहां ले गई है ? आरपीएफ की इस कार्रवाई के बाद रेल पुल पर चढ़कर या उसके आस-पास ट्रैक किनारे खड़े होकर रील बनाने, फोटो शूट करने, जानलेवा स्टंट करने वालों में हडकंम्प मचा हुआ है।

आरपीएफ निरीक्षक अमित राय ने बताया कि एक दिन पूर्व एक युवक रेल पुल से नदी में जानलेवा स्टंट किया था। उसकी तलाश में आज रेलवे सुरक्षा बल के उप निरीक्षक कमलेश सिंह, हेड कांस्टेबल कृष्ण गोपाल शुक्ल और अजीत सिंह नवनिर्मित रेल सह सड़क पुल के अगल बगल गश्त कर रहे थे। बता दें कि इस दौरान सूचना मिली कि उक्त स्टंटबाज अपने गांव सुहवल थाना क्षेत्र के युवराजपुर में अपने हेयर कटिंग सैलून पर मौजूद है। इसके बाद आरपीएफ की टीम उक्त गांव के युवक के दुकान पर धमक पड़ी। बताया कि पूछताछ के बाद आरोपी युवक ने खुद ब खुद नदी में रेल पुल से खतरनाक स्टंट करने का गुनाह कबूल किया। इसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया।

आरपीएफ निरीक्षक अमित कुमार राय ने बताया कि हिरासत में लिया गए युवक ने पूछताछ में बताया कि वह रील बनाने और इंस्टाग्राम पर अपलोड कर खुद सुर्खियां बटोरना चाहता था।

एक नजर

दो परिवारों को 'मदद संस्थान' ने किया मदद

दुबहर। मानवता की सेवा में तत्पर मदद संस्थान ने रविवार को सिकंदरपुर और मनियर में जाकर दो जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक मदद देकर उनकी सहायता की। ज्ञात हो की मदद संस्थान द्वारा समाज के असहाय, लाचार पीड़ित एवं मजबूर लोगों की हमेशा मदद कर रहा है। इसी क्रम में रविवार को मदद संस्थान की टीम ने सिकंदरपुर क्षेत्र के भरथाव गांव निवासी संजय राजभर के इलाज के लिए 5000 का चेक प्रदान किया। वहीं मनियर नगर पंचायत के कम्युनिस्ट मोहल्ला में मृतक डब्लू राजभर की पत्नी सुनीता देवी को परिवार के भरण पोषण के लिए 5000 का चेक प्रदान किया। इसके साथ ही विधवा पेंशन, राशन कार्ड आदि बनवाने की भी पहल की गई। इस मौके पर नवानगर ब्लॉक के अध्यक्ष अजय तिवारी, मनियर ब्लॉक के अध्यक्ष अनूप कुमार पर्वत, अरुणेश पाठक, जितेंद्र उपाध्याय, शंकर प्रसाद चौरसिया, बब्बन विद्यार्थी, रणजीत सिंह, श्रीभगवान चौधरी, मुमताज शाह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

एचटी तार की चपेट में आने से युवक की मौत

बलिया। उभांव थाना क्षेत्र के बहुताचक उपाध्याय गांव में रविवार को नवनिर्मित भवन की छत के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार के चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गयी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही उभांव पुलिस मौके पर पहुँचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार बहुताचक उपाध्याय गांव निवासी दीपक यादव 40 वर्ष पुत्र सूर्यभान यादव अपने नवनिर्मित भवन के छत पर सुबह करीब 11 बजे साफ-सफाई कर रहे थे। इसी बीच दीपक छत के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए और गम्भीर रूप से झुलसने के बाद छत से नीचे गिर गया। जिससे घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक मृदुभाषी व बहुत मिलनसार था। घटना के बाद पत्नी, बच्चे सहित परिजनों का रोते- रोते बुरा हाल है। मृतका का एक 15 व एक 13 वर्ष का दो पुत्र है।

आज मनेगा बाबा कीनाराम का जन्मोत्सव

गाजीपुर। वैष्णो स्थल बाबा कीनाराम की तपोस्थली नायकड़ीह में 425वां जन्मोत्सव श्रद्धाभाव से कल मनाया जाएगा। तीन दिन चलने वाला उत्सव एक दिन ही रहेगा। सुबह भक्त बाबा का जलाभिषेक करेंगे। हवन-पूजन के साथ सोहर गीत पच दोहा होगा। इसके बाद भक्तों में प्रसाद वितरण किया जाएगा। मठ कार्यक्रम किनाराम प्रबंध समिति की प्रबंधक रामकृष्ण सिंह ने श्रद्धालुओं का आह्वान किया कि एक साथ ज्यादा से ज्यादा लोग जुटें। जन्मोत्सव कार्यक्रम में बाबा के दर्शन -पूजन कर तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम होगा। रात्रि में भक्ति संगीत, प्रवचन और दिन में दर्शन पूजन होता था। जन्मोत्सव के मौके पर क्षेत्र की महान हस्तियां यहां आकर दर्शन पूजन कर पुण्य लाभ लेती रही हैं। मठ के कार्यक्रम प्रबंधक ने कहा कि इस बार सादगी से यह कार्यक्रम हो रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से मठ न आकर घरों में ही बाबा का जन्मोत्सव मनाने का आह्वान किया।

बड़ौदा यू.पी. बैंक सहादतपुरा की नयी शाखा का उद्घाटन

मऊ। बड़ौदा यू.पी. बैक शाखा सहादतपुरा के नये परिसर का उद्घाटन बड़ौदा यू.पी. बैंक के अध्यक्ष देवेन्द्र पाल ग्रोवर के द्वारा किया गया । इस अवसर पर श्री ग्रोवर ने कहा कि हमारे बैंक से ग्राहको को आधुनिक ऋण सुविधाये जैसे गोल्ड लोन, प्रधान मंत्री विश्वकर्मा एवं सूर्यघर योजना, इण्टरनेट बैकिंग एवं मोबाइल बैकिग, गृह ऋण, सूक्ष्म लघु उघोग ऋण (एम.एस.एम.ई.) स्वयं सहायता समूह ऋण आदि की सुविधा मिलेगी । उन्होंने बताया कि इसके अलावा बैंक द्वारा प्रगति रूपे क्रेडिट कार्ड की सुविधाये भी मिल रही है। इस अवसर पर क्षेत्रो में प्रबंधक उमाशंकर सिंह क्षेत्रीय उप क्षेत्रीय प्रबंधक वृजेन्द्र नागराजन तथा शाखा प्रबंधक दीपक कुमार एवं समस्त अधिकारी कर्मचारी व सम्मानित ग्राहक उपस्थित रहे।

जिला कार्यालय में आयोजित किया गया स्वागत समारोह, कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर पुष्प गुच्छ किया भेंट

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य बनाए जाने पर डा. मुराहू राजभर का जनपद में भव्य स्वागत

केटी न्यूज / गाजीपुर

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य बनाए जाने के बाद डा. मुराहू राजभर का भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित कर जोरदार स्वागत अभिनंदन किया गया। जिला कार्यालय पर आयोजित स्वागत समारोह में भाजपा नेताओं तथा कार्यकताओं ने डा. मुराहू राजभर का माल्यार्पण कर पुष्प गुच्छ भेंट किया। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना व्यक्त कर बधाई दी तथा एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मिठा कराया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने समाज के अत्यंत वरिष्ठ नेता जो लगातार जिम्मेदार दायित्वों का निर्वहन कर संगठन और समाज मे सामंजस्य स्थापित कर लोगों की सेवा करते रहे हैं इनको पिछड़ा वर्ग आयोग का सदस्य बनाए जाने से समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद को न्याय मिलेगा। कहा कि इसके लिए हम बधाई देते हुए शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार धन्यवाद व्यक्त करते हैं।

पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी राय ने कहा कि डा. मुराहू राजभर पार्टी के विचार सिद्धांत के प्रति सदैव समर्पित होकर काम करते रहे हैं। बताया कि डा. मुराहू राजभर भाजपा महामनिषियों के सोच और सपनों को साकार कर कतार के अंतिम व्यक्ति के लिए काम करेंगे ऐसी हम उम्मीद करते हैं। स्वागत से अभिभूत डा. मुराहू राजभर ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता के रुप मे हमने सदैव नागरिक कर्तव्यों आदर्शों का पालन किया है।

लोगों को मिले जिम्मेदारी के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि समाज और सरकार की अपेक्षाओं पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

इस अवसर पर जिला महामंत्री प्रवीण सिंह, सुरेश बिंद,राजन प्रजापति,रासबिहारी राय, सुशील सिंह,मनोज बिंद, गोपाल राय, हंसराज राजभर, शशिकांत, रामेश्वर तिवारी, सूर्य प्रकाश यादव, शनि चौरसिया आदि उपस्थित थे।

कच्ची दारू पर रोक लगाने के लिए एक्शन में आई मनियर पुलिस

बलिया। कच्ची शराब बनाने व तस्करी रोकने में बदनाम हुई पुलिस ने इस धन्धे पर रोक लगाने के लिए अब नया हथकंडा अपनाया। रविवार को ककरघट्टा खास गांव में ग्रामीणों संग बैठक कर सहयोग करने की अपील की। बैठक को संबोधित करते हुए मनियर थानाध्यक्ष रत्नेश दुबे ने ने कहा कि घाघरा के तटवर्ती गांव में कच्ची शराब बनाने व नदी में नाव के सहारे बिहार में ठिकाने लगाया जाता है। जिसकी शिकायत बार-बार मिलती है। क्षेत्र में कच्ची शराब बनाने व तस्करी रोकने में आप सभी ग्रामीणों का सहयोग की आवश्यकता है। जिससे इस पर लगाम लगाया जा सके। ग्रामीणों को अपना सीयूजी नंबर देकर कहाकि इसकी सूचना समय पर उपलब्ध कराएं। पुलिस त्वरित कारवाई के लिए तैयार रहेगी।

खुशखबरी... नमामि गंगे के तहत उत्तर प्रदेश के लिए 5 परियोजनाओं को मिली मंजूरी

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के संरक्षण और सफाई के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रही योगी सरकार के प्रयासों को एक और कामयाबी मिली है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की 56वीं कार्यकारी समिति की बैठक में उत्तर प्रदेश के लिए 73.39 करोड़ रुपए की लागत वाली 5 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य गंगा नदी के संरक्षण और सफाई के लिए कदम उठाना है। ये परियोजनाएं गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने और उसके इको-सिस्टम को सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

♦ गंगा नदी के संरक्षण, सफाई और पर्यावरण के लिए अनेक कदम उठा रही योगी सरकार के प्रयासों को मिली एक और कामयाबी

वाराणसी में स्मार्ट लैबोरेटरी फॉर क्लीन रिवर परियोजना के सचिवालय की स्थापना : नमामि गंगे और आईआईटी बीएचयू के बीच संस्थागत ढांचे के तहत वाराणसी में स्मार्ट लैबोरेटरी फॉर क्लीन रिवर परियोजना के सचिवालय की स्थापना की जाएगी। यह परियोजना भारत में छोटी नदियों के कायाकल्प के लिए एक महत्वाकांक्षी और महत्त्वपूर्ण पहल है। इस तरह की परियोजना का उद्देश्य नदियों को उनके प्राकृतिक रूप में वापस लाना, जलस्त्रोतों की रक्षा करना और पर्यावरणीय संतुलन को बहाल करना है। इसमें विश्वव्यापी विशेषज्ञता और संधारणीय प्रथाओं का उपयोग करके पानी की गुणवत्ता में सुधार, जल प्रबंधन के स्थायी तरीके और स्थानीय समुदायों की भागीदारी जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

गंगा की सहायक काली नदी के प्रदूषण को रोकने का प्रयास : वहीं, उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के गुलावठी में एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय परियोजना को मंजूरी दी गई है, जिसका उद्देश्य गंगा की सहायक पूर्वी काली नदी के प्रदूषण को रोकना है। इस परियोजना के

अंतर्गत इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन के साथ ही 10 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रति दिन) क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का भी निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 50.98 करोड़ रुपए है, जिसमें अगले 15 वर्षों के लिए रखरखाव और प्रबंधन भी शामिल है। परियोजना की समयसीमा के अनुसार, राज्य सरकार को अगले 4 महीनों के भीतर इस परियोजना के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध करानी होगी।

रायबरेली के डलमऊ में फीकल स्लज मैनेजमेंट परियोजना को मंजूरी : नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत रायबरेली के डलमऊ में गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने के लिए फीकल स्लज मैनेजमेंट परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के तहत 8 केएलडी क्षमता वाले प्लांट के साथ 15 किलोवाट के सोलर पॉवर प्लांट की भी स्थापना की जाएगी। यह परियोजना डीबीओटी मॉडल पर आधारित है, जिसकी कुल लागत 4.40 करोड़ रुपए है। परियोजना में इसके रखरखाव और प्रबंधन के लिए पांच साल तक की अवधि भी शामिल है। यह पहल गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने और स्थानीय समुदाय को स्वच्छता सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

छिवकी रेलवे स्टेशन पर अर्थ गंगा केंद्र की स्थापना : प्रयागराज के छिवकी रेलवे स्टेशन पर अर्थ गंगा केंद्र की स्थापना और स्टेशन की ब्रांडिंग की परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना की कुल लागत 1.80 करोड़ रुपए होगी, जिसमें 68.70 लाख रुपए अगले पांच सालों तक इसके रखरखाव और प्रबंधन के लिए खर्च किए जाएंगे। बैठक में यह भी सुझाव दिया गया कि गंगा बेसिन के हर राज्य में अर्थ गंगा केंद्रों का निर्माण किया जाना चाहिए।

इस अर्थ गंगा केंद्र का मुख्य उद्देश्य महाकुंभ मेला और उसके बाद लोगों में गंगा और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है। वहीं, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से ऊपरी गोमती नदी बेसिन में निचले क्रम की धाराओं और सहायक नदियों के कायाकल्प की योजना को भी मंजूरी दी गई। इस परियोजना की अनुमानित लागत 81.09 लाख रुपए है। यह परियोजना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि छोटी नदियां और धाराएं बड़ी नदियों के जल प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल ने की।

एक्सप्रेसवे को एटीएमएस समेत अन्य सुविधाओं से युक्त करने की प्रक्रिया शुरू

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे जल्द होगा एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से लैस

केटी न्यूज/ लखनऊ

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे को एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) से लैस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने क्रियान्वित करते हुए एजेंसी निर्धारण व कायावंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे पहले, यूपीडा द्वारा बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को भी आईटीएमएस युक्त करने की प्रक्रिया को लेकर भी कार्य शुरू किया गया था जो कि निरंतर प्रगति पर है।

ट्रैफिक मैनेजमेंट कमांड सेंटर में होगी आधार ऑथेंटिकेशन की सुविधा : गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे को आईटीएमएस इनेबल्ड बनाने के लिए जो कार्ययोजना तैयार की गई है उसके अनुसार इस एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक मैनेजमेंट कमांड सेंटर की

स्थापना होगी। इसके जरिए ट्रैफिक मॉनिटरिंग व मैनेजमेंट प्रक्रिया को बल मिलेगा। ट्रैफिक मैनेजमेंट कंट्रोल (टीएमसी) यूनिट को रिकॉर्डिंग सर्वर स्टोरेज व बैकअप रिकॉर्डिंग्स सर्वर युक्त किया जाएगा। टीएमसी यूनिट को फैसिलिटी मॉनिटरिंग सिस्टम कंट्रोलर, ग्राफिक डिस्प्ले, इंटरनेट व एसएमएस सर्वर तथा फाइबर चैनल होस्ट से युक्त किया जाएगा। इमर्जेंसी टेलिफोन हेल्पलाइन कंसोल, स्टाफ के लिए आधार इनेबल्ड बायोमीट्रिक फिंगरप्रिंट स्कैनर मशीन समेत विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से टीएमसी यूनिट को युक्त किया जाएगा।

वीआईडीएस व आईडीएस प्रक्रिया को किया जाएगा लागू : मोशन डिटेक्शन सर्विलांस कैमेरा व व्हीकल स्पीड डिटेक्शन सिस्टम को गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ इंस्टॉल किया जाएगा। इससे, ओवरस्पीडिंग करने वाली गाड़ियों के विषय में अलर्ट जारी हो सकेगा और कंट्रोल रूम द्वारा इसे तुरंत ट्रैक किया जा सकेगा।

वहीं, वीडियो इंसिडेंट डिटेक्शन एनफोर्स्ड सिस्टम (वीआईडीएस) तथा इंसिडेंट डिटेक्शन एनफोर्स्ड सिस्टम (आईडीएस) को भी आईटीएमएस प्रक्रिया के अंतर्गत लागू किया जाएगा। चयनित एजेंसी को इन सभी इक्विप्मेंट्स की प्रोक्योरमेंट, इस्टॉलेशन, ऑपरेशन व मेंटिनेंस से संबंधित कार्यों को पूर्ण करना होगा।

बाबा कीनाराम की सिद्धियां बनीं लोक कल्याण का माध्यमः सीएम योगी

केटी न्यूज/ चंदौली

सूबे के मुखिया एवं नाथ परंपरा के पीठ के योगी आदित्यनाथ रविवार को अघोर पंथ के महान संत बाबा कीनाराम की 425 वें जन्मोत्सव समारोह में शिरकत करने रामगढ़ स्थित कीनाराम आश्रम में पहुंचे।

भक्तों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें आज सोनभद्र जाना था लेकिन यह बाबा की कृपा थी कि उन्होंने अपने यहां बुला लिया। बाबा की महिमा का बखान करते हुए सीएम योगी ने कहा कि बाबा ने अपनी सीद्धियों का प्रयोग समाज के कल्याण और लोक कल्याण के लिए किया था। उनके नाम पर चंदौली में बना मेडिकल कॉलेज लोक कल्याण का साधन बनेगा। कहा कि बाबा ने मुगल आक्रांताओं को फटकार लगाकर भगा दिया था, जो साबित करता है कि एक संत और योगी सत्ता का गुलाम नही होता, बल्कि वह सत्ता को उनके विचारों पर चलने के लिए मजबूर करता है। बाबा कीनाराम ने काशी के क्रीं कुंड को पवित्रता दी वे जन्म से ही विभूति थे। उन्होंने दलित वनवासी जनजाति समुदाय को सशक्त किया। बाबा के समाज सुधार की सोच को अघोर पीठ आगे बढ़ा रहा है। कहा कि राष्ट्र प्रथम के नाम पर हमारी सोच होनी चाहिए तभी बाबा का आशीर्वाद मिल सकता है। उन्होंने बाबा की 425 में जयंती पर सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान सर्व संप्रदाय के अघोर पंथ के पीठाधीश्वर सिद्धार्थ और राम गौतम, अजीत सिंह, पूर्व मंत्री महेंद्र नाथ पांडे, सूर्य मुनि तिवारी आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने बाबा काल भैरव और श्री काशी विश्वनाथ का लिया आशीर्वाद

वाराणसी : भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक एवं सदस्यता अभियान कार्यशाला में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को दोपहर में वाराणसी पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी पहुंचते ही बाबा काल भैरव और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में मत्था टेका। पुलिस लाइन हेलीपैड पर उतरने के बाद मुख्यमंत्री बाबा के दरबार में पहुंचे और विधि विधान से पूजन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में आदियोगी के दर्शन किए।

कबड्डी में प्रथम आने पर कॉलेज की बालिकाओं का हुआ सम्मान

केटी न्यूज / जौनपुर(बरसठी)

जनपदीय विद्यालयी कबड्डी प्रतियोगिता 2024 25 में श्री गणेश विद्यापीठ इण्टर कॉलेज की बालिका टीम जूनियर वर्ग को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर शनिवार को विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा टीम की बालिकाओं का सम्मान किया गया । प्रतियोगिता का आयोजन टी डी इण्टर कालेज जौनपुर में हुआ था जिसमें खिलाड़ी सोनाक्षी,माधुरी, नयंशी, आंचल,श्रुति आदि ने सराहनीय प्रदर्शन किया।सम्मान समारोह में विद्यालय के अध्यापक निर्मल त्रिपाठी,जय प्रताप सिंह,राजकुमार सिंह,अजय सिंह,शैलेश सिंह, विपीन कुमार ,रामचंद्र सिंह एवम समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।प्रधानाचार्य ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए भविष्य में मंडल स्तर और प्रदेश स्तर पर भी इस जीत को बरकरार रखने की कामनाएं की।

हर रविवार ,डेंगू पर वार जौनपुर है तैयार... आप पार्टी ने की अभियान की शुरूआत

♦ जौनपुर जिला कार्यकारिणी का भी हुआ गठन

केटी न्यूज / जौनपुर

आम आदमी पार्टी जौनपुर के मासिक बैठक रविवार को कलेक्ट्रेट कचहरी के पास स्थित एक मैरिज हॉल में संपन्न हुई। पार्टी के वरिष्ठ साथी ठाकुर प्रसाद राय ने झंडी दिखाकर डेंगू के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाले प्रचार वाहन को रवाना किया। इस अभियान का संयोजक प्रदीप मिश्र को बनाया गया। राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के अनुमोदन से प्रांत अध्यक्ष पवन तिवारी ने आम आदमी पार्टी की जिला कार्यकारिणी घोषित कर दी है। मोहम्मद गालिब शेख व मुरली मनोहर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय सिंह बागी

व अजय यादव उपाध्यक्ष विनोद प्रजापति को जिला महासचिव,विद्याधर मिश्र कोषाध्यक्ष, अमित श्रीवास्तव व सुभाष चंद्र मौर्य को जिला सचिव, ठाकुर प्रसाद राय, बी०एल० मौर्य ,लक्ष्मी नारायण चौरसिया,आशीष यादव,साधना त्रिपाठी सदस्य,जिला कार्यकारिणी बनाए गए हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रामरतन विश्वकर्मा ने जनपद के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से अपील की की जनपद के सभी नगर पालिका व नगर पंचायत तथा ग्राम पंचायत में कार्यकर्ता घर-घर जाकर "हर रविवार-डेंगू पर वार" अभियान के विषय में लोगों को जानकारी दें और सभी से यह कहे कि आज से हर रविवार 10 हफ्ते 10बजे,10 मिनट निकालकर अपने घर पर तथा आसपास रुका हुआ साफ पानी निकालकर या फिर उसमें तेल डालकर डेंगू के मच्छरों को पैदा होने से रोकें क्योंकि डेंगू से बचने का सबसे अच्छा उपाय डेंगू के मच्छर पैदा होने ही ना दिया जाय। पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉ० अनुराग मिश्र ने पार्टी के संगठन विस्तार, कार्यकताओं में अनुशासन एवं प्रशिक्षण आदि पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुरली मनोहर ने बैठक का एजेंडा पढ़कर बिंदुवार एक-एक एजेंट पर सभी कार्यकताओं को संगठित होकर कार्य करने की अपील की। जिला सचिव सुभाष मौर्य ने कहा कि नगर पालिका और नगर पंचायत में नियमित रूप से ना तो फागिंग हो रही है और ना ही साफ-सफाई। कूड़े का निस्तारण भी नियमानुसार नहीं हो रहा है इसके लिए आम आदमी पार्टी आंदोलन करेगी और जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने की मांग करेगी।

एक नजर

सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की भतीजी आस्था मौर्य का हुआ एमबीबीएस में चयन

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की छोटी भतीजी कुमारी आस्था मौर्य का चयन एमबीबीएस में मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रयागराज में हुआ है।कुमारी आस्था मौर्य के एमबीबीएस में चयनित होने पर परिवार, रिश्तेदारों और इष्ट मित्र एवं ग्रामवासियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। ज्ञात हो कि आस्था मौर्य की बड़ी बहन कुमारी सौम्या मौर्य का भी दो वर्ष पहले एमबीबीएस में चयन हुआ है जो बीएचयू से एमबीबीएस की द्वितीय वर्ष की छात्रा है। सपा जिलाध्यक्ष की दोनो भतीजियों ने घर पर रहकर एमबीबीएस की तैयारी की सेल्फ स्टडी से दोनों बहनों का एमबीबीएस में चयन होना उनकी होनहार, शिक्षित और शिक्षा के प्रति गंभीरता को प्रमाणित करता है। समाजवादी पार्टी सहित अन्य गणमान्य जनों ने दोनों बेटियों को बधाई आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

फिल्म इमरजेंसी के खिलाफ सिख समाज करेगा प्रदर्शन

चंदौली। पीडीडीयू नगर स्थित गुरुद्वारा साहिब में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं सिख समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में कंगना रनौत की आने वाली फिल्म इमरजेंसी में सिख समाज के खिलाफ की गई गलत बयानबाजी और सिखों को गलत तरीके से चित्रित करने के विषय में चर्चा की गई। इसके विरोध में समाज दो सितंबर को प्रदर्शन करेगा। इस विरोध प्रदर्शन में सिख समाज के पुरुष, वृद्ध, जवान, एवं महिलाएं भाग लेंगे।

श्रेया ग्रुप ऑफ फाउंडेशन की नई पहल

जरूरतमंदों को मिलेगी घर, शिक्षा और विवाह में सहायता

♦ श्रेया फाउंडेशन के अध्यक्ष हेमंत कुमार राय ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी

केटी न्यूज / वाराणसी

श्रेया ग्रुप ऑफ फाउंडेशन ने समाज में अपनी जिम्मेदारी को और भी गंभीरता से निभाते हुए, आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों के लिए चार नए सामाजिक प्रोग्राम की घोषणा की है। यह पहल श्रेया फाउंडेशन के अध्यक्ष हेमंत कुमार राय द्वारा वाराणसी के लंका स्तिथ होटल ओजस में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में की गई।

उन्होंने बताया कि इस पहल में चार प्रमुख कार्यक्रम शामिल हैं:

1.बी. एम.आई. पी. (बिल्डिंग मटेरियल इनिशिएटिव प्रोग्राम): इस प्रोग्राम के तहत श्रेया फाउंडेशन के श्रेया आशियाना प्रोग्राम के माध्यम से उन जरूरतमंद लोगों को आर्थिक सहयोग दिया जाएगा जो किराए के मकान में रहते हैं या जिनके पास केवल जमीन है और मकान बनाने के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता है।

2.सी. ई. पी. (चाइल्ड एजुकेशन प्रोग्राम): इस कार्यक्रम के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए श्रेया

फाउंडेशन उनकी फीस का भार उठाएगी, जिससे वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। यह प्रोग्राम एलकेजी से 12वीं कक्षा तक के बच्चों के लिए होगा।

3.एच. इ. पी. (हायर एजुकेशन प्रोग्राम): यह प्रोग्राम उन बच्चों के लिए है जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं लेकिन आर्थिक तंगी के कारण सक्षम नहीं हैं। श्रेया फाउंडेशन इन बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करेगा।

4.जी.एम.आई.पी. (गर्ल्स मैरिज इनिशिएटिव प्रोग्राम): इस प्रोग्राम के तहत श्रेया फाउंडेशन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी में सहयोग करेगा। फाउंडेशन द्वारा ज्वेलरी या इलेक्ट्रॉनिक सामान देकर गरीब कन्याओं की शादी के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

हेमंत कुमार राय ने इस अवसर पर कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज के वास्तविक जरूरतमंदों तक सहायता पहुँचाना है, ताकि सही व्यक्ति को मदद मिले और इसका दुरुपयोग न हो। प्रेस कांफ्रेंस में श्रेया ग्रुप के कई महत्वपूर्ण कर्मचारी और सदस्य भी उपस्थित थे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की और इसे सफल बनाने के लिए अपना समर्थन जताया। श्रेया ग्रुप की सीएमडी व श्रेया फाउंडेशन की उपाध्यक्ष संगीता राय और वायस चेयरपर्सन फ्यूचर श्रेया राय भी इस अवसर पर मौजूद रहीं। ये चारों प्रोग्राम फिलहाल श्रेया ग्रुप के सहयोगियों, कस्टमर्स और कर्मचारियों के लिए उपलब्ध होंगे, और अप्रैल 2025 से आम जनता के लिए भी शुरू कर दिए जाएंगे। श्रेया ग्रुप का यह प्रयास समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने और जरूरतमंदों को बेहतर जीवन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संवाददाता सम्मेलन में मुख्य रूप से श्रेया ग्रुप ऑफ कंपनी के चेयरमैन व श्रेया फाउंडेशन के अध्यक्ष हेमंत कुमार राय, श्रेया ग्रुप की सीएमडी व श्रेया फाउंडेशन की उपाध्यक्ष श्रीमती संगीता राय, वायस चेयरपर्सन फ्यूचर श्रेया राय के अलावा श्रेया ग्रुप के कई महत्वपूर्ण कर्मचारी उपस्थित थे, जिनमें रॉयल क्लब मेंबर पी महेश्वर, डी ततैया, बी एम डी, विक्रम चक्रवर्ती, एम श्रीशा, राजेश सिंह, अवधेश कुमार, जमील अहमद, गौरव यादव, नाना जी गंता, गीतकार पंछी जालौनवी, सनी उपाध्यक्ष, विशाल सरोज, अजय मिश्रा, भानु प्रताप सिंह, नमित सिंह, श्याम मिश्रा, विवेक यादव, धर्मेंद्र सिंह इत्यादि। सरिता यादव, संजना मिश्रा, शालिनी त्रिपाठी, कोमल तिवारी और मुमताज अहमद भी श्रेया ग्रुप से जुड़े हुए हैं।

नौकरानी से दुष्कर्म के आरोपी पूर्व कांग्रेसी नेता को जौनपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

केटी न्यूज / जौनपुर

कोतवाली क्षेत्र के कजियाना मोहल्ले में कांग्रेस नेता और पूर्व शहर उपाध्यक्ष मुफ्ती मेहंदी के घर में काम करने वाली नौकरानी से दुष्कर्म के मामले में रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। कोतवाली थाना अंतर्गत शेख मोहामिद निवासी पीड़िता ने शनिवार को कोतवाली में व पुलिस अधीक्षक डा अजय पाल शर्मा को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि मुफ्ती मेहंदी निवासी कजियाना कोतवाली के घर पर 10 वर्षों से झाडू पोछा का काम करती थी। मुफ्ती मेहंदी कहें कि वह प्यार करते हैं शादी करेंगे इसके बाद बहला फुसलाकर मेरे साथ यौन संबंध बना लिए उस समय मेरी उम्र 15 वर्ष थी। मुझे आश्वासन के तौर पर कपड़े और चप्पल आदि दिलवा देते थे। यह क्रम काफी दिनों तक चला। जब मैं शादी के लिए कहती तो वह इधर-उधर की बात कर टाल जाते थे। जब मैं जिद करने लगी तो मुफ्ती मुझे और मेरे घर वालों को जान से मारने की धमकी देने लगे। अंतरंग तस्वीरें दिखाकर धमकी देते बात नहीं मानोगी तो वायरल कर दूंगा। वही फोटो दिखाकर मुझे डरा धमका कर संबंध बनाते रहे। मुझे अन्य लोगों से भी संबंध बनाने को कहते थे, जब मैं मना कर देती थी तो मुझे मारते पीटते थे।

27 अगस्त 2024 को शाम सात बजे मुफ्ती मुझे घर बुलाकर मेरे साथ संबंध बनाने के लिए कहे जब मैं मना

कर दी। फिर मारपीट कर जबरदस्ती संबंध बनाए। मुझसे कहे कि अगर यह बात पुलिस को बताओगी तो मैं तुम्हें तथा तुम्हारे परिवार को जान से खत्म कर दूंगा।इस मामले में शहर कांग्रेस अध्यक्ष विशाल सिंह ने बताया कि मुफ्ती पूर्व में शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष थे, 26 मार्च 2022 को उन्होंने इस्तीफा दे दिया।वर्तमान में वो पार्टी के प्राथमिक सदस्य हैं या नहीं इसके बारे में जानकारी नहीं है हां पूर्व में वो पार्टी के पदों पर रहे है अभी उनके ऊपर कोई आरोप सिद्ध नही है।

वही इस मामले में बात करते हुए मिथिलेश मिश्रा,शहर कोतवाल ने बताया की कांग्रेस नेता मुफ्ती मेंहदी को नौकरानी की तहरीर पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया।

उठने लगी मध्य प्रदेश में तीसरे दल की मांग

सुभाषितम्

जिसके पास उम्मीद है, वह हार कर भी नहीं हारता।

- अज्ञात

महाराष्ट्र में सियासी घमासान

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के बाद से राजनीतिक हलचलें बढ़ गई हैं। यह घटना 26 अगस्त 2023 को घटित हुई, उसके बाद से ही राज्य में उथल-पुथल मची हुई है। इस मुद्दे को लेकर महाविकास आघाड़ी आक्रामक मुद्रा में है। भारतीय जनता पार्टी बचाव की मुद्रा में आमने-सामने आकर खड़ी हो गई है। महाविकास आघाड़ी ने इस घटना को लेकर राज्यभर में आंदोलन शुरू कर दिया है। 1 सितंबर 2024 को महा विकास अघाड़ी ने मुंबई के हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ इंडिया तक एक विशाल रैली निकाली, जिसमें शरद पवार, उद्धव ठाकरे और नाना पटोले जैसे बड़े नेताओं ने हिस्सा लिया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने को शिवाजी महाराज के अपमान और भ्रष्टाचार से जोड़कर विपक्ष सरकार और प्रशासन पर दबाव बना रहा है। प्रतिमा निर्माण प्रक्रिया में भ्रष्टाचार हुआ, अनियमितताएं बरती गईं, जिस कारण यह दुर्घटना हुई। कुछ ही दिनों में महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव होने हैं। जिसके कारण जवाब में बीजेपी को भी मैदान में उतरना पड़ा है। मुंबई में भाजपा ने वसर ईस्ट से अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया। भाजपा का आरोप है, कि महाविकास अघाड़ी इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाविकास आघाड़ी शिवाजी महाराज के नाम पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा इस मामले में पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार माफी मांग चुके हैं। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच यह मामला महाराष्ट्र के चुनाव में एक महत्वपूर्ण असर डालने वाला होगा। विधानसभा चुनावों के निकट आते ही इस घटना से महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान आ गया है। एनडीए के घटक दल शिवसेना (एकनाथ शिंदे) राकांपा के (अजीत पवार) और भारतीय जनता पार्टी के सामने एक नई मुश्किल खड़ी हो गई है। महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज का विभिन्न समुदायों के बीच गहरी आस्था और सम्मान है। चुनाव के ठीक पहले उनकी मूर्ति का गिर जाना अशुभ माना जा रहा है। मूर्ति बनाने में जो भ्रष्टाचार हुआ है। उसको लेकर विपक्ष शिवाजी महाराज के मान अपमान से जोड़ते हुए सत्ता पक्ष पर आरोप लगा रहे हैं। सत्ता पक्ष के लोग सत्ता और भ्रष्टाचार के लिए भगवान और देवता को भी नहीं छोड़ते हैं। इस तरह के आरोप लगाकर विपक्ष सरकार और भाजपा पर हमलावर हैं। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में यह आरोप भाजपा को भारी पड़ते हुए दिख रहे हैं। ऐसी स्थिति में यह मामला आने वाले दिनों में और भी गहराएगा। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के सहयोगी दलों को भारी नुकसान होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने पर शिवाजी महाराज को देवता बताते हुए सार्वजनिक रूप से मस्तक झुका कर माफी मांगी है। आमतौर पर प्रधानमंत्री जल्द माफी नहीं मांगते हैं। उन्होंने अभी तक केवल एक बार किसानों से माफी मांगी है। उसके बाद शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के बाद जिस तरह से उन्होंने माफी मांगी। लगता था, यह मामला ठंडा पड़ जाएगा। लेकिन यह मामला ठंडा पड़ने के स्थान पर दिनों-दिन और भी गर्म होता जा रहा है। इसके पीछे एक ही कारण है। जल्द ही महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव में शिवाजी महाराज को लेकर विपक्ष के पास सत्ता पक्ष पर भावनात्मक रूप से जोरदार हमला करने का मौका मिल गया है। चुनाव जीतने के लिए विपक्ष के हाथ में एक तुरुप का पत्ता लग गया है। इसका लाभ विपक्ष को महाराष्ट्र की राजनीति में होता हुआ दिख रहा है। इस घटना से डैमेज कंट्रोल होगया है, यह समय भाजपा के लिए अच्छा नहीं है।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में श्रेष्ठता का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है। भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

आज का राशिफल

मेष आज ... के साथ छोटे बड़े बड़े ... के लिए भी समय ... रहेगी।

तुला आज ... को लेकर उत्साह में वृद्धि होगी और ... में मन नहीं लगेगा।

वृषभ आज ... से लाभ होगा और ... आवक सुख होगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक आज ... है और आपके ... मंगलकारक ... से हर्ष होगा।

मिथुन ... को देखकर सभी ... होंगे और अपने ... उपलब्धियों में ... होगा।

धनु लाभ होगा और आपका दिन सफलता में ... होगा। आपका ... कठिनाई से निकलेगा।

कर्क आज दिन ... और बाजार में किसी भी ... अपने प्रदर्शन कर सकते हैं।

मकर आज आपके ... वृद्धि का दिन है। शुभ ... दिन ... होंगे।

सिंह आज आर्थिक ... दिन आपके निराशाजनक होगा। आपको कारोबार की ... करना होगा।

कुंभ आज ... है। आपको ... होगा और ... में ... होगा।

कन्या आज ... के मामले में लाभ का दिन है। ... में करेंगे उनमें आपको सफलता प्राप्त होंगी।

मीन आज लाभ होगा और आपका दिन ... में ... होगा ... कार्य पूरे होंगे।

उठने लगी मध्य प्रदेश में तीसरे दल की मांग

- अतुल मलिकराम

तकरीबन आठ करोड़ की आबादी किसी एक दल के विचारों से मेल कैसे खा सकती है! और विचारों का यही विरोधाभास प्रदेश में तीसरे दल की मांग या दूसरे दल के रूप में तीसरे दल की तलाश कर रहा है। देश का हृदय कहे जाने वाले मध्य प्रदेश के दिल में नई राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं जाग्रत हो रही हैं, जिसने तीसरे दल के रूप में एक नई मांग का स्वरूप ले लिया है। अपनी स्थापना से लेकर अब तक लगभग 68 वर्षों के राजनीतिक इतिहास में प्रदेश में दो ही प्रमुख पार्टियों का बोलबाला रहा है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी और यही दोनों पार्टियाँ सत्तारूढ़ होती रही हैं। यूं तो शुरुआती दौर में देश के अन्य राज्यों की तरह एमपी में भी कांग्रेस का ही शासन लम्बे समय तक कायम रहा लेकिन पिछले दो दशक में बीजेपी ने मध्य प्रदेश की राजनीति में एक अलग मुकाम हासिल किया है और लगातार सत्ता पर कब्जा जमाए रखने में कामयाब रही है। हालांकि पिछले लगभग सात दशकों से इन दो दलों के सियासी चक्र में घूम रही मध्य प्रदेश की जनता अब किसी नए नेतृत्व और विचार का स्वागत करने के मूड में नजर आ रही है, और इस धारणा को बल देने में केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल की पार्टी अपना दल (एस) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रदेश में एक अर्से से बीजेपी का शासनकाल निश्चित रूप से मतदाताओं का पार्टी पर पूर्ण विश्वास दर्शाता है, और यही वो कारण है जो लगातार राज्य में कांग्रेस की कमर तोड़ने का काम कर रहा है। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने पिछले कुछ आम व विधानसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी वापसी की उम्मीद जरूर जगाई है लेकिन मध्य प्रदेश की जनता ने फिलहाल कांग्रेस को एक साइड पटक रखा है, जिसकी बानगी हालिया लोकसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन में देखी जा सकती है। जब कांग्रेस के दिग्गज नेता भी अपना किला ढहने से नहीं बचा पाए, और पार्टी को सभी 29 सीटों पर करारी हार का सामना करना पड़ा। 2023 के विधानसभा चुनावों में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला जब कांग्रेस को 230 में से महज 66 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। इस लिहाज से देखें तो एमपी की जनता ने कांग्रेस को फिलहाल जंग के मैदान से बाहर ही रखने का फैसला किया है। यानी मतदाताओं के पास मतदान का कोई विकल्प ही नहीं बचा है, बची है तो सिर्फ एक पार्टी भारतीय जनता पार्टी, लेकिन जाहिर सी बात है कि तकरीबन आठ करोड़ की आबादी किसी एक दल के विचारों से मेल कैसे खा सकती है! और विचारों का यही विरोधाभास प्रदेश में तीसरे दल की मांग या दूसरे दल के रूप में तीसरे दल की तलाश कर रहा है। उदाहरण के लिए यूं तो मध्य प्रदेश 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 2018 के मुकाबले 8 प्रतिशत अधिक यानी 48.55 प्रतिशत वोट मिले लेकिन समझाने वाली बात ये कि लगभग 51 फीसदी लोग ऐसे हैं जो बीजेपी की विचारधारा से सहानुभूति नहीं रखते हैं। ऐसे मतदाता या तो कांग्रेस खेमे के हैं या केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाली बहुजन समाज या समाजवादी पार्टी जैसी अन्य पार्टियों और निर्दलीयों के समर्थन में हैं। चूंकि मध्य प्रदेश में कांग्रेस मरणासन्न स्थिति से गुजर रही है और सुश्री मायावती या अखिलेश यादव की पार्टियाँ अपना जमीनी आधार खो चुकि हैं ऐसे में उत्तर प्रदेश के दलित, कुर्मियों और कुर्मी पटेलों में अपना वर्चस्व स्थापित कर, प्रदेश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी अपना दल (एस), मध्य प्रदेश की पहली पसंद बनकर सामने आई है। अब सवाल ये है कि केंद्र और यूपी में बीजेपी की सहयोगी अपना दल (एस) आखिर मध्य प्रदेश में कैसे किसी करिश्मे को अंजाम दे सकती है? हमने कई मंचों और मौकों पर अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल को सत्तारूढ़ बीजेपी के फैसलों पर अपना पक्ष निडरता से रखते देखा है। भले वह शिक्षक भर्ती में आरक्षण नियमों के उल्लंघन का मामला हो, आउटसोर्सिंग का मुद्दा हो या जातिगत जनगणना की वकालत करना हो, अनुप्रिया ने साफ किया है कि उनके द्वारा दलित, शोषित, वंचित और युवा वर्गों की आवाज सत्ता के साथ भी और सत्ता के बाहर भी, दोनों ही परिस्थितियों में जारी रहने वाली है। उनके इस तेवर ने यूपी से एमपी तक उनकी साख में चार चांद जोड़े हैं और उन्हें पीडीए की प्रमुख आवाज के रूप में प्रोजेक्ट किया है। यही मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनावों के पूर्व से ही उनकी पार्टी ने प्रदेश में 1 करोड़ से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान चलाकर, एमपी में भी अपनी पैठ जमाने के संकेत दिए थे। जिसके बाद लगातार प्रदेश में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन होते रहे हैं, जो इस ओर इशारा करता है कि पार्टी फिलहाल भले मुख्यरूप से सामने नहीं आ रही है लेकिन पर्दे के पीछे उसकी तैयारियां जोरों पर हैं। अभी हाल ही में यूपी और एमपी की कार्यकारिणियों को भंग कर, अपना दल (एस) ने एक बार फिर नए सिरे और रणनीतिक ढंग से आगे बढ़ने पर जोर दिया है। जाहिर है मध्य प्रदेश का एक बड़ा जन समूह पिछड़े, दलित वर्गों से आता है और अपना दल (एस) के लिए अपने राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनने के सफर को आगे बढ़ाने में यहाँ का मतदाता एक महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। वहीं पार्टी द्वारा सभी जाति-वर्गों पर समान रूप से ध्यान देने की रणनीति ने सवर्ण समेत अन्य वर्गों को भी पार्टी की ओर आकर्षित किया है। ठाकुर, ब्राह्मण से लेकर मुस्लिम और सिख तक, पार्टी के विशेष पदों पर देखे जा सकते हैं। ऐसे में यदि यह कहा जाए कि अपना दल (एस) ने बीजेपी-कांग्रेस से एक कदम आगे बढ़कर निष्पक्षता और समानता की राजनीति का रास्ता चुनकर, मध्य प्रदेश का मन पढ़ा है और जनता के समक्ष अपने नाम का एक मजबूत विकल्प पेश किया है तो गलत नहीं होगा।

इस लिंचिंग पर भी बोलना पड़ेगा आपको

- राकेश अचल

अक्सर मेरे तमाम मित्र मुझसे हिंसा और बलात्कार की हर वारदात पर लिखने की अपेक्षा रखते हैं। अधिकांश अंधभक्तों की अपेक्षा होती है कि कोई लेखक हो, विपक्ष का नेता हो सबसे पहले हिन्दुओं पर बोले, बंगाल पर बोले लेकिन उत्तरप्रदेश या डबल इंजिन की सरकार वाले किसी सूबे के बारे में न बोले। लेकिन हमारी कोशिश होती है कि जहां बोलना जरूरी है, कम से कम वहां जरूर बोला जाये। मिसाल के तौर पर आज हमें हरियाणा में हुई लिंचिंग की ताजा वारदात पर बोलना पड़ रहा है, क्योंकि हम जानते हैं कि इस वारदात को लेकर कोई सत्तारूढ़ दल शायद ही बोले। हरियाणा के चरखी दादरी में गोरक्षक समूह की दरिंदगी सामने आई है। यहां एक शख्स की गोमांस खाने के शक में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस तरह की वारदात को अंग्रेजी वाले लिंचिंग कहते हैं। इस घटना के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें गोरक्षक दल के युवक दो लोगों के साथ बेरहमी से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान कुछ लोग हस्तक्षेप भी करते हैं, लेकिन गोरक्षक किसी की नहीं सुनते। यह लोमहर्षक वारदात 27 अगस्त की है, जिसमें एक शख्स की मौत हो गई तो दूसरा गंभीर रूप से घायल है। पुलिस पूरे एक महीने इस वारदात पर पर्दा डाले रही। हालांकि पुलिस ने बाद में इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, साथ ही दो किशोरों को भी पकड़ा गया है. पुलिस के मुताबिक, चरखी दादरी जिले के बाढड़ा में कुछ युवकों ने गोमांस पकाकर खाने और बेचने के आरोप में कबाड़ बेचने वाले एक प्रवासी मजदूर की डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। युवक की पहचान 26 साल के साबिर मलिक के रूप में की गई है। साबिर बाढड़ा में झुग्गी झोपड़ी बनाकर रह रहा था। पत्नियों का आरोप है कि कबाड़ बेचने का बहाना बनाकर उन्हें बुलाया गया और फिर इस वारदात को अंजाम दिया गया। हरियाणा के संवेदनशील मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री नायब सैनी ने चरखी दादरी की घटना की निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बातें ठीक नहीं हैं। गौमाता की सुरक्षा के लिए हमने कानून बनाया है। लेकिन उन्होंने बड़ी ही मासूमियत से ये भी कह दिया कि गांव के लोगों को जब पता लगता है कि ऐसा हो रहा है तो उन्हें कौन रोक सकता है यानि ऐसी वारदातों को सरकार का परोक्ष रूप से संरक्षण है! धुले में रहने वाले 72 वर्षीय बुजुर्ग अशरफ अली सय्यद हुसैन मुश्किल से अपनी जान बचा पाए। वे अपनी बेटी से मिलने के लिए जलगांव से कल्याण जाने के लिए धुले सीएसएमटी एक्सप्रेस में सवार थे। उन्हें भी लोगों ने बीफ ले जाने के संदेह में कुछ दिया गनीमत है कि उनकी जान बच गयी। इस मामले में ठाणे जीआरपी में एफआईआर दर्ज करने के लिए रेलवे के पुलिस कमिश्नर ने आदेश दिए थे, जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की मानें तो धुले एक्सप्रेस ट्रेन में पहले सीट को लेकर लड़ाई हुई और फिर उन पर बीफ लेकर यात्रा करने का आरोप लगाकर पिटाई की गई। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान कर ली है, जो धुले के रहने वाले हैं, पुलिस की टीम उनकी तलाश करने धुले भेजी गई है।

एक ही मिजाज की ये दो वारदातें इस बात को प्रमाणित करती हैं कि समाज में सियासत ने नफरत के जो बीज दस साल पहले बोये थे वे अब फलने-फूलने लगे हैं। अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यक समाज अपना दुश्मन नंबर एक समझने लगा है। अल्पसंख्यक क्या खाएं, क्या पहनें, कहां जाएं या न जाएं ये सब सियासत तय करना चाहती है। असम में विधानसभा में दो साल से विधानसभा में नमाज के लिए दिया जाने वाला ब्रेक भी असम की सरकार ने बंद कर दिया। ये सरकार की ओर से की गयी भावनात्मक लिंचिंग नहीं तो और क्या है लेकिन इन तमाम मुद्दों पर जो भाजपा मौन है जो कोलकाता में एक महिला चिकित्सक की हत्या और बलात्कार के मामले को लेकर सिर पर आसमान उठाये हुए है। यानि भाजपा के लिए लिंचिंग कोई मुद्दा नहीं है। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कोई मुद्दा नहीं है। मणिपुर की हिंसा कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन यदि मुद्दा है तो कोलकाता में महिलाओं की सुरक्षा। देश में महिला सुरक्षा को लेकर जो रुख बंगाल को लेकर है वो उत्तरप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में होने वाली वारदातों को लेकर क्यों नहीं है प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि, न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 वर्षों में देश ने न्यायिक बुनियादी ढांचा के विकास के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। मोदीजी का दावा है कि पिछले 25 साल में जितनी राशि न्यायिक बुनियादी ढांचा पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 वर्षों में ही हुआ है। वे हरियाणा की लिंचिंग पर कुछ न बोलते हुए कहते हैं कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा, समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं, लेकिन हमें इसे और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचार से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही बड़ा भरोसा मिलेगा। प्रधानमंत्री जी कभी झूठ नहीं बोलते। वे जो कह रहे हैं वो संभव आज तक होगा ही, उनकी पार्टी की सरकारों ने तो बुलडोजर संहिता लागू कर अदालतों का काम भी सरकारों को करने की छूट दे दी है। भाजपा शासित राज्यों में तो अदालतों के फैसले आने से पहले ही सरकार आरोपियों के घर-मकान, दुकानें, जमींदोज कर देती है, लेकिन महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार है की रुकने का नाम ही नहीं ले रहे। यानि बुलडोजर संहिता भी नाकाम हो गयी। आने वाले दिनों में क्या होगा, ये कहना कठिन है। अभी तो जान के लाले पड़े हुए हैं।

आभासी दुनिया ने छीन लिए रिश्ते

- नरेंद्र भारती

व्यस्तता के कारण रिश्तों में आ रही दूरियों को खत्म करना होगा बढ़ती खाइयों को पाटना होगा ताकि रिश्ते अटूट बने रहें। रिश्तों को बरकरार रखना होगा। आभासी दुनिया से बाहर निकलना होगा। आभासी दुनिया ने खूनी रिश्ते छीन लिए हैं। रिश्तों को बचाना होगा। प्रत्येक मानव कहता है किसी के पास समय ही नहीं है हालांकि हर आदमी के चौबीस घंटे होते हैं लेकिन कौन मानव उनका कितना सदुपयोग करता है या दुरुपयोग करता है यह मानव पर निर्भर है। आभासी दुनिया ने सबको व्यस्त कर दिया है समय का दुरुपयोग करने वालों को तो इससे कोई सरोकार नहीं होता लेकिन जो समय का सदुपयोग करता है उसे समय की कीमत पता होती है की एक एक मिनट की कितनी वैल्यू होती है लेकिन वर्तमान परिवेश में मानव की अनावश्यक व्यस्तता इतनी बढ़ गई है की 24 घंटे भी कम होने लगे हैं। व्यस्तता ही व्यस्तता हो गई है किसी के लिए एक मिनट का समय नहीं है। व्यस्तता ने कई खूनी रिश्ते छीन लिए हैं। रिश्तों को बचाना होगा। आज लोगों के पास सही कार्यों के लिए समय नहीं है जबकि फालतू कार्यों के लिए समय कम पड़ रहा है। इंसान इंटरनेट की नदी में बह रहा है। दूसरे को इग्नोर कर रहा है मतलब हो तो समय ही समय है अगर मतलब नहीं है तो एक मिनट का समय नहीं है। आज लोग इतने व्यस्त हो गए हैं की खाना खाने का समय नहीं है। एक समय था की सबको समय दिया जाता था लेकिन अब तो लोगों के पास एक मिनट का समय नहीं होता है। गैरों के लिए समय ही समय होता है लेकिन अपनों को इग्नोर किया जाता है यह ट्रेंड बढ़ता ही जा रहा है। कुछ लोग तो इंटरनेट को ही सब कुछ मानते हैं पड़ोसी को भी इंटरनेट पर ही सर्च करते हैं। आस पड़ोस का पता नहीं है लेकिन सैकड़ों मित्रों में है पड़ोसी के लिए एक मिनट का समय नहीं होता लेकिन अजनबी से घंटों बातचीत होती है। आज लोग इतने व्यस्त हो गए हैं की समय कम पड़ने लगा है। अपनों के लिए समय ही नहीं होता फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम पर अजनबी लोगों को प्यार दे रहे हैं और ठगे जा रहे हैं अपनों को एक रुपया देने से भी परहेज करते हैं पैसा देने से पहले हजारों बार सोचेंगे। खूनी रिश्तों में सिर्फ एक आवश्यकता है रिश्तों को बचाना चाहिए मुश्किल व मुसीबत में अपने ही काम आते हैं आभासी दुनिया के लोग तमाशा देखते हैं। आभासी दुनिया तो दिखावा है। रिश्तों में मिठास होती थी लेकिन अब लोग आभासी दुनिया को ही सब कुछ मान बैठे हैं। क्या खाया एक सेकंड में वह फोटो फेसबुक पर स्टेटस डाला जाता है। पहले वह सब नहीं था तो रिश्ते मजबूत थे। एक दूसरे के दुःख दर्द में साथ देते थे लेकिन आज औपचारिकता ही निभा रहे हैं रिश्तों में औपचारिकता नहीं होनी चाहिए मन से साथ देना चाहिए ताकि रिश्ते कभी न टूट पाएं और मजबूत बने रहें। अक्सर देखा गया है की आज लोग बाहरी व विदेशी लोगों से मित्रता करना नहीं भूल सकते हैं लेकिन जब लुट जाते हैं तब होश ठिकाने आते हैं। अपना खून अपना ही होता है अपनों को समय दीजिये अपनों को नाराज मत कीजिये आभासी दुनिया चार दिन ही चलती है जबकि रिश्ते उम्रभर चलते हैं। अपनों का साथ दीजिये उनका सहयोग कीजिये तभी रिश्ते बच सकते हैं रिश्तों को तोड़ना आसान है जोड़ना बहुत ही मुश्किल होता है। आज अपनों को गिराया जाता है और गैरों को गले लगाया जाता है। रिश्तों में कड़वाहट आती जा रही है। छोटे-छोटे स्वार्थ से रिश्तों में शत्रुता पैदा हो रही है। रिश्तों में स्वार्थ नहीं होना चाहिए बल्कि स्वार्थ से ऊपर उठकर रिश्तों को निभाना चाहिए। गिले शिकवे खत्म करने चाहिए ताकि रिश्तों में मिठास बनी रहे। व्यस्तता के बावजूद भी रिश्तों के लिए समय दीजिये। व्यस्तता तो कभी खत्म नहीं होगी। खूनी रिश्तों को बचा लीजिये कहीं देर न हो जाये बाद में पछताना पड़ता है।

विशेष

राज ठाकरे भी जाएंगे जेल...

सोलह साल पुराने एक मामले में अदालत ने एमएनएस चीफ राज ठाकरे के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया है। उन पर साल 2008 में शिराला शहर में भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगा था, जिसे लेकर वो एक बार अदालत में पेश भी हुए थे, लेकिन अब अरेस्ट वारंट जारी होने के बाद सियासी गलियारे में चर्चा आम हो चली है कि क्या आम आदमी पार्टी के नेताओं की ही तरह राज ठाकरे को भी जेल में रहने का इंतजाम कर दिया गया है। वैसे यह मामला मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा उत्तर रेलवे मोड़ पर परिवहन निगम की बसों में आगजनी करने से जुड़ा हुआ है। इसलिए अदालती कार्रवाई तो लंबी चलेगी ही।

शहादत का मोल कौन समझेगा

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में कारगिल शहीद सुनील यादव के स्मारक पर योगी सरकार का बुलडोजर चलने को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव का कहना है कि भाजपा अब शहीदों के स्मारक पर भी बुलडोजर चलवा रही है। इससे देश के सैनिकों और देशप्रेमियों के बीच मूक आक्रोश पनप रहा है। अखिलेश का सीधा आरोप है कि देश की आन-बान और शान के लिए अपना जीवन न्योछावर करने वालों की शहादत का मोल भाजपाई कभी नहीं समझ सकते हैं, क्योंकि इतिहास गवाह है कि स्वतंत्रता आंदोलन में जो लोग स्वतंत्रता सेनानियों का साथ देने की बजाय औपनिवेशिक शासकों के साथ खड़े रहे वो बलिदान की कीमत क्या समझेंगे। बात तो सही है, लेकिन भाजपा को इसका जवाब देना भी आता है, इसलिए अखिलेश बाबू इंतजार करिए करारे जवाब का।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1573: अकबर ने गुजरात फतह किया. 1666: लंदन में भीषण आग की शुरूआत हुई और पांच दिन में पूरा शहर तबाह हो गया. 1941: जापान के कुमकन हिरोहुमि इतो का जन्म. 1965: ईंग्लैंड का मानोरी उद्घ समान हुआ. 1977: जापान ने बहुमासिद्ध ... 1926: इटली और यमन में हुआ ... 1945: ... वियतनाम गणराज्य की स्थापना हो ची मिन्ह ने की. 1949: ... ने कोरिया में गृहयुद्ध भड़कने की चेतावनी दी. 1962: सोवियत संघ क्यूबा को हथियार देने पर राजी हुआ. 1970: कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक का उद्घाटन हुआ. 1990: काला सागर में सोवियत की जहाज के डूबने से 79 की मौत एवं 379 अन्य लापता हो गए. 1992: ... अमेरिका ... अपनी जमीन ... नहीं देगा।

दैनिक पंचांग

2 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

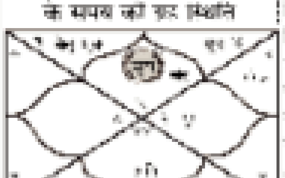

सोमवार 2024 वर्ष का 246 वां दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण तिथि अमावस्या ...
नक्षत्र ... 00.20 ...
योग ... 10.20 ...
करण ... 10.21 ...
चन्द्रायु 24.7 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 46'
सूर्य ...
कलि अहर्गण 1871090
जूलियन दिन 2460555.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972948123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885122
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446
महीना ...
तारीख 28
विशेष ...

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चन्द्र	सिंह में
मंगल	मिथुन में
बुध	[illegible]
गुरु	वृष में
शुक्र	कन्या में
शनि	कुंभ में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ	समय
कन्या	06.[illegible] बजे से
तुला	08.36 बजे से
वृश्चिक	11.12 बजे से
धनु	[illegible] बजे से
मकर	[illegible] बजे से
कुंभ	16.21 बजे से
मीन	18.[illegible] बजे से
मेष	20.26 बजे से
वृष	[illegible] बजे से
मिथुन	03.30 बजे से
कर्क	02.16 बजे से
सिंह	04.22 बजे से

दिन का चौघड़िया / रात का चौघड़िया [illegible]

चौघड़िया मुहूर्त ... www.jagrifinsar.com, Bangalore

सरसों में व्याधि प्रबंध

रोग एवं कीट व्याधियों का प्रबंधन वैसे तो सरसों की फसल पर एक दर्जन से अधिक रोग व कीट हानि पहुंचाते हैं परंतु प्रमुख रोग एवं कीट के नियंत्रण से भरपूर पैदावार की जा सकती है।

पत्ती झुलसन रोग

यह सरसों के झुलसा रोग के नाम से भी जाना जाता है इस रोग के लक्षण पत्तों पर गहरे भूरे गोल-गोल धब्बों के रूप में आते हैं तथा अन्न में कमी के साथ तेल की मात्रा भी कम करते हैं। बचाव हेतु मेन्कोजेब 45 नामक दवा 2.5 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें 2-3 छिड़काव 15 दिन के अंतराल से करें।

श्वेत किट्ट या सफेद फफोला (व्हाइट रस्ट) रोग- शीत ऋतु में जब तापमान कम एवं कोहरा होने पर यह रोग बहुत तेजी से फैलता है इसके लक्षण पत्ती की निचली सतह पर सफेद दही जैसे संरचनाओं जैसे आकार के होते हैं बाद में पुष्प पुंज एवं फलियों पर भी लक्षण दिखाई देते हैं फली अनियमित आकार की टेढ़ी-मेढ़ी केकड़ा जैसी आकृति की हो जाती है नियंत्रण हेतु रिडोमिल एम जेड 72 नामक दवा 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें या 2.5 ग्राम मेन्कोजेब/लीटर पानी का छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर दो बार करें।

चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्ड्यू)

यह रोग तापमान बढ़ने पर अधिक तेजी से फैलता है रोग पत्तियों, तनों व फलियों पर सफेद चूर्ण (पाउडर) जैसे संरचनाओं के रूप में फैलता है। नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक या सल्फेक्स 2 किलोग्राम दवा 800 लीटर पानी में घोल बनाकर/हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना सड़न या पोलियो रोग

एक ही खेत में बार-बार सरसों की फसल बोने से यह रोग बढ़ता है। इसके धब्बे सबसे पहले तने के निचले हिस्से में गोल-गोल आकृति के रूप में आते हैं, बाद में ऊपर तक फैल जाते हैं पौधा कमजोर होकर एवं तना पीला होकर रोगग्रस्त स्थान से टूट जाता है।

नियंत्रण हेतु

फसल चक्र अपनाएं एवं रोगग्रस्त पौधों को एकत्रित कर नष्ट करें गहरी जुताई करें, सरसों घनी न बोएं। बीजोपचार कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम दवा/किलो बीज के हिसाब से करें, तथा 1 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन, 65 दिन एवं 80 दिन की फसल पर छिड़काव करें, 2 प्रतिशत लहसुन का अर्क बीजोपचार एवं छिड़काव दोनों के लिए उपयुक्त एवं रोग को कम करता है।

माहू या चैंपा (एफिड)

इस कीट को लासा के नाम से भी जाना जाता है यह कीट पंख एवं पंख रहित दोनों तरह के हरे, पीले रंग के होते हैं। कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही बढ़ने वाले भागों फूलों कलियों, फलियों आदि का झुण्डों में चिपककर रस चूसते हैं, पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पैदावार एवं तेल की मात्रा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है नियंत्रण हेतु समय पर बोनी करें, प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में कीट प्रभावित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दें डायमिथिएट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 1 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अंतर से दो छिड़काव करें। मधु-मक्खियों की सुरक्षा के लिये कीटनाशकों का प्रयोग दोपहर के बाद करें।

कीट नियंत्रण

रंगीला बग/चितकबरा कीट (पेंटेड बग)- यह सरसों की फसल को यह कीट दो बार नुकसान पहुंचाता है जब पौधे छोटे होते हैं तब और जब फली बनती है तब, कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही रस चूसते हैं जिससे पत्तियों और पौधों पर सफेद धब्बे स्पष्ट दिखाई देते हैं नियंत्रण हेतु पौधों के अवशेषों को नष्ट कर दें मेड़ों को साफ करें, फसल कटने के तुरंत बाद गहरी जुताई करें जिससे प्रकोप कम होगा। डायमिथिएट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 500 मि.ली. दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

रबी फसलों के रोग व उनका नियंत्रण

अ. रोग व उनके नियंत्रण

बीज, बीजांकुर, जड़ एवं पद सड़न रोग- जड़ सड़न में जड़ें काली होकर सड़ जाती है। जबकि पद सड़न में तना भूमि की सतह के पास भूरा होकर सड़ जाता है इस प्रकार पौधे सड़ जाते हैं । रोग नियंत्रण हेतु बीज को मेंकोजेब अथवा थायरम अथवा कार्बेन्डाजिम की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति किलो को उपचारित कर बुवाई करें। खेत में जल भराव न होने दें। जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।

कण्डवा रोग

इस रोग में बालियों में दानों के स्थान पर काला चूर्ण बन जाता है। बाद में रोगजनक के असंख्य बीजाणु (काला चूर्ण) हवा द्वारा फैलते हैं और स्वस्थ बालियों में फूल आते समय उनको संक्रमित करते हैं। नियंत्रण हेतु बीज को कार्बोक्सिन 2 ग्राम प्रति किलो की दर से उपचारित करें तथा नवीन विमोचित गेहूं की किस्मों का उपयोग करें।

गेरुआ या रतुआ रोग

रोगी पौधों पर उभरे हुए चूर्ण युक्त गहरे भूरे या पीले रंग के धब्बे बनते हैं जो बाद में काले हो जाते हैं काली गेरुई के लक्षण तना व पत्तियों दोनों पर बनते हैं।

ब. दलहनी फसलों का उकटा रोग

यह रोग चना, मटर, मसूर, अरहर आदि फसलों में फ्यूजेरियम नामक कवक की विभिन्न प्रजातियों द्वारा होता है। रोगी पौधों की नीचे की पत्तियां पीली हो जाती हैं। जबकि अन्य का रंग हल्का हरा हो जाता है। बाद में सभी पत्तियां पीली होकर पौधा सूख जाता है। रोगी पौधे की पत्तियां मुड़ती नहीं है। रोगग्रस्त पौधों की जड़ या तने को चीरने पर अंदर बीच में लम्बाई में काली धारी दिखाई देती है। रोग का प्रकोप फूल आने पर अधिक होता है। नियंत्रण हेतु बीज को 2 ग्राम/किलो के हिसाब से कार्बेन्डाजिम या कार्बोक्सिन से उपचारित करें। स्फुर युक्त खाद का समुचित उपयोग करें। उपयुक्त फसल चक्र अपनायें व रोग प्रतिरोधक जातियों का चयन करें। जैसे-

चना- जेजी 130, जेजी 11, जेजी 16, विजय, विशाल

मसूर- जेएल 3, के 75, पंत एल 406

मटर- रचना, जेपी 885, अंबिका

अरहर- जेए 4, जेकेएम 189, जेकेएम 7, नरेंद्र 1

स. मटर-मसूर का भुभुती या चूर्ण फफूंदी रोग- इस रोग में पत्तियों, फलियों तथा तनों पर सफेद चूर्ण सा फैलता है। रोगग्रस्त पत्तियों की निचली सतह पर सफेद चूर्ण जैसे छोटे-छोटे धब्बों को देखा जा सकता है। बाद में पत्तियां काली होकर मरने लगती है मटर, मसूर के अलावा यह रोग धनिया आदि में भी आता है। रोग नियंत्रण हेतु खड़ी फसल में घुलनशील गंधक की 1000 ग्राम मात्रा अथवा डायनोकेप या कैराथेन की 300 मिली मात्रा अथवा कार्बेन्डाजिम की 500 ग्राम मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर के मान से छिड़काव करें।

द. सरसों के रोग व उनका नियंत्रण

आल्टरनेरिया पर्णचित्ती/ब्लाइट- रोग के कारण पत्तियों पर भूरे काले रंग के धब्बे बनते हैं जो नम जलवायु में शीघ्र बढ़कर बड़े विक्षत बनकर अंगमारी के लक्षण पैदा करते हैं। धब्बों में केन्द्रीय वलय बन जाते हैं जो रोग का विशेष लक्षण है नम वातावरण एवं वर्षा से रोग बढ़ता है। नियंत्रण हेतु कॉपरयुक्त कवकनाशी (कॉपर ऑक्सीक्लोराइड अथवा कॉपर हाइड्रॉक्साइड) को 2 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

सफेद किट्ट

रोग दो अवस्थाओं में पाया जाता है। स्थानीय लक्षण पत्तियों एवं तनों पर सफेद या मक्खन रंग के उठे हुए चूर्णयुक्त स्फोटों (फफोलों) के रूप में आते हैं। सर्वांगी लक्षण फूलों पर प्रकट होते हैं जिनका प्रत्येक भाग अतिवृद्धि के कारण फूलकर आकार में कई गुना बढ़ जाता है, उनका रंग हरा या हल्का बैंगनी हो जाता है। कभी-कभी पत्तियां भी असामान्य एवं मोटी गूदेदार बहुफल होती है। नम एवं ठंडा जलवायु इस रोग को बढ़ाने में सहायक होती है कभी-कभी यह रोग मृदुरोमिल आसिता के साथ लगता है तब अधिक हानि होती है। रोग नियंत्रण हेतु कॉपर युक्त कवकनाशी अथवा मेंकोजेब को 2 ग्राम मात्राप्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

मृदुरोमिल आसिता

रोग के कारण पत्तियों की ऊपरी सतह पर पीले धब्बे बनते हैं और नीचे की सतह के धब्बे वाले भाग पर बैंगनी रंग की फफूंद उगी दिखाई देती है। रोग का प्रकोप 10-20 डिग्री सेल्सियस तापमान व 90 प्रतिशत आर्द्रता होने पर अधिक उग्र होता है। रोग नियंत्रण हेतु रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट करें व रोग के लक्षण दिखने पर मेंकोजेब 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

इ. गन्ने के रोग व उनका नियंत्रण

लाल सड़न (रेड रॉट)

रोग के लक्षण पत्तियों की मध्यशिराओं और तनों पर दिखाई देते हैं आरंभ में पौधे के ऊपर से तीसरी या चौथी पत्ती किनारों से पीली पड़कर सूखने लगती है और अंत में सूखकर गिर जाती है रोगग्रस्त पौधे को चीरने पर सफेद आड़ी पट्टियां दिखाई देती हैं जो रोग का प्रमुख लक्षण है। अंत में गूदे का रंग मटमैला हो जाता है और उससे दुर्गंध आती है। गठानों पर फफूंद की छोटी काली बिंदियां नजर आती है। नियंत्रण हेतु बीज को कार्बेन्डाजिम या मेंकोजेब से उपचारित करें।

उकठा (विल्ट)

रोग के कारण पौधे की बाढ़ रुक जाती है पत्तियां पीली पड़कर सूखने लगती है। इस रोग से प्रभावित गन्ने का गूदा भी लाल हो जाता है लेकिन लाल सड़न के समान इसमें आड़ी सफेद पट्टियां नहीं बनती। गन्ने खोखले हो जाते हैं। नियंत्रण हेतु बीज को उपचारित कर बोयें व रोग प्रतिरोधक जातियों को लगायें।

कंडवा (स्मट)

रोग का प्रमुख लक्षण गन्ने के सिरे से लम्बी टेढ़ी (चाबुक के समान) काली डंडी निकलती है। पहिले यह डंडी एक झिल्ली से ढकी रहती है जो कि शीघ्र ही फट जाती है और फफूंद के जीवाणु काले पाउडर के रूप में डंडी के ऊपर दिखाई देते हैं हवा के द्वारा ये जीवाणु स्वस्थ पौधे पर आसानी से पहुंच जाते हैं। स्वस्थ पौधों से बीज प्राप्त कर बोनी हेतु उपयोग करें।

संक्षिप्त समाचार

कामडारा के तुरबुल में आयोजित सरकार आपके द्वार कार्यक्रम 2126 आवेदन

गुमला/कामडारा, एजेंसी। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार को राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय तुरबुल स्कूल में शिविर लगाया गया। शिविर में बीडीओ निशा सिर्की, सीओ सुप्रिया एक्का, उपप्रमुख शकुंतला देवी और जेएसएलपीएस के तहत लाभुकों के बीच हॉल चेयर, गर्भवती महिलाओं का गोद भराई रस्म, पेंशन के लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र, मनरेगा मजदूरों को जॉब कार्ड बांटे। शिविर में विभिन्न योजना संबंधी कुल 2126 आवेदन प्राप्त हुये। शिविर में अबुआ आवास के लिए 254, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए 19 आवेदन जमा किये गये। अंचल की ओर से ऑन द स्पॉट जाति, आय आवासीय प्रमाण पत्र निर्गत कर लाभुकों को कैंप में दिया गया। तीन गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई। कई लाभुकों को पेंशन स्वीकृति का प्रमाणपत्र और मनरेगा मजदूरों को जॉब कार्ड कैंप में दिया गया। सीएचसी द्वारा स्वास्थ्य कैंप का आयोजन कर मरीजों के स्वास्थ्य जांच कर दवाईयां बांटी गई। प्रखंड स्तरीय सभी विभागों के अलग-अलग स्टॉल लगा कर लाभुकों को जानकारियां के साथ लाभ दी गई। शिविर के सफल आयोजन में महिला पर्यवेक्षिका पार्वती मुखियार, बीपीआरओ अशोक कुमार, जनसेवक राहुल रस्कर, प्रभारी सीआई प्रकाश कुमार, रोहित सिंह समेत प्रखंड सह अंचल के कर्मियों की भूमिका सक्रिय रही।

घाघरा में झाड़ी में फेंका हुआ नवजात शिशु

घाघरा, एजेंसी। घाघरा थाना क्षेत्र के कॉलेज रोड स्थित अंबाकोना रगीला एक झाड़ी में नवजात को फेंकने का मामला शनिवार को प्रकाश में आया। नवजात शिशु को अंबाकोना रगीला स्थित झाड़ी में फेंक देने से चीटी के काटने से काफी देर तक छटपटा रहा। कॉलेज रोड निवासी दिलकेश्वर उरांव और सरिता देवी के पुत्र मैट्रिक का छात्र सागर उरांव प्रातः सुबह पांच बजे दौड़ने के लिए घर से निकला था इसने नवजात शिशु की रोने की आवाज सुनी, तो पास जाकर देखा तो एक नवजात शिशु झाड़ी में फेंका हुआ है और उसके सिर पर काफी चींटी थे। जिससे वह नवजात शिशु रो रहा था। उसने सभी चींटियों को हटाया और नवजात शिशु को उठाकर अपने घर ले गया। इसके बाद बच्चे को बोतल से दूध पिलाया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ उक्त शिशु को देखने के लिए जुट गई। नवजात शिशु पूरी तरह स्वस्थ दिखा। शिशु को देख ऐसा लग रहा था मानो वह लगभग एक महीने का है। घाघरा कॉलेज मोहल्ला निवासी पुत्र रह कविता कलम के अध्यक्ष दिलकेश्वर उरांव और उसकी पत्नी सविता देवी ने नवजात को गोद लेने की बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि बच्चे का लालन पोषण करेंगे।

स्थायी वार्ता तंत्र की बैठक में आकस्मिक इलाज के लिए रेफर करने की प्रक्रिया सरल करने की मांग

धनबाद, एजेंसी। ईस्टर्न सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के साथ धनबाद मंडल रेल प्रशासन की स्थायी वार्ता तंत्र की बैठक गुरुवार को मंडल रेल प्रबंधक सभागार में हुई. प्रशासनिक पक्ष की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा ने तथा संचालन वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अजीत कुमार ने और यूनियन पक्ष का नेतृत्व ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री मो ज्याउद्दीन ने किया. बैठक के विद्युत विभाग तथा मेडिकल संबंधित समस्याओं को रखा गया. विद्युत विभाग के कर्मचारियों को सेफ्टी शूज, हेलमेट, हैंड ग्लव्स तथा अन्य संरक्षा के उपकरणों की आपूर्ति की मांग की गयी. इसके अलावा धनबाद सहित विभिन्न रेलवे कॉलोनियों तथा यार्ड में पर्याप्त रोशनी के लिए टावर लाइट लगाने, लातेहार में पेयजल आपूर्ति के लिए डीप वेल में ड्रिल पिट व्यवस्था करने, टोरी स्टेशन में नया ट्रांसफॉर्मर लगाने, धनबाद मंडल रेल प्रबंधक भवन के सभी विभागों को वातानुकूलित करने के लिए केन्द्रीय वातानुकूलन प्लांट लगाने, उक्त भवन में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आरओ प्लांट लगाने की मांग यूनियन ने रखी. अपर महामंत्री मो ज्याउद्दीन ने प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक को बताया कि आकस्मिक इलाज के लिए रेलकर्मियों को काफी परेशानियां उठानी पड़ रही हैं.

सफाईकर्मी हड़ताल पर गए तो राजधानी के 53 वार्डों में नहीं उठेगा कूड़ा

रांची, एजेंसी। राजधानी की सफाई व्यवस्था सोमवार से पूरी तरह ठप हो जाएगी। शहर के 53 वार्डों में से किसी भी वार्ड से कूड़े का उठाव नहीं होगा। डोर-टू-डोर से लेकर सड़कों पर फैला कूड़ा भी साफ नहीं होगा। टैंकर से पानी की आपूर्ति सहित फॉगिंग व अन्य कार्य पूरी तरह बंद हो जाएंगे। क्योंकि, रांची नगर निगम के 2300 से अधिक सफाईकर्मी, वार्ड सुपरवाइजर, जोनल सुपरवाइजर, ड्राइवर सहित अन्य कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

दस वर्ष से अधिक समय से अनुबंध पर कार्यरत कर्मचारियों की सेवा नियमित करने, सुपरवाइजर, ट्रांसपोर्ट सुपरवाइजर, ड्राइवर सहित अन्य कर्मचारियों के मानदेय में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने सहित पारिश्रमिक भत्ता बढ़ाने व अन्य मांगों के समर्थन में कर्मचारियों ने आंदोलन करने की घोषणा की है। शनिवार को रांची नगर निगम सफाई मजदूर संघ की बैठक अध्यक्ष दयानंद यादव की अध्यक्षता में हुई। जिसमें सर्वसम्मति से हड़ताल को सफल बनाने का निर्णय लिया गया।

यादव ने कहा कि पिछले पांच वर्षों से सफाई कर्मियों की मांगों को पूरा करने का आश्वासन मिलता रहा है। कोरोना जैसी महामारी के समय जहां लोग घरों में कैद थे, वहां सफाईकर्मी महामारी से लड़ रहे थे। लोगों को बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। इसके बावजूद सफाई कर्मियों की मांगों को पूरा नहीं किया गया। निगम के अधिकारियों को भी मांग पत्र सौंपा गया, लेकिन समाधान नहीं निकला। इसलिए इस बार जब तक मांग पूरी नहीं होती है, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

स्थाई कर्मी सोमवार से करेंगे चरणबद्ध आंदोलन

सफाई कर्मियों के आंदोलन को देखते हुए निगम के स्थाई कर्मचारियों ने भी हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नरेश राम की अध्यक्षता में शनिवार को हुई बैठक में इसकी घोषणा की गई। कर्मचारियों ने कहा कि अनुबंध पर कार्यरत कर्मचारियों को स्थाई करने, अनुकंपा पर आश्रितों को नौकरी देने, चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को प्रोन्नति देते हुए तृतीय वर्ग में बहाल करने आदि को लेकर कई बार मांग पत्र सौंपा गया, लेकिन समाधान नहीं निकला। उन्होंने कहा कि निगम कर्मी सोमवार को निगम भवन में नारेबाजी करेंगे, मंगलवार को काला बिल्ला लगा प्रदर्शन होगा, गुरुवार को मौन व्रत और शुक्रवार को धरना दिया जाएगा। शुक्रवार तक मांग पूरी नहीं हुई तो शनिवार से निगम कार्यालय में काम ठप कराया जाएगा।

नगर निगम के स्थाई कर्मचारी भी अपनी मांगों को लेकर 7 से करेंगे हड़ताल

2.25 लाख घरों से नहीं उठेगा कचरा

600 मीट्रिक टन से अधिक कूड़ा रोजाना निकलता है, पड़ा रहेगा।

1600 किमी से अधिक नालियों की नहीं होगी सफाई, बारिश में नालियां जाम रहेंगी।

2000 किमी लंबी सड़कों की सफाई भी हो जाएगी ठप, सड़कों पर बिखरेगी गंदगी।

50 से अधिक छोटे-बड़े हाट-बाजारों से भी कूड़े का उठाव नहीं होगा।

व्यवस्था सुधारने पर रेलवे खर्च करेगा करोड़ों रुपये

धनबाद, एजेंसी। धनबाद रेल मंडल में अलग-अलग कार्य होने हैं. इसमें मरम्मत कार्य से लेकर सड़क निर्माण कार्य तक शामिल है. इसकी तैयारी की गयी है. गढ़वा के अधीन पहाड़पुर एवं मंधुआ स्टेशन पर कॉलोनी सड़क की मरम्मत के लिए 29 लाख 99 हजार 934 का प्राक्कलन तैयार किया गया है. गोमो के निरीक्षकों के लिए रनिंग रूम के कमिंग पुराने एवं नये भवन का कर्व लॉबी, मुख्य कर्मीदल नियंत्रण कार्यालय, भंडार कक्ष एवं विश्रामालय में नवीनीकरण मरम्मत एवं परिवर्तन होना है. इसके लिए 24 लाख 96 हजार का प्राक्कलन तैयार हुआ है. गोमो के उत्तर दक्षिण साइड में रेलवे अस्पताल की मरम्मत होनी है. इसके लिए 24 लाख 91 हजार का प्राक्कलन तैयार किया गया है. पहाड़पुर-टनकुप्पा एवं मंधुआ में गैंग हट की मरम्मत के लिए 24 लाख 41 हजार, पहाड़पुर में जल बहाव प्रणाली के साथ नाली का सुधार के लिए 24 लाख 96 हजार, कृष्ण शिला में स्टाफ क्वार्टर का सुधार पर 79 लाख 43 हजार, चोपन के अधीन सोन नदी से फिल्टर हाउस चोपन तक वर्तमान पाइपलाइन की जगह नयी पाइपलाइन का काम दो करोड़ 29 लाख, मसकनवा स्टेशन पर आंशिक भाग प्रतीक्षालय, शौचालय का सुधार एवं सहायक कार्य होना है.

केंद्रीय कृषि मंत्री ने की विश्व शांति की कामना

देवघर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सह केंद्रीय कृषि मंत्री सह झारखंड प्रभारी शिवराज सिंह चौहान शनिवार को देवघर पहुंचे। देवघर एयरपोर्ट पर पूर्वाह्न बेला में आगमन के बाद देवघर विधायक नारायण दास, जिला अध्यक्ष सचिन रवानी, महामंत्री संतोष उपाध्याय व अधीर चंद्र भैया ने स्वागत किया। स्वागत के बाद भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने देवघर एयरपोर्ट पर पुष्पगुच्छ व अंग वस्त्र देकर जोरदार स्वागत किया। देवघर एयरपोर्ट से केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, धर्मपत्नी के साथ बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना के लिए बाबा मंदिर के लिए प्रस्थान किया। बाबा बैद्यनाथ मंदिर प्रशासनिक भवन में पुरोहितों की ओर से विधिवत संकल्प कराने के बाद पूजा-अर्चना के लिए बाबा मंदिर गर्भगृह पहुंचे। पुरोहितों ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कराया। बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कर बाबा बैद्यनाथ से विश्व शांति की कामना की। इस क्रम में उनके साथ झारखंड के पूर्व मंत्री राज पलिवार सहित बोकारो विधायक बिरंची नारायण उपस्थित थे। इस अवसर पर अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारी विनोद दत्त द्वारी ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। वहीं उनके साथ भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह संथालपरगना प्रभारी बालमुकुंद सहाय, स्थानीय विधायक नारायण दास, पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता साथ थे। बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना करने के बाद केंद्रीय मंत्री सर्किट हाउस पहुंचे। वहां भी भाजपा के नेता-कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री का स्वागत करने वालों में रीता चौरसिया, राजीव सिंह, सचिन सुल्तानिया, विनय चंद्रवंशी, किरण सिंह, जूनियर बाबूलाल मरांडी, अमृत मिश्रा, विशाखा सिंह, दिलीप सिंह, धनंजय खवाड़े, संतोष पासवान, सुलोचना देवी, चंद्रशेखर खवाड़े, गौतम राय, जयप्रकाश सिंह, पंकज शर्मा, बलराम पोद्दार, विभूति झा, रुपा केसरी, आशीष दुबे, अजीत सिंह, बुधन यादव, मिथिलेश सिन्हा, निरंजन सिन्हा, राजेश मंडल, अशोक राय, पवन कुमार, बबलू कुमार व भारतीय जनता पार्टी के नेता-कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखंड के पारा शिक्षकों को अब हर साल नहीं कराना होगा सेवा सत्यापन और मानदेय बढ़ोतरी, क्या है नया प्रावधान

रांची, एजेंसी। झारखंड के सहायक अध्यापकों (पारा शिक्षक) को अब प्रति वर्ष संतोषप्रद सेवा का सत्यापन नहीं कराना होगा. शिक्षकों को मानदेय बढ़ोतरी के लिए मुखिया व प्रमुख से सेवा सत्यापन कराना होता था. झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी व जिला शिक्षा अधीक्षक को पत्र लिखा है. जिलों को भेजे गये पत्र में कहा गया है कि झारखंड सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2021 के अनुसार, सेवा सत्यापन होने के बाद प्रति वर्ष चार फीसदी मानदेय की वृद्धि होगी. मानदेय बढ़ोतरी के लिए जिलों द्वारा प्रति वर्ष सक्षम प्राधिकार से सेवा सत्यापन का प्रमाण मांगा जाता था.

अब झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा जिलों को भेजे गये पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि वैसे शिक्षक जिनकी सेवा संतोषप्रद होने का सत्यापन एक बार हो चुका है, उनका रिकॉर्ड जिला शिक्षा कार्यालय में रखा जाये. शिक्षक पर अगर एक वर्ष के दौरान कोई कार्रवाई नहीं हुई हो तो उसके सेवा सत्यापन की आवश्यकता नहीं होगी. परियोजना के पत्र के बाद अब शिक्षकों को प्रति वर्ष मानदेय बढ़ोतरी के लिए सेवा संतोषप्रद होने का सत्यापन नहीं करना होगा. इस दौरान शिक्षक पर किसी प्रकार की अनुशासनिक व विधिक कार्रवाई की गयी है, तो सक्षम प्राधिकार से सेवा सत्यापन अनिवार्य होगा. ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में कार्यरत कक्षा एक से पांच के शिक्षकों के सेवा संतोषप्रद होने का सत्यापन मुखिया व कक्षा छह से आठ के शिक्षकों का सत्यापन प्रमुख के स्तर से किया जाता है.

खेल मंत्री ने साल भर पहले धनुष देने का किया था वादा, पर अब तक नहीं मिला

झरिया, एजेंसी। झरिया कोयलांचल से आनेवाली सिमरन कुमारी ने साल 2023 की शुरुआत में भाड़े के धनुष से राष्ट्रीय मिनी तीरंदाजी चैंपियनशिप में गोल्ड पर निशाना साधा था. पिता शिव कुमार भुईंया आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के चलते स्वयं धनुष नहीं खरीद सकते थे. बावजूद सिमरन ने किराये के धनुष से कर दिखाया, जो सुविधा संपन्न प्रतिभागी नहीं कर पाते हैं. बेटी की सफलता से उत्साहित शिव कुमार ने उसी साल रांची में सूबे के खेल मंत्री हफीजुल हसन से मुलाकात कर अपनी दोनों बेटियों के लिए आधुनिक धनुष की व्यवस्था कराने की मांग की. वह टुंडी विधायक मथुरा महतो का सिफारिशी पत्र भी ले गये थे. शिव बताते हैं, 'सिमरन के नेशनल जीतने के बाद दोनों बेटियों के लिए आधुनिक धनुष की मांग को ले मैंने खेल मंत्री को पत्र दिया था. उन्होंने धनुष देने का आश्वासन दिया. उनके अनुशंसा पत्र को खेल निदेशक के पास जमा भी किया. बावजूद आज तक धनुष नहीं मिला. सिमरन और तनीशा आज भी एक ही धनुष से अभ्यास करती हैं.'

शिव कुमार भुईंया दोबारी कोलियरी क्षेत्र की भुईंया बस्ती में रहते हैं. घर के पास ही उनकी छोटी-सी चाय दुकान है. परिवार की आजीविका का मुख्य स्रोत यही दुकान है. घर का खर्च चलाने के बाद इतना पैसा नहीं बचता कि शिव बेटियों के लिए आधुनिक धनुष खरीद सकें. यही वजह है कि जब सिमरन कुमारी (8) व तनीशा (13) को राष्ट्रीय स्पर्धा में जाना था, तो 3000 रुपये किराये पर धनुष लेकर उन्हें चैंपियनशिप में भेजा. प्रतिभावान सिमरन ने अपने पिता का मान रखा. चैंपियनशिप में गोल्ड जीत कर साबित किया कि कड़ी मेहनत और जुनून से अभावों में भी लक्ष्य फतह किया जा सकता है. शिव कुमार कहते हैं कि उनकी दोनों बच्चियों का चयन दिसंबर 2022 में राष्ट्रीय मिनी तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए हुआ था. 2023 में सात जनवरी से 16 जनवरी तक सिलपथार में चैंपियनशिप हुई. सिमरन ने संसाधनों की कमी के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया. सिमरन व तनीशा आज भी उसी जुनून से तैयारी में जुटी हैं.

शिव कुमार ने बताया कि तीरंदाजी के प्रति सिमरन का लगन देख उन्होंने उसे प्रोत्साहित किया. सिमरन को डिगवाडीह स्थित टाटा स्टील फाउंडेशन के आर्चरी फीडर में प्रशिक्षण के लिए ले गये. कोच मो शमशाद ने सिमरन की प्रतिभा देख उसे निःशुल्क प्रशिक्षण देना शुरू किया. शिव कहते हैं कि उनकी बेटी को गरीबी व संसाधन की कमी के कारण कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है. जब दोनों बेटियों ने खेलना शुरू किया था, तब उनके धनुष ले लिए, बाइक बेचनी पड़ी थी. दोनों बहनें उसी धनुष से अभ्यास करती हैं. नेशनल स्तर की प्रतियोगिता के लिए यह धनुष सही नहीं है.

पारसनाथ में रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस को चंद्र प्रकाश चौधरी दिखाएंगे हरी झंडी

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के मधुबन स्थित जैनियों के सबसे बड़े तीर्थस्थलों में एक और आदिवासियों के मरांग बुरु पारसनाथ जाने वालों के लिए खुशखबरी है. यहां आने वाले लोगों को देश की सबसे तेज और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात मिलने जा रही है.

जी हां, वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन अब पारसनाथ स्टेशन पर भी रुकेगी. सोमवार (2 सितंबर 2024) को सुबह साढ़े सात बजे गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी पारसनाथ स्टेशन पर रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को पारसनाथ स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे. यह जानकारी धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने दी है.

ट्रेन संख्या 20887/20888 रांची-वाराणसी-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस का पारसनाथ स्टेशन पर 2 सितंबर से ठहराव होगा. रांची-वाराणसी वंदे भारत ट्रेन का पारसनाथ स्टेशन पर आगमन सुबह 7:55 बजे होगा. यह ट्रेन यहां से 7:57 बजे प्रस्थान करेगी.

वहीं, वाराणसी-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का पारसनाथ स्टेशन पर आगमन रात को 8:50 बजे होगा एवं यहां से यह ट्रेन रात के 8:52 बजे प्रस्थान करेगी. गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी 2 सितंबर को पारसनाथ स्टेशन पर रांची-वाराणसी वंदे भारत ट्रेन के ठहराव का उद्घाटन करेंगे.

गिरिडीह लोकसभा के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी और झारखंड के भाजपा प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को चिट्ठी लिखी थी. इसमें मांग की गई थी कि रांची-वाराणसी-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव पारसनाथ स्टेशन पर दिया जाए. सांसदों की मांग पर रेलवे ने इसकी मंजूरी दे दी.

इंटर स्कूल क्विज में डीएवी कोयला नगर रहा अव्वल

धनबाद, एजेंसी। धनबाद पब्लिक स्कूल, हीरक ब्रांच में शनिवार को इंटर स्कूल क्विज 'माइंड मास्टर्स' का आयोजन किया गया. इसमें 29 स्कूल के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. दो भागों में विभाजित क्विज के पहले प्रीलिम्स में 11 स्कूल के छात्रों ने भाग लिया तथा दूसरे में 12 स्कूल की टीम ने हिस्सा लिया. प्रत्येक प्रीलिम्स में चार राउंड हुए, जिसमें से कुल 14 स्कूल की टीम आगे फाइनल तक पहुंची. इस प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल, कोयला नगर की टीम प्रथम, बड़ील गार्डन स्कूल, सरायढेला की टीम द्वितीय और किड्स गार्डन सेकेंडरी स्कूल, झरिया की टीम तृतीय स्थान पर रही.

तीनों विजेता टीमों और सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिया गया. स्कूल के अध्यक्ष प्रभात डोकानिया, सचिव आलोक चौधरी और कोषाध्यक्ष संजय लोधा ने विजेताओं को सम्मानित किया. प्राचार्या पूर्णिमा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया.

इस प्रतियोगिता में डीएस पब्लिक स्कूल पुटकी, इंडियन स्कूल ऑफ लर्निंग, जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, डीएवी कोयला नगर, राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, विवेकानंद विद्यालय, धनबाद पब्लिक स्कूल (केजी आश्रम), सबैजेला पब्लिक स्कूल, सिटी स्कूल, डीएवी कुसुंडा, द्वारिका मेमोरियल फाउंडेशन एकेडमी, महर्षि मेंही विद्यापीठ, मोंटफोर्ट एकेडमी, बालिका विद्या मंदिर, डिवाइन स्कूल ऑफ लर्निंग, अपर्णा पब्लिक स्कूल, सेंट जेवियर इंटरनेशनल स्कूल, धनबाद पब्लिक स्कूल, हीरक ब्रांच, डीएवी सीएफआरआइ, टाटा डीएवी स्कूल जामाडोबा शामिल हुए.

जीवित रहना है, तो खुद को बदलते रहना होगा : डॉ संदीप

रांची, एजेंसी। गुरु नानक कॉलेज में बीबीए विभाग की ओर से शनिवार को गुरु नानक देव लेक्चर सीरीज के तहत 'ऑपरेशनल स्ट्रेटेजिस फॉर न्यू बिजनेस' विषय पर एकदिवसीय व्याख्यान हुआ. इसमें आइआइटी आइएसएम के प्रोफेसर डॉ संदीप मंडल ने अपने विचार व्यक्त किया. उन्होंने अपने वक्तव्य में स्ट्रेटेजिक फॉर्मूलेशन के महत्व पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने बताया कि तेजी से बदलती हुई दुनिया (डायनेमिक एनवायरनमेंट) में अगर सबको जीवित रहना है, तो अपने आप को बदलते रहना होगा. कार्यक्रम की शुरुआत कॉमर्स विभाग के एचओडी प्रोफेसर संतोष कुमार के स्वागत भाषण दिया.

मंच का संचालन स्नेहा गोस्वामी ने किया. धन्यवाद ज्ञापन बीबीए कोऑर्डिनेटर, प्रोफेसर संजय सिन्हा द्वारा किया गया. इस कार्यक्रम में प्रो अमरजीत सिंह, डॉ रंजना दास, प्रोफेसर दीपक कुमार, डॉ मीनाक्षी तिवारी, डॉ नीता ओझा, प्रो सोनू प्रसाद यादव, डॉ रवि सिंह, प्रोफेसर साधना के अलावा अन्य शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मी मौजूद थे.

गुरु नानक कॉलेज के बैंकमोड़ परिसर में हर वर्ष की भांति बीबीए विभाग द्वारा शिक्षक-अभिभावक मिलन का आयोजन किया गया. मौके पर कॉलेज के महिला विंग की प्रो-इंचार्ज डॉ रंजना दास, कोऑर्डिनेटर प्रो पुष्पा तिवारी, विभाग से प्रो उदय सिन्हा, प्रो प्रियंका, प्रो सोनी, प्रो शिल्पा, प्रो चंदन व प्रो कौशिक ने अभिभावकों से बात-चीत करते हुए उनके बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिये.

गुमला के बसिया में एटीएम काट कर 25 लाख की चोरी,

गुमला, एजेंसी। गुमला के बसिया प्रखंड के कोनबीर में स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम से 25 लाख रुपये की चोरी कर ली गयी. चोरों ने गैस कटर मशीन से एटीएम मशीन को काटकर घटना को अंजाम दिया. इसके बाद उसमें आग लगा दी. हालांकि वे उस पैसे को लेकर भागने में असफल रहे. सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है. जानकारी के अनुसार चोरों ने पहले बसिया प्रखंड निवासी संजय चौधरी के मालवाहक ट्रक की चोरी की. इसके बाद उसी ट्रक से कोनबीर स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम आये और 25 लाख रुपये की चोरी कर ली. फिर उसी ट्रक से सभी लोग फरार हो गये. इस दौरान चोरी की गयी ट्रक कामडारा प्रखंड के बकरटोली मोड़ के पास शॉर्ट सर्किट हो गयी और स्टार्ट बंद गया. पकड़े जाने के डर से सभी लोग चोरी के पैसे को उसी ट्रक में छोड़कर फरार गये. रविवार की सुबह जब लोगों ने एटीएम का ताला टूटा हुआ देखा तो इसकी सूचना बसिया थाने को दी गई. घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ नजीर अख्तर, थाना प्रभारी सुनील रविदास दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

यूपी, बिहार, झारखंड के अलावा दक्षिण भारत में इस नाम से मनाई जाती है हरतालिका तीज

रांची, एजेंसी। हरतालिका तीज एक हर्षोल्लासपूर्ण और जीवंत भारतीय त्योहार है जिसे देश के विभिन्न भागों में विवाहित महिलाएं बड़े उत्साह के साथ मनाती हैं. हरतालिका तीज का उत्सव एक असाधारण अवसर के रूप में माना जाता है, खासकर उत्तर भारत में. इस दिन महिलाएं व्रत रखती हैं और पारंपरिक कपड़े पहनती हैं, तथा अपने हाथों और पैरों में मेहंदी लगाती हैं.

खासकर, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में जबकि तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में इसे गौरी हब्बा कहा जाता है. यह शुभ अवसर भगवान शिव और देवी पार्वती के बीच भक्ति और प्रेम को समर्पित है.

गौरी हब्बा पर्व एक हिन्दू त्योहार है. गणेश चतुर्थी के ठीक एक दिन पहले यह त्योहार कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में मनाया जाता है.

हरतालिका तीज का इतिहास प्राचीन भारतीय पौराणिक कथाओं में निहित है. «हरतालिका» शब्द दो संस्कृत शब्दों का संयोजन है. «हरत» का अर्थ है अपहरण और «आलिका» का अर्थ है महिला मित्र. यह त्योहार देवी पार्वती और भगवान शिव के पुनर्मिलन का स्मरण कराता है, जो पार्वती की महिला मित्र द्वारा उनके प्रियतम से मिलन में मदद करने के प्रयासों के बाद मनाया जाता है.

पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवी पार्वती ने भगवान शिव से विवाह करने के लिए गंगा नदी के तट पर कठिन तपस्या की थी. हालांकि, जब शिवजी ने पार्वती जी को इस अवस्था में देखा, तो उनके पिता हिमालय ने उनका विवाह भगवान विष्णु से करने का निर्णय लिया.

देवी पार्वती ने अपनी पीड़ा अपनी सहेली को बताई, बाद में उसने उसका साथ देने का फैसला किया और उसका अपहरण कर लिया. वह उसे घने जंगल में ले गई, जहां मां पार्वती तब तक अपनी साधना कर सकती थीं जब तक कि भगवान शिव को देवी की प्रतिबद्धता के बारे में पता नहीं चल गया और वे उनसे विवाह के लिए सहमत नहीं हो गए. उस समय से, हरतालिका तीज महिलाओं द्वारा जीवनसाथी पाने के लिए मनाई जाती है.

शेयर मार्केट में अगले हफ्ते कमाई का मौका, 6 आईपीओ खुलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में निवेश करने वालों के लिए अगले हफ्ते फिर से कई आईपीओ खुलने जा रहे हैं। अगले हफ्ते 6 आईपीओ खुलेंगे। वहीं 11 की लिस्टिंग भी होगी। अगर आप शेयर मार्केट में निवेश करते हैं तो आपको अगले हफ्ते से कमाई का एक शानदार मौका मिलने जा रहा है। हाल ही में आए कई कंपनियों के आईपीओ ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। हालांकि सभी आईपीओ अच्छा रिटर्न दें, यह मुश्किल होता है। अगले हफ्ते एक मेन बोर्ड और 5 एसएमई बोर्ड के आईपीओ खुलेंगे। अगर आप शेयर मार्केट में निवेश करते हैं तो इन आईपीओ को बुक करा सकते हैं।

इन आईपीओ में निवेश का मौका

1. गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड : इस कंपनी का आईपीओ कल यानी सोमवार से खुलेगा। निवेशक 4 सितंबर तक इसके लिए बोली लगा सकेंगे। मेन बोर्ड के इस आईपीओ का इश्यू साइज 168 करोड़ रुपये है। इसका प्राइस बैंड 503 से 529 रुपये के बीच है। एक लॉट में 28 शेयर हैं जिसके लिए 14,812 रुपये निवेश करने होंगे। लिस्टिंग 9 सितंबर को होगी।

2. जेकाम ग्लोबल फूड्स लिमिटेड : यह एसएमई बोर्ड का आईपीओ है। इसका इश्यू साइज करीब 82 करोड़ रुपये है। इस आईपीओ के लिए कल यानी सोमवार से बोली लगा सकेंगे। आखिरी तारीख 4 सितंबर है। इसका प्राइस बैंड 59 से 61 रुपये के बीच है। एक लॉट में 2 हजार शेयर हैं, जिसके लिए 1.22 लाख रुपये निवेश करने होंगे। लिस्टिंग 9 सितंबर को होगी।

3. नेचरविंग्स हॉलीडेज लिमिटेड: यह भी एसएमई बोर्ड का आईपीओ है। इसके लिए लिए 3 से 5 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे। इस आईपीओ का इश्यू साइज 7 करोड़ रुपये है। इसके एक शेयर की कीमत 74 रुपये रखी गई है। एक लॉट में 1600 शेयर हैं, जिसके लिए 1,18,400 रुपये निवेश करने होंगे। लिस्टिंग 10 सितंबर को होगी।

4. मैक कॉन्फ्रेंस एंड इवेंट्स लिमिटेड : एसएमई बोर्ड के इस आईपीओ का इश्यू साइज 125.28 करोड़ रुपये है। यह आईपीओ 4 सितंबर को खुलेगा। आखिरी तारीख 6 सितंबर है। इसका प्राइस बैंड 214 से 225 रुपये के बीच है। एक लॉट में 600 शेयर हैं। इसके लिए 1.35 लाख रुपये निवेश करने होंगे। इसकी लिस्टिंग 11 सितंबर को होगी।

5. नमो ईवेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड : 51.20 करोड़ रुपये के इश्यू साइज वाला यह भी एसएमई बोर्ड का आईपीओ है। इस आईपीओ में 4 से 6 सितंबर तक बोली लगाने का मौका मिलेगा। इसका प्राइस बैंड 80 से 85 रुपये है। एक लॉट में 1600 शेयर हैं। इसके लिए 1.36 लाख रुपये निवेश करने होंगे। इसकी लिस्टिंग 11 सितंबर को होगी।

6. माई मुद्रा फिनकॉर्प लिमिटेड : इस आईपीओ का इश्यू साइज 33.26 करोड़ रुपये है। एसएमई बोर्ड के इस आईपीओ में निवेशक 5 सितंबर से 9 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे। इसका प्राइस बैंड 104 रुपये से 110 रुपये के बीच रखा गया है। एक लॉट में 1200 शेयर हैं। इसके लिए 1.32 लाख रुपये निवेश करने होंगे। इसकी लिस्टिंग 12 सितंबर को होगी।

इन आईपीओ की होगी लिस्टिंग

अगले हफ्ते प्रीमियर एनर्जीज और इकोस मोबिलिटी सहित 11 आईपीओ की लिस्टिंग होगी। इनमें से कई आईपीओ में निवेशकों का अच्छा रिस्पॉन्स देखने को मिला है। विश्लेषकों का अनुमान है कि अनुकूल बाजार स्थितियों के कारण साल के बाकी समय में प्राइमरी मार्केट काफी जोश में रहेगा।

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी सिलेंडर के नए रेट आज 1 सितंबर को जारी हो गए हैं। दिल्ली से लेकर पटना और अहमदाबाद से लेकर अगरतला तक एलपीजी गैस सिलेंडर महंगा हुआ है। हालांकि, गैस सिलेंडर के दाम में यह बढ़ोतरी 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट में हुई है। दिल्ली में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट 39 रुपये बढ़कर 1691.50 रुपये का हो गया है। पहले यह 1652.50 रुपये का था। वहीं, आज एक सितंबर से 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर कोलकाता में 1802.50 रुपये का हो गया है। पहले यहां 1764.50 रुपये का था। मुंबई में अब यह नीला सिलेंडर 1644 रुपये का हो गया है। पहले यह 1605 रुपये का था। जबकि चेन्नई में यह 1855 रुपये का हो गया है, जो अगस्त में 1817 रुपये में मिल रहा था। ये इंडियन ऑयल के इंडेन एलपीजी सिलेंडर के हैं। दिल्ली में 14.2 किलो वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर अपने पुराने रेट 803 रुपये में ही मिल रहा है। कोलकाता में यह 829 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये में मिल रहा है। आज चेन्नई में भी घरेलू सिलेंडर अगस्त वाले रेट 818.50 रुपये में ही मिल रहा है। पिछले साल 1 सितंबर को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 903 रुपये थी। अभी यह केवल 803 रुपये में मिल रहा है। सितंबर 2022 में दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम नहीं बदले थे। दिल्ली में यह 1053 रुपये, कोलकाता में 1079.00 रुपये, चेन्नई में 1052.50 और मुंबई में 1068.50 रुपये 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर मिल रहे थे। हालांकि एक सितंबर 2021 को दिल्ली के उपभोक्ताओं सिलेंडर 25 रुपये महंगा होकर 884.50 रुपये में मिला। इससे पहले एक सितंबर 2020 को यह 594 रुपये में बिक रहा था। सितंबर 2019 को यही सिलेंडर 590 रुपये का था। जबकि, 2018 में इसकी कीमत 820 रुपये थी। सितंबर 2017 में 599 रुपये और 2016 में सबसे कम 466.50 रुपये का था।

मुकेश अंबानी की जियो चुपचाप बन गई देसी गूगल और किसी को खबर तक नहीं!

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी ने साफ कर दिया है कि रिलायंस समूह का कारोबार सिर्फ पेट्रोकेमिकल या एनर्जी तक सीमित नहीं रहने वाला है। अलबत्ता, यह गूगल और एप्पल जैसी दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनियों की बादशाहत को चुनौती देने को तैयार है। अंबानी की कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे सेक्टरों में पूरी ताकत झोंकने वाली है। यह चुपचाप भारत में गूगल के समानांतर खड़ी हो रही है। इसके संकेत रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 47वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में मिले। इस बैठक में मुकेश अंबानी ने कई बड़े ऐलानों की बौछार कर दी। उन्होंने कहा कि जियो यूजर्स को दिवाली पर नए जियो वेलकम ऑफर में 100जीबी तक मुफ्त क्लाउड स्टोरेज मिलेगा। इसका मतलब है कि अब यूजर्स को ज्यादा स्टोरेज वाले महंगे स्मार्टफोन खरीदने की जरूरत नहीं होगी। वे अपने सारे डेटा - फोटो, वीडियो, डॉक्यूमेंट - मुफ्त में क्लाउड पर स्टोर कर सकेंगे। यह कदम स्मार्टफोन बाजार में भूचाल ला सकता है। आमतौर पर, स्टोरेज क्षमता बढ़ने पर स्मार्टफोन की कीमत भी बढ़ जाती है।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम से लाख गुना बेहतर हो सकती थी एनपीएस

नई दिल्ली। सरकार ने हाल ही में यूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस) नामकी एक नई स्कीम की घोषणा की है, जो केवल सरकारी कर्मचारियों के लिए बने नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) का एक संशोधन है। इस नई स्कीम के इर्द-गिर्द उतर शब्दाडंबर के बादल हटा दिए जाएं, तो ये सरकारी कर्मचारियों की रिटायरमेंट पेंशन में गारंटी को वापस ले आया है। सैद्धांतिक स्तर पर, ये नई गारंटीकृत पेंशन वैकल्पिक है और कर्मचारी एनपीएस को भी चुन सकते हैं। मगर व्यावहारिक नजरिए से देखें तो सरकारी कर्मचारियों के लिए एनपीएस का अंत हो चुका है।

ये एक सरल सत्य है। अगर नेशनल पेंशन सिस्टम को 2004 से ही उसी भावना से लागू किया गया होता, जिस भावना से इसे डिजाइन किया गया था तो 2004 से पहले के सरकारी कर्मचारी (जो अभी भी पुराने सिस्टम पर हैं) एनपीएस में ट्रांसफर पाने के लिए आंदोलन कर रहे होते। क्यों? उन्हें अब तक, समझ आ गया होता कि एनपीएस पुराने पेंशन सिस्टम की तुलना में आसानी से 300-400 प्रतिशत ज्यादा पेंशन देगा!

अभी अवधारणा में एनपीएस शानदार ढंग से काम करता है। मगर सिर्फ और सिर्फ तब, जब धन का एक बड़ा हिस्सा इक्विटी में निवेश किया गया हो। दूसरे शब्दों में, अगर भारतीय अर्थव्यवस्था की भारी बढ़ोतरी को शेयर बाजारों के जरिये एनपीएस और फिर पेंशन में डाला जाता, तो पेंशन कहीं.. कहीं ज्यादा होती। 2004 में, जब नए सरकारी कर्मचारियों को एनपीएस में शामिल किया गया था, तब सेंसेक्स पांच हजार अंक के करीब था। आज, ये 80 हजार अंक के आसपास पर है। मगर पेंशन के मामले में ये सब व्यर्थ और बेकार रहा।

ये दो तरह से बेकार रहा। सबसे पहले, 2004 से 2009 तक एनपीएस के इक्विटी निवेश वाले हिस्से पर बिल्कुल अमल नहीं किया गया। पैसा सामान्य सरकारी प्रतिभूतियों के रेट पर ही पड़ा रहा। फिर, उसके बाद, अधिकतम इक्विटी एक्सपोजर को डिफाल्ट के तौर पर हास्यास्पद रूप से 15 प्रतिशत पर रखा गया। इक्विटी को लेकर इस बेबुनियाद मगर संस्थागत भय ने एनपीएस के किसी भी फायदे के मौके को खत्म कर दिया। मुझे यकीन है कि अभी भी कुछ सरकारी कर्मचारी हैं, चाहे कितने भी कम हों, जो ये सब समझते हैं, उनके लिए एनपीएस मुनाफा पाने का एक सरल विकल्प है जो उन्हें यूपीएस की तुलना में बहुत ज्यादा पेंशन दिलाएगा। एक बार जब आपका पैसा एनपीएस में लगा दिया जाता है, तो आप सीधे सीआरए वेबसाइट पर अपने खाते तक पहुंच सकते हैं और सबसे ज्यादा इक्विटी वाला विकल्प चुन सकते हैं। आदर्श रूप से, ये कम से कम 50 साल की उम्र तक किया जाना चाहिए और आदर्श तौर पर, ये डिफाल्ट विकल्प होना चाहिए था।

अगर कोई इस बात के बुनियादी कारणों का विश्लेषण करता है कि ये सब क्यों हुआ, तो मौजूदा राजनीति की दशा और सरकारी कर्मचारियों की मानसिकता को भी इसका दोष मिलना चाहिए। हालांकि, जो हो गया सो हो गया, अब इतिहास के इन वैकल्पिक परिदृश्य को पढ़ने का कोई मतलब नहीं है।

5 टुकड़ों में बंटने जा रहा है मालामाल करने वाला शेयर

बोडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड कंपनी के पास 575 करोड़ रुपये का सोलर प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। बोडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों का 5 हिस्सों बंटवारा होने जा रहा है। शेयर बाजार में कंपनी एक्स-स्प्लिट स्टॉक के तौर पर ट्रेड करने जा रही है। बता दें, शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन शानदार रहा है।

शेयर बाजारों को दी जानकारी में कंपनी ने बताया था कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये हो जाएगी। बता दें, बोडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड ने पहले ही बताया था कि इस स्टॉक स्प्लिट के लिए 2 सितंबर 2024 को रिकॉर्ड डेट तय की गई है।

कंपनी जुलाई के महीने में ही एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड किया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.15 रुपये का डिविडेंड दिया था। पिछले हफ्ते 26 अगस्त को कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया था कि उन्हें 575 करोड़ रुपये का काम मिला है। कंपनी का यह काम महाराष्ट्र में मिला है। बता दें, यह एक सोलर प्रोजेक्ट है।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा

शुक्रवार को बोडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 3444.95 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 2100 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। 6 महीने से स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 276 प्रतिशत का लाभ मिला है। 3 महीने में बोडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयरों का भाव 101 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, एक महीने में इस स्टॉक की कीमतों में 19 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

सिर्फ 13 हजार रुपये से शुरू किया था काम, आज 7200 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। आरजी चंद्रमोगन कभी ठेले पर कुल्फी बेचते थे। आज वह 7,200 करोड़ रुपये के कारोबार के मालिक हैं। करीब 75 साल के चंद्रमोगन ने 1970 में आइसक्रीम बेचने का छोटा सा काम शुरू किया था। अब वह दक्षिण भारत के बड़े उद्योगपतियों में से एक हैं। उनकी कंपनी हटसन एग्रो प्रोडक्ट देश की सबसे बड़ी निजी डेयरी कंपनियों में से एक है। यह कहानी जहां चाह वहां राह की कहावत को सच करती है। आरजी चंद्रमोगन ने यह साबित किया है कि काम छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि सोच छोटी या बड़ी होती है। उन्होंने कड़ी मेहनत और लगन से अपनी जिंदगी बदल दी। वह लाखों लोगों के लिए प्रेरणा हैं। आइए, यहां उनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

तमिलनाडु में विरुधुनगर जिले के तिरुथंगल शहर में जन्मे चंद्रमोगन को कम उम्र में ही चुनौतियों का सामना करना पड़ा। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें स्कूल की पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ गई। यह और बात है कि चंद्रमोगन ने हार नहीं मानी। 1970 में 21 साल के चंद्रमोगन ने चेन्नई के रोयापुरम में 250 वर्ग फीट की एक जगह किराये पर ली। तीन कर्मचारियों के साथ अपनी आइसक्रीम कंपनी बनाई।

चंद्रमोगन का सपना बड़ा था। 1986 में उन्होंने कंपनी का नाम बदलकर हटसन एग्रो प्रोडक्ट कर दिया। यह रीब्रांडिंग कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। हटसन ने अरोक्या और कोमाथा जैसे लोकप्रिय ब्रांडों के तहत मिल्क प्रोडक्टों का उत्पादन शुरू किया। तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गोवा के बाजारों में अपनी पैठ बनाई। कुछ साल पहले प्रीमियम आइसक्रीम ब्रांड इबाको की लॉन्चिंग ने बाजार के बदलते ट्रेंड और उपभोक्ताओं की पसंद के हिसाब से खुद को ढालने की चंद्रमोगन की क्षमता को प्रदर्शित किया।

आज करोड़ों रुपये का साम्राज्य

जैसे-जैसे हटसन एग्रो का बिजनेस बढ़ा, वैसे-वैसे इसके कर्मचारियों की संख्या में भी इजाफा हुआ। आज कंपनी में 8,000 लोग काम करते हैं। यह चंद्रमोगन के दूरदर्शी नेतृत्व और व्यावसायिक कौशल का प्रमाण है। कंपनी के पास अब 1,000 से ज्यादा स्पेशलाइज्ड अरुण आइसक्रीम पार्लर हैं। इनकी तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अरुण आइसक्रीम ने 2023 में 7,200 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

चंद्रमोगन ने अपने करियर की शुरुआत एक लकड़ी डिपो में नौकरी से की थी। उनकी सैलरी सिर्फ 65 रुपये महीना थी। हालांकि, उनका मन नौकरी में नहीं लगा। वह अपना खुद का बिजनेस शुरू करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने एक साल बाद ही नौकरी छोड़ दी थी। चंद्रमोगन ने सिर्फ 13,000 रुपये से शुरुआत की थी जो उन्हें उनके परिवार से मिले थे। अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए, उन्होंने शुरुआत में गांवों में ठेला गाड़ियों से आइसक्रीम बेची। शुरुआती दिनों में उन्होंने ग्रामीण इलाकों को अपना टारगेट बनाया। वे ठेला गाड़ियों के जरिये गांवों में जाकर आइसक्रीम बेचते थे।

उधार पर जिंदगी...भारतीयों ने जुलाई में क्रेडिट कार्ड से खर्च कर डाले 1.7 लाख करोड़ रुपये, तोड़ दिया पिछला रेकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड से खर्च के मामले में भारतीय यूजर्स नया रेकॉर्ड बना रहे हैं। जुलाई महीने में लोगों ने क्रेडिट कार्ड से लाखों करोड़ रुपये खर्च कर डाले। इस मामले में इन लोगों ने पिछले साल का रेकॉर्ड तोड़ दिया। एसबीआई सिक्योरिटीज की तरफ से जारी एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रेडिट कार्ड होल्डर ने इस साल जुलाई में क्रेडिट कार्ड से 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह रकम पिछले साल के समान महीने की तुलना में 19 फीसदी ज्यादा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि यह वृद्धि ट्रांजेक्शन के लिए क्रेडिट कार्ड पर बढ़ती निर्भरता को बताती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लोगों ने क्रेडिट कार्ड से जुलाई में कितनी बार ट्रांजेक्शन किया। इसके मुताबिक जुलाई में कुल 38.4 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए। यह संख्या भी पिछले साल के समान महीने के मुकाबले 39 फीसदी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि लोग ट्रांजेक्शन के लिए क्रेडिट कार्ड पर भी यूपीआई की तरह भरोसा जता रहे हैं।

खर्च के मामले में भी एचडीएफसी आगे

ट्रांजेक्शन के अलावा क्रेडिट कार्ड से खर्च के मामले में भी एचडीएफसी बैंक आगे रहा। जुलाई में एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड यूजर्स ने कुल 44,369 करोड़ रुपये खर्च किए। 34,566 करोड़ रुपये खर्च के साथ आईसीआईसीआई बैंक दूसरे स्थान पर और 26,878 करोड़ रुपये खर्च के साथ एसबीआई तीसरे स्थान पर रहा।

एटीवी में हुई बढ़ोतरी

जुलाई में औसत लेनदेन मूल्य में भी महीने-दर-महीने 1.4 फीसदी की मामूली वृद्धि देखी गई। यह दस महीनों में एटीवी में पहली वृद्धि है, जो उपभोक्ता व्यवहार में हाई वैल्यू वाले ट्रांजेक्शन के प्रति बदलाव का सुझाव देता है। ये आंकड़े बताते हैं कि भारत में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल काफी तेजी से हो रहा है।

ट्रांजेक्शन के मामले में यह बैंक बना नंबर वन

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ट्रांजेक्शन के मामले में एचडीएफसी बैंक सबसे आगे रहा। इस बैंक के क्रेडिट कार्ड धारकों ने जुलाई में सबसे ज्यादा ट्रांजेक्शन किए। ट्रांजेक्शन की यह संख्या 9.9 करोड़ रही जो किसी भी दूसरे बैंक के क्रेडिट कार्ड के ट्रांजेक्शन के मुकाबले कहीं ज्यादा है। 7.1 करोड़ ट्रांजेक्शन के साथ आईसीआईसीआई बैंक दूसरे नंबर पर और 6.3 करोड़ ट्रांजेक्शन के साथ एसबीआई बैंक तीसरे नंबर पर रहा।

आसमान पर रहा है विस्तारा का राज, लेकिन प्रॉफिट से रही कोसों दूर

नई दिल्ली, एजेंसी। विस्तारा एयरलाइंस 12 नवंबर से अपनी सेवाएं बंद कर रही है। 11 नवंबर को इस एयरलाइंस के हवाई जहाज आखिरी बार आसमान में उड़ान भरेंगे। वहीं विस्तारा 3 सितंबर से टिकट बुकिंग बंद कर रही है। दरअसल, एयर इंडिया और विस्तारा एयरलाइन का मर्जर होने जा रहा है। विस्तारा एयरलाइन के जहाज 12 नवंबर से एयर इंडिया का हिस्सा हो जाएंगे। इसके बाद आप एयर इंडिया के प्लेटफॉर्म के जरिए ही इसकी टिकट बुक करा सकेंगे। विस्तारा एयरलाइंस के बंद का कारण यह अचानक नहीं रहा है। इसके पीछे कई कारण छिपे हैं।

साल 2015 में हुई शुरुआत

विस्तारा की ऑफिशियल शुरुआत साल 2015 में हुई थी। लेकिन प्रयास इससे करीब 20 साल पहले से हो रहे थे। साल 1994 की बात है। टाटा ग्रुप और सिंगापुर एयरलाइंस ने मिलकर भारत में एक एयरलाइन शुरू करने का प्रयास किया। लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके 6 साल बाद यानी 2000 में इन्होंने एयर इंडिया में हिस्सेदारी लेकर फिर से एविएशन सेक्टर में उतरने की कोशिश की, लेकिन फिर से फेल हो गए। आखिर में साल 2015 में इनकी कोशिश रंग लाई। जनवरी 2015 में विस्तारा ने उड़ान सेवा शुरू की। कंपनी ने अपनी पहली उड़ान दिल्ली से मुंबई के बीच 9 जनवरी 2015 को भरी थी। 12 नवंबर को विस्तारा का 3595 दिन का सफर खत्म हो जाएगा। विमानों के जमीन पर उतरने के बाद विस्तारा एयर सहारा और एयर डेक्कन जैसी कंपनियों में शामिल हो जाएगी। बता दें कि एयर सहारा का विलय जेट एयरवेज के साथ और एयर डेक्कन का विलय किंगफिशर एयरलाइंस के साथ हुआ था। हालांकि बाद में जेट एयरवेज और किंगफिशर, दोनों ही एयरलाइंस कंपनी बंद हो गईं। इनके विमान जमीन पर हैं।

किंगफिशर से होती थी तुलना

एक समय विस्तारा के सफर को यात्रियों द्वारा काफी पसंद किया जाता था। इसकी तुलना किंगफिशर से होती थी, क्योंकि यह उड़ान के दौरान यात्रियों को कई तरह की सुविधाएं देती थी। विस्तारा ने अपने बेड़े में बी737 जैसे बड़े जहाजों को शामिल कर कुल प्रॉफिट कमाया और इंटरनेशनल उड़ानें भरीं। एयरलाइन के बेड़े में बी क्लास, डबल क्लास और मोना क्लास के विमान थे, जो किसी भी एयरलाइन के लिए दुर्लभ हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूएस ओपनः

44 की उम्र में भी रोहन बोपन्ना का कोई जवाब नहीं, यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पक्की की जगह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के रोहन बोपन्ना और उनकी इंडोनेशियाई जोड़ीदार अल्दिला सुत्जियादी ने यूएस ओपन मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। पहले सेट में एकतरफा हार मिलने के बाद शानदार वापसी करते हुए इस जोड़ी ने प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले को अपने नाम किया बोपन्ना और सुत्जियादी की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने एक घंटे 15 मिनट तक चले दूसरे दौर के मैच में ऑस्ट्रेलिया के जॉन पीयर्स और चेक गणराज्य की कतेरीना सिनियाकोवा को 0-6, 7-6, 10-7 से हराया।

चौथी वरीयता वाली जोड़ी से मुकाबला 44 साल के रोहन बोपन्ना और सुत्जियादी का अगला मुकाबला मैथ्यू एब्डेन और बारबोरा क्रेजिकोवा की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी से होगा। बोपन्ना और उनके जोड़ीदार ने शुरुआती दौर में जर्मनी के टिम पुएत्ज और नीदरलैंड की डेमी शूअर्स पर 7-6, 7-6 से जीत दर्ज की थी। फिर उन्होंने स्पेन के मार्सेल ग्रेनोलर्स और फेडेरिको कोरिया की सोनिया-अर्जेंटीना जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया।

सीपीएल फ्रेंचाइजी सेंट लूसिया किंग्स ने नई टीम जर्सी लॉन्च की

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट लूसिया किंग्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 के लिए अपनी नई जर्सी का अनावरण किया। किंग्स अपने अभियान की शुरुआत सोमवार को एंटीगुआ बारबुडा फाल्कन्स के खिलाफ करेंगे।

नई जर्सी को खिलाड़ियों की सुविधा के लिए एक नई तकनीक के साथ डिजाइन किया गया है। जर्सी के रंग सेंट लूसिया ध्वज को दर्शाते हैं। जर्सी का इस तरह का डिजाइन करने का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों के अंदर अपनी पहली चैंपियनशिप जीतने की आग को हवा देना है।

सेंट लूसिया किंग्स के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा, जर्सी के रंग राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने में हमारे गर्व को दर्शाते हैं। इस साल ओलंपिक में सेंट लूसिया की सफलता के साथ, हम एक अच्छा प्रदर्शन करने और खिताब के दावेदारों में से एक बनने के लिए और भी अधिक प्रेरित हैं। हम शुरुआत करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते। सेंट लूसिया किंग्स ने अभी तक कोई खिताब नहीं जीता है, लेकिन पिछले कुछ सालों में दो बार फाइनल में पहुंची है। पिछले सीजन में फ्रेंचाइजी प्लेऑफ चरण में पहुंची थी, लेकिन एलिमिनेटर में गयाना अमेजन वॉरियर्स से हार गई थी। कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने कहा, मैं मैदान पर लौटने का इंतजार नहीं कर सकता। आज नई जर्सी पहनने से मुझे एक बार फिर महसूस हुआ है कि मैं एक बड़े उद्देश्य का हिस्सा हूं और इस टीम को ट्रॉफी तक ले जाने की जिम्मेदारी मुझ पर है। हम मैच दर मैच आगे बढ़ेंगे और अपना उत्साह बरकरार रखेंगे। हमारा लक्ष्य अपने प्रशंसकों को खुश करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।

8 महीने में 139 छक्के, पूरन ने रचा इतिहास

बने एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के तूफानी बल्लेबाज निकोलस पूरन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। हैरानी की बात यह है कि पूरन ने महज 8 महीनों में ही अपने ही देश के पूर्व दिग्गज क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा है। दरअसल, पूरन अब टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

निकोलस पूरन इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। बड़े से बड़ा गेंदबाज पूरन के सामने फीका नजर आ रहा है। अपनी तूफानी बल्लेबाजी से पूरन ने हर किसी के होश उड़ा रखे हैं। पूरन ने इस साल के आठ महीनों में ऐसी छक्कों की बरसात की कि क्रिस गेल का रिकॉर्ड चकनाचूर हो गया। बता दें कि पूरन फिलहाल अपने देश की फ्रेंचाइजी लीग कैरेबियन प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं। इस साल पूरन त्रिनबागो नाइट राइडर्स टीम का हिस्सा हैं। इस सीजन के अपने पहले ही मैच में पूरन ने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 7 चौके और 9 छक्के निकले। पूरन इस साल यानी 2024 में अब तक 139 छक्के लगा चुके हैं। इसके साथ ही उनके नाम टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड हो गया है। इससे पहले ये रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था। गेल ने 2015 में 135 छक्के जड़े थे। हालांकि, अब 9 साल बाद पूरन ने उनका यह रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

200 छक्के लगा सकते हैं पूरन

पूरन को अभी कैरेबियन लीग में काफी मैच खेलने हैं। इसके अलावा वह और भी कई लीग्स में खेलते नजर आ सकते हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पूरन जल्द ही टी20 में एक साल में 200 छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन सकते हैं।

एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

- निकोलस पूरन- 2024- 139 छक्के
- आंद्रे रसेल- 2019- 101 छक्के
- क्रिस गेल- 2016- 112 छक्के
- क्रिस गेल- 2015- 135 छक्के
- क्रिस गेल- 2012- 121 छक्के

हॉन्ग कॉन्ग टी-20 क्रिकेट

ये कैसा क्रिकेट! हॉन्ग कॉन्ग ने महज 10 गेंदों में जीता टी20 मैच

भारतवंशी गेंदबाज ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉन्ग कॉन्ग की क्रिकेट टीम ने कमाल कर दिया है. हॉन्ग कॉन्ग ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप एशिया क्वालिफायर के एक मैच में मंगोलिया के खिलाफ 9 विकेट से जीत हासिल की. चौंकाने वाली बात यह रही कि हॉन्ग कॉन्ग ने सिर्फ 10 गेंदों में ही टारगेट हासिल कर लिया. इस मुकाबले में हॉन्ग कॉन्ग को जीत के लिए 18 रनों का टारगेट मिला था.

31 अगस्त (शनिवार) को कुआलालम्पुर के बायुमास ओवल में खेले गए इस मुकाबले में हॉन्ग कॉन्ग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था. हॉन्ग कॉन्ग का ये फैसला बिल्कुल सही साबित हुआ. मंगोलिया की टीम महज 14.2 ओवरों में 17 रनों पर ढेर हो गई. मंगोलिया का कोई भी बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को नहीं छू सका. मंगोलिया की ओर से मोहन विवेकानंदन ने सबसे ज्यादा 18 गेंदों में 5 रन बनाए, वहीं लुवसनजुंडुई एर्डेनबुल्गन, बतमुनख जमियांसुरेन और नामसराई बेट्सेल गेरेल्ड के बल्ले से दो-दो रन निकले.

इस भारतवंशी गेंदबाज ने रचा इतिहास

हॉन्ग कॉन्ग के लिए एहसान खान ने पांच रन देकर चार विकेट लिए, वहीं अनस खान और नसरुल्लाह राणा ने दो-दो विकेट चटकाए. हालांकि इस सबके बीच महफिल लूटी लेग स्पिन गेंदबाज आयुष शुक्ला ने, जिन्होंने 4 ओवर में बिना कोई रन दिए एक विकेट लिए. भारतीय मूल के आयुष शुक्ला ऐसे तीसरे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने टी20 इंटरनेशनल में अपने चारों ओवर मेडन फेंके. इससे पहले साद बिन जफर (कनाडा) और लॉकी फर्ग्युसन (न्यूजीलैंड) ही ऐसा कर सके थे.

साद जफर ने साल 2021 में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप अमेरिका रीजन क्वालिफायर मैच में पनामा के खिलाफ 4-4-0-2 का स्पेल फेंका था. वहीं लॉकी ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ ये उपलब्धि हासिल की थी. पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ लॉकी ने 4-4-0-3 के बाउंड्री आंकड़े के साथ स्पेल समाप्त किया था.

मुकाबले में हॉन्ग कॉन्ग के लिए जीशान अली 15 और कप्तान निजाकत खान 1 रन पर नाबाद लौटे.

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड डूरंड कप फुटबॉल में पहली बार चैंपियन बना

डिफेंडिंग चैंपियन मोहन बागान को 4-3 से हराया, गुरमीत ने शूटआउट में 2 गोल बचाए

कोलकाता, एजेंसी। गुरमीत सिंह की शानदार गोलकीपिंग के दम पर नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने एशिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट डूरंड कप फुटबॉल का खिताब जीत लिया है। टीम ने 133वें सीजन के फाइनल मुकाबले में 2 गोल से पिछड़ने के बावजूद डिफेंडिंग चैंपियन मोहन बागान को शूटआउट में 4-3 से हराया। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड की टीम इस टूर्नामेंट में पहली बार चैंपियन बनी है। इतना ही नहीं, यह भारतीय फुटबॉल में क्लब की पहली ट्रॉफी भी है।

शनिवार रात को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में फाइनल मैच निर्धारित समय तक 2-2 की बराबरी पर रहा। ऐसे में चैंपियन का फैसला शूटआउट से हुआ। 24 वर्षीय गुरमीत सिंह ने तीसरे प्रयास में लिस्टन कोलाको का गोल रोका। फिर 5वें अटैम्प्ट में मोहन बागान के कप्तान सुभाशीष बोस का शॉट रोका और मैच को अपनी टीम के पक्ष में कर दिया।

मोहन बागान को उन्हें 13वीं बार दूसरे स्थान पर रहकर संतोष करना पड़ा। यह मैच देखने के लिए नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के मालिक बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम भी मौजूद थे। जीत के बाद नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाड़ियों ने मालिक जॉन अब्राहम के साथ सेलिब्रेट किया।

ऐसा रहा शूटआउट का रोमांचः शूटआउट के दौरान नॉर्थईस्ट यूनाइटेड की ओर से गुलेर्मो फर्नांडीज, कप्तान मिगुएल जबाको टोम, पार्थिब गोगोई और अलाएद्दीन अजराई ने अपने-अपने प्रयास में गोल दागे। वहीं, दूसरी ओर मोहन बागान की ओर से जेसन कमिंग्स, मनवीर सिंह और दिमित्री पेट्राटोस ने गोल किए। लिस्टन कोलाको और कप्तान सुभाशीष बोस गोल करने से चूक गए।

ऑलराउंडर की भूमिका को खत्म कर रहा इम्पैक्ट प्लेयर नियमः जोंटी रोड्स

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स के फील्डिंग कोच जोंटी रोड्स ने कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इम्पैक्ट प्लेयर नियम के बड़े फैन नहीं हैं, क्योंकि यह एक ऑलराउंडर की भूमिका को खत्म कर देता है। रोहित शर्मा जैसे प्रमुख प्लेयर भी चिंता व्यक्त कर चुके हैं कि यह नियम ऑलराउंडरों के विकास को हतोत्साहित करता है।

जबकि, रविचंद्रन अश्विन जैसे कुछ और सीनियर का मानना है कि यह नियम खेल में एक मूल्यवान रणनीतिक फैक्टर जोड़ता है। जोंटी रोड्स ने बात करते हुए कहा, मैं इम्पैक्ट प्लेयर नियम के सही उपयोग के पक्ष में हूं, क्योंकि खिलाड़ी लगभग फ्री होकर खेल रहे हैं। मैं केवल एक ऑलराउंडर की भूमिका के बारे में परेशान हूं।

आपको टेस्ट क्रिकेट, 50 ओवर और अब शायद टी20 के लिए भी इसकी आवश्यकता होती है। रोड्स ने कहा, इसलिए, मैं उस इम्पैक्ट प्लेयर नियम का बहुत बड़ा फैन नहीं हूं और शायद मैं इतना समझदार नहीं हूं कि यह समझ सकूं कि खिलाड़ी का उपयोग करने की सही रणनीति क्या है। लेकिन फिर से, यह मेरा निर्णय नहीं है कि किसी खिलाड़ी को कब भेजना है, इसलिए मैं इसके बारे में चिंता नहीं कर रहा हूं। मैं हमेशा मदद के लिए तैयार रहता हूं और खेल को अनुकूल बनाने के लिए चीजों को आजमाता हूं।

मेदवेदेव चौथे दौर में, सिनर ने ओकोनेल को हरा दिया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। नंबर 5 सीड रूसी डेनिल मेदवेदेव हार्ड कोर्ट मेजर के चौथे दौर में प्रवेश करने के लिए नंबर 31 सीड फ्लेवियो कोबोली को लगातार सेटों में हराकर पूर्व यूएस ओपन चैंपियन के प्रतिस्पर्धा के सिलसिले को रोकने में कामयाब रहे, जबकि विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर ने आसानी से चौथे दौर में जगह बना ली। मेदवेदेव ने युवा इटालवी कोबोली को दो घंटे, 18 मिनट में 6-3, 6-4, 6-3 से हरा दिया और पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस के साथ चौथे दौर की भिड़ंत तय की, जिन्होंने लगभग चार घंटे तक चले अपने पांच सेटों के राउंड 3 मुकाबले में चेक के टॉमस मचाक को हराया।

पूर्व चैंपियन नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कराज के आश्चर्यजनक रूप से बाहर होने के बाद, 2021 यूएस ओपन विजेता का चौथा राउंड है। फ्लशिंग मेडोज में उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम 2020 में क्वार्टरफाइनल फिनिश था। 25 वर्षीय डी मिनौर यह उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों लेटन हेविट (2004), जॉन न्यूकॉम्ब (1969), रॉय एमर्सन (1969), टोनी रोश (1969), रॉड लेवर (1969) और फ्रेड स्टोल (1969) की सूची में शामिल हो गए। इस साल की शुरुआत में रोलां गैरो और विंबलडन में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले डी मिनौर का अगला मुकाबला साथी ऑस्ट्रेलियाई जॉर्डन थॉम्पसन के खिलाफ राउंड 4 मैच होगा।

करियर आमने-सामने की भिड़ंत में वह थॉम्पसन से 4-1 से आगे हैं। अपने सबसे हालिया मैच में, डी मिनौर ने 2022 मैड्रिड मास्टर्स के दूसरे दौर में थॉम्पसन को 6-2, 6-3 से हराया था।

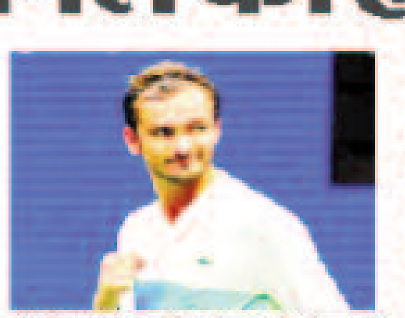

मेदवेदेव अब फ्लशिंग मेडोज में सीजन के आखिरी मेजर में अकेले एकमात्र पूर्व चैंपियन हैं। नंबर 10 सीड ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने 56 विनर लगाए और अपने शानदार कोर्ट कवरेज का इस्तेमाल करते हुए ब्रिटेन के विश्व नंबर 25 डैनियल इवांस को दो घंटे 46 मिनट में 6-3, 6-7(4), 6-0, 6-0 से हरा दिया। यह लगातार दूसरे वर्ष उनका यूएस ओपन का

बॉक्सिंगः

मुक्केबाजी का भविष्य अधर में लटका, एशियाई संघ ने आईबीए के पक्ष में मतदान किया

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्केबाजी का ओलंपिक में भविष्य पहले ही अधर में लटका है और अब इस खेल की एशियाई संचालन संस्था ने निलंबित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) के पक्ष में मतदान करके उसकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

गुप्त मतदान के जरिए किए गए मतदान में 21 देशों ने आईबीए के साथ बने रहने के पक्ष में जबकि 14 देशों ने इस खेल के संचालन के लिए गठित की गई नई संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग में शामिल होने के पक्ष में मतदान किया।

भारत के अलावा जिन अन्य देशों ने मतदान में भाग लिया उनमें बहरीन, भूटान, ब्रुनेई, कंबोडिया, चीन, चीनी ताइपे, तिमोर लेस्ते, हांगकांग, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, जापान, जॉर्डन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लाओस, लेबनान, मकाऊ, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, फिलीपींस, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, श्रीलंका, सीरिया, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, तुर्कमेनिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, वियतनाम और यमन शामिल थे। भारत ने पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया।

आईबीए का अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ विवाद चल रहा है। आईओसी ने तोक्यो और पेरिस खेलों के लिए ओलंपिक क्वालिफिकेशन प्रक्रिया की जिम्मेदारी संभाली थी।

उत्तराखंड प्रीमियर लीगः

पहले सीज़न से पहले की टीमों और उनके मालिकों की घोषणा

देहरादून, एजेंसी। देहरादून में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड (सीएयू) और आयोजनकर्ता एसआरएनफ्लिक्स स्पोर्ट्स एण्ड एंटरटेनमेंट ने उत्तराखण्ड प्रीमियर लीग (यूपीएल) के पहले सीजन के लिए टीमों की घोषणा कर दी है। इनमें पांच पुरुष और तीन महिला टीमें पहले यूपीएल में चैंपियन बनने के लिए मुकाबला करेंगी। सीएयू के सचिव महिम वर्मा ने टीम के मालिकों और प्रतियोगिता की संभावित टीमों का परिचय दिया। उत्तराखण्ड के विभिन्न प्रतिभाशाली क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली पांच पुरुष टीमें देहरादून वॉरियर्स- जिनका स्वामित्व शैलेन्द्र भदौरिया के स्वामित्व की टीम, हरिद्वार किंग्स एल्माक- फैयाजुद्दीन के स्वामित्व की टीम, नैनीताल एसजी पाइपर्स- डॉ. रोहन गुप्ता के स्वामित्व की टीम, पिथौरागढ़ हरिकेन- प्रकाश सिंह एवं कृष्णा शेट्टी के स्वामित्व की टीम, ऊधम सिंह नगर टाइगर्स- सुभाष अरोड़ा के स्वामित्व की टीम है।

इसी तरह तीन महिला टीमें जो राज्य में महिला खेलों के प्रति रुचि और अवसरों को बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाएंगी। इनमें मसूरी थंडर्स- प्रकाश सिंह के स्वामित्व की टीम, नैनीताल एसजी पाइपर्स- डॉ. रोहन गुप्ता के स्वामित्व की टीम, पिथौरागढ़ हरिकेन- कृष्णा शेट्टी के स्वामित्व की टीम शामिल है। ये टीमें न सिर्फ अपने-अपने शहरों के जोश और उत्साह का प्रतिनिधित्व करेंगी बल्कि पूरे उत्तराखण्ड राज्य का गौरव भी बढ़ाएंगी।

यूपीएल का उद्देश्य क्रिकेट के माध्यम से राज्य को एकजुट करना, तथा स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, पिथौरागढ़ और ऊधम सिंह नगर के समुदायों को एकजुट कर यूपीएल उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर एवं खेल प्रतिभा का जश्न मनाने का वादा करता है। टूर्नामेंट के प्रति आकर्षण को बढ़ाने के लिए, यूपीएल ने लगभग 50 लाख की आकर्षक पुरस्कार राशि की घोषणा भी की है। पुरुष प्रतियोगिता के विजेताओं को रु 25 लाख की राशि जीतने का मौका मिलेगा, वहीं महिला प्रतियोगिता के चैंपियनों को रु 7 लाख के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उपविजेता को भी पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा, पुरुष एवं महिला टीमों को क्रमशः 12 लाख और रु 3 लाख के पुरस्कार मिलेंगे। इसके अलावा लीग व्यक्तिगत प्रतिभा को भी पहचानेगी, मैन ऑफ द सीरीज को रु 1 लाख तथा वुमेन्स प्लेयर ऑफ द सीरीज को रु 25000 का पुरस्कार मिलेगा।

पंचायत के चौथे सीजन पर शुरू हुआ काम

पंचायत के तीन सीजन अब तक रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें दर्शकों द्वारा काफी पसंद भी किया गया है। अब इसके चौथे सीजन को लेकर जानकारियां सामने आ रही हैं। पंचायत अमेजन प्राइम वीडियो की एक बेहद लोकप्रिय वेब सीरीज है। इसके तीन सीजन अब तक प्रसारित हो चुके हैं, दर्शक अब इस सीरीज के चौथे सीजन का इंतजार कर रहे हैं। अब इसके निर्माताओं ने फैंस के लिए एक खुशखबरी का ऐलान किया है। दरअसल, निर्माताओं द्वारा जानकारी दी गई है कि इसके चौथे सीजन पर काम शुरू हो गया है। इस खबर से निश्चित ही पंचायत को पसंद करने वाले फैंस काफी खुश हो जाएंगे।

पंचायत के निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा ने घोषणा की है कि चौथे सीजन पर काम शुरू हो गया है। निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा के अनुसार, लोकप्रिय कॉमेडी-ड्रामा सीरीज पंचायत के कम से कम पांच सीजन पर काम चल रहा है। इसके चौथे सीजन पर काम शुरू भी कर दिया गया है। उन्होंने फैंस की खुशी दोगुनी करते हुए कहा कि इसके पांचवें सीजन को लेकर भी प्लानिंग की जा रही है।

हालांकि, सीजन चार के लिए दर्शकों को अभी इंतजार करना पड़ेगा। कथित तौर पर पंचायत का चौथा सीजन साल 2026 में रिलीज हो सकता है। इसका पहला सीजन साल 2020 में शुरू हुआ था, दूसरा साल 2022 और तीसरा सीजन 2024 में शुरू हुआ था।

साउथ के सबसे अमीर शादीशुदा एक्टर के प्यार में पड़ गई थीं तब्बू!

बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपना नाम बना चुकीं एक्ट्रेस तब्बू किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। तब्बू का एक्टिंग करियर बुलंदियों पर पहुंचा, लेकिन पर्सनल लाइफ में वो पीछे ही रह गईं।

52 साल की उम्र में भी वो सिंगल हैं और ऐसा इसलिए नहीं कि वो शादी नहीं करना चाहती थीं, बल्कि प्यार में उनका दिल टूट चुका है। उनके और अजय देवगन के अफेयर को लेकर खूब चर्चा रह चुकी है, हालांकि न कभी इसका कोई सबूत मिला और न ही उनमें से किसी ने इसपर कोई बयान दिया।

लोगों को लगता है कि तब्बू ने अजय देवगन के प्यार में शादी नहीं की, लेकिन ऐसा नहीं है। अजय देवगन नहीं उनकी लाइफ में कोई और था और दोनों का रिश्ता पूरे 15 सालों तक चला। जी हां! तब्बू साउथ के सुपरस्टार नागार्जुन के साथ प्यार में थीं। दोनों का अफेयर भी चला, लेकिन ये रिश्ता किसी मुकाम तक नहीं पहुंच पाया और उनका ब्रेकअप हो गया। नागार्जुन की दो शादियां हो चुकी हैं, उनकी पहली पत्नी का नाम लक्ष्मी था, जिनसे उन्होंने कुछ ही सालों में तलाक ले लिया था और फिर साल 1992 में अमला अक्किनेनी से शादी कर ली। इस बीच नागार्जुन का नाम तब्बू के साथ जुड़ा। इन दोनों ने अपने रिश्ते पर चुप्पी नहीं तोड़ी, लेकिन इनके बीच का प्यार छुपाए नहीं छुपा।

रिपोर्ट्स में बताया गया है कि तब्बू, नागार्जुन को लेकर काफी सीरियस थीं, लेकिन एक्टर शादीशुदा थे। वो चाहती थीं कि उनकी शादी हो जाए, लेकिन नागार्जुन अपनी शादीशुदा जिंदगी को खराब नहीं करना चाहते थे। बावजूद इसके उनका रिश्ता 15 साल चला और फिर न चाहते हुए भी इन्हें अलग होना पड़ा।

भारत की सबसे बड़ी रियलिटी टीवी स्टार बनना चाहती हैं उर्फी जावेद

ये रिश्ता क्या कहलाता है और कसौटी जिंदगी की जैसे धारावाहिक में अपने अभिनय का दम दिखा चुकीं उर्फी जावेद आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उर्फी जहां जाती हैं, वहीं सुर्खियां बन जाती हैं। उर्फी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज फॉलो कर लो यार को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अब हाल ही में, उर्फी ने कहा कि बॉलीवुड अब मेरा सपना नहीं है और वह भारत की सबसे बड़ी रियलिटी टीवी स्टार बनना चाहती हैं। उर्फी ने साक्षात्कार में कहा, बॉलीवुड अब सपना नहीं रहा। मैं भारत में सबसे बड़ी रियलिटी टीवी स्टार बनना चाहती हूं और एक उद्यमी बनना चाहती हूं।

आज हमारे पास तलाशने के लिए कई अलग-अलग करियर ऑप्शंस हैं, जिनके बारे में हमें जानकारी नहीं थी और हमने कभी नहीं सोचा था कि इनमें भी जाया जा सकता है। अपनी जर्नी पर बात करते हुए उर्फी ने कहा, मैंने जीरो से शुरुआत की, मैं यहां किसी को नहीं जानती थी। मुझे नहीं पता था कि काम कैसे करना है या कैसे काम पाना है। मेरा सपना यहां कुछ बड़ा करने का था। जब मैं यहां आई, तो मैंने गूगल पर टीवी और फिल्मों के कई प्रोडक्शन हाउस के नंबर ढूंढे। मैंने एक ही दिन में सभी को फोन करके काम मांगा। कुछ ने जवाब दिया और कुछ ने नहीं दिया।

उर्फी ने अपने अनोखे और बोल्ड फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर खूब लोकप्रियता हासिल की है। शुरुआत में तमाम आलोचनाओं को झेलने के बाद अब इंटरनेट पर हर कोई उर्फी के टैलेंट की प्रशंसा करता है। यही नहीं, अपनी हालिया सीरीज फॉलो कर लो यार की रिलीज के बाद उर्फी के स्टारडम में भी अब चार-चांद लग गए हैं। यही नहीं, उर्फी कई बार अपने विवादित बयानों को लेकर भी मुश्किलों में फंस जाती हैं। हालांकि, अभिनेत्री अपने बयानों को लेकर हमेशा मुखर रही हैं।

तृप्ति डिमरी के चलते बंद हो गई अविनाश तिवारी की लैला मजनूं

अविनाश तिवारी और तृप्ति डिमरी की 2018 की फिल्म लैला मजनूं पिछले कुछ सालों में एक कल्ट क्लासिक के रूप में उभरी और दोनों की केमिस्ट्री आज भी सबसे बेहतरीन जोड़ियों में से एक है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इम्तियाज अली द्वारा निर्मित इस फिल्म को कुछ समय के लिए रोक दिया गया था क्योंकि निर्माता अपनी आदर्श महिला लीड नहीं ढूंढ पाए थे?

लैला मजनूं की कास्टिंग के दौरान मुकेश छाबड़ा के साथ उनकी कास्टिंग कंपनी में काम कर रहीं आरती अरोड़ा ने इस महीने की शुरुआत में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि लैला को खोजने में उन्हें क्या-क्या करना पड़ा। अरोड़ा ने कहा, मुझे एक ऐसी खूबसूरत और आकर्षक लड़की की तलाश में वाकई बहुत मुश्किल समय का सामना करना पड़ा, जो अभिनय कर सके। कास्टिंग में इसे अक्सर बहुत मुश्किल ब्रीफ माना जाता है। उन्होंने बताया कि लैला को खोजने के लिए टीम ने कई लड़कियों का परीक्षण किया, जिनमें लोकप्रिय फिल्म और टीवी कलाकार, पेशेवर मिस इंडिया महिलाएं और देश भर के कई कॉलेज शामिल थे।

आरती ने बताया कि सही लड़की न मिलने की वजह से 2016 में लैला मजनूं को कुछ समय के लिए रोक दिया गया था, लेकिन एक साल बाद फिर से तलाश शुरू हुई।

मुझे कभी किसी चीज से डर नहीं लगता: जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज बॉलीवुड के मशहूर नामों में से एक हैं। वह ठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ अपने कथित संबंधों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। इन सबके बीच अभिनेत्री ने हाल ही में बताया कि उन्हें भगवान पर भरोसा है और वह खूब ध्यान करती हैं। इसलिए, उन्हें अपने आस-पास कुछ भी होने का डर नहीं है। अभिनेत्री के इस बयान को लोग ठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ जोड़कर भी देख रहे हैं।

हाल ही में हार्पर बाजार के साथ एक साक्षात्कार में जैकलीन फर्नांडीज से उनकी आलोचनाओं से निपटने के तरीके के बारे में पूछा गया। अपने जवाब में अभिनेत्री ने कहा, पॉजिटिविटी और नेगेटिविटी हमेशा बनी रहेगी। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने इस बात को स्वीकार कर लिया है कि प्यार सब की किस्मत में नहीं होता है और यह वह भ्रम है, जो शायद ही किसी के पास हो सकता है। अभिनेत्री की इस सोच ने उन्हें स्वतंत्र और शांत बनाए रखा है। इसके अलावा अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें हमेशा भगवान पर गहरी आस्था रही है। जैकलीन ने कहा, यह मेरे जीवन में एक मजबूत शक्ति है। और इस वजह से, मुझे कभी किसी चीज से डर नहीं लगता। मैं अब ध्यान करती हूं।

अब मैं सही और गलत लोगों के बीच अंतर करने में सक्षम हूं और मैं अपने परिवार और अच्छे लोगों को अपने करीब रखती हूं। गौरतलब है कि पिछले महीने जैकलीन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था।

BMCM की असफलता के बाद, बंद हुई टाइगर श्रॉफ एक्शन थ्रिलर हीरो नंबर 1

टाइगर श्रॉफ इस समय अपने प्रोफेशनल फ्रंट पर मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उन्हें आखिरी बार अली अब्बास जफर की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार के साथ देखा गया था। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्टर अब मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म हीरो नंबर 1 को रोक दिया गया है। टाइगर श्रॉफ की अगली फिल्म का नाम हीरो नंबर 1 है, जिसे मिशन मंगल के निर्देशक जगन शक्ति निर्देशित कर रहे थे। इस फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी और जैकी भगनानी द्वारा किया जा रहा था। इसी शीर्षक को लेकर वाशु भगनानी ने 30 साल पहले गोविंदा के साथ फिल्म बनाई थी, जो ब्लॉकबस्टर हुई थी। टाइगर श्रॉफ की इस फिल्म को एक बड़े बजट की एक्शन से भरपूर थ्रिलर माना जा रहा था। हालांकि, हीरोपंती 2, गणपथ और बड़े मियां छोटे मियां के साथ उनकी हालिया असफलताओं के बाद, कथित तौर पर उनकी हीरो नंबर 1 भी बंद कर दी गई है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, हीरो नंबर 1 की 20 दिन शूटिंग हो चुकी थी और बाकी के हिस्से की शूटिंग अप्रैल में BMCM की रिलीज के बाद होनी थी। हालांकि, अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित यह फिल्म भगनानी की पूजा एंटरटेनमेंट के लिए बड़ा घाटे का सौदा साबित हुई। एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, वे भारी कर्ज में हैं और हीरो नंबर 1 की शूटिंग के लिए पैसा लगाने की स्थिति में नहीं हैं। इसलिए, यह ठंडे बस्ते में जाने के कगार पर है। रिपोर्ट में आगे दावा किया गया है कि निर्देशक जगन शक्ति अपने अगले प्रोजेक्ट पर चले गए हैं।

श्रेया घोषाल ने रद्द किया लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के बाद पीड़िता को न्याय दिलाने की मुहिम में गायिका श्रेया घोषाल भी शामिल हो गई हैं। मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने कोलकाता में सितंबर में होने वाले अपने लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट को रद्द करने का ऐलान किया है। उन्होंने इसकी जानकारी रविवार को दी। श्रेया घोषाल ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर एक बयान जारी कर कहा, 14 सितंबर को कोलकाता में होने वाले लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट को अक्टूबर के लिए री-शेड्यूल किया गया है। उन्होंने कहा, मैं हाल ही में कोलकाता में हुई जघन्य घटना से काफी आहत हूं। एक महिला होने के नाते, उसके साथ हुई क्रूरता के बारे में सोचना भी अकल्पनीय है और इससे मेरी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। श्रेया घोषाल के अनुसार, इस कॉन्सर्ट का सभी को बेसब्री से इंतजार था। लेकिन, उनके लिए इस मुद्दे पर एकजुट होकर एक स्टैंड लेना और प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ खड़ा होना बेहद जरूरी था।

टाइपकास्ट होने की फिक्र नहीं, मिलते हैं अवसर: सारा खान

अभिनेत्री सारा खान को लगता है कि अब अभिनेताओं को केवल उनके पर्दे पर निभाए किरदारों के आधार पर आंका नहीं जाता है। सोशल मीडिया ने पूर्वाग्रह बदला है। टीवी एक्टर मानती हैं कि उन्हें टाइपकास्ट होने की भी चिंता नहीं है। सारा, इन दिनों रब्बा मैंनु माफ कीं (?) सीरियल में दिख रही हैं। अपने नए किरदार को लेकर उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि लोग अब अभिनेताओं को केवल उनकी स्क्रीन पर निभाई भूमिकाओं के आधार पर आंकते हैं। सोशल मीडिया अब इतना प्रचलित है कि लोग अभिनेताओं के बारे में उनकी प्रोफाइल के माध्यम से जान सकते हैं और देख सकते हैं कि वे वास्तव में अपने पात्रों से परे कैसे दिखते हैं? इसलिए, मैं टाइपकास्ट होने को लेकर फिक्रमंद नहीं हूं क्योंकि इससे लोगों को हमें बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है और करियर में नए अवसर भी मिलते हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि यह कई साल पहले की बात है जब अभिनेता टाइपकास्ट होने की चिंता करते थे।

उन्होंने कहा, लेकिन अब यह चिंता का विषय नहीं है। सोशल मीडिया दर्शकों और निर्माताओं को अभिनेताओं की भूमिकाओं से परे उनकी प्रतिभा को देखने का मौका देता है, जिससे हमें अन्य कौशल दिखाने और पिछले किरदारों के आधार पर किसी भी पूर्वाग्रह को बदलने का मौका मिलता है।

साभार-एजेंसी